@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 16 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 67 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने संजय राउत पर कसा तंज

मुंबई, 15 जनवरी। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के नेता संजय राउत पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पार्टी राउत के बयानों का जवाब देना जरूरी नहीं समझती। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राउत हमारे लिए कोई मुद्दा ही नहीं है। बता दें, यह प्रतिक्रिया राउत के उस बयान पर थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि शिवसेना (यूबीटी) राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों में अपने सहयोगी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) पार्टियों के साथ नहीं, बल्कि अकेले ही चुनाव लड़ेगी। हालांकि, उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना और कांग्रेस पिछले विधानसभा चुनाव में एक साथ लड़े थे। मगर, राउत और पटोले अक्सर एक-दूसरे पर हमला करते रहते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, संजय राउत हमारे लिए कोई मुद्दा नहीं है और हमें उनके बयान पर कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है। आज का अहम मुद्दा यह है कि हमारे सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं और चीन ने हमारी सीमाओं के कई हिस्सों में घुसपैठ की है। देश में लोकतंत्र खतरे में है, किसान और युवा सरकार की गलत नीतियों के कारण परेशान हैं। महंगाई बढ़ रही है और रुपया गिर रहा है। ये सब मुद्दे कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम सिर्फ किसी के बयान पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते। देश पहले है और फिर बाकी बातें। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें शक है कि क्या राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव जल्द होंगे, क्योंकि राज्य की कई नगरपालिकाओं और अन्य नागरिक निकायों के चुनाव दो साल से लंबित हैं, जिनमें बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) भी शामिल है। जब उनसे यह सवाल पूछा गया कि क्या वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण उन्हें राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में बदल सकते हैं, तो पटोले ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सोनिया गांधी ने किया कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 15 जनवरी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में नए पार्टी मुख्यालय का उद्घाटन किया। पिछले करीब पांच दशक से पार्टी का मुख्यालय '24 अकबर रोड' था। अब मुख्य विपक्षी दल का नया मुख्यालय '9ए कोटला मार्ग' पर बनाया गया है। सोनिया गांधी ने फीता काटकर नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद थे। इससे पहले, कांग्रेस मुख्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया और नेताओं ने राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान और विजयी विश्व तिरंगा प्यारा.. गाया। पार्टी के उद्घाटन कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे। इसके अलावा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य, स्थायी और विशेष आमंत्रित सदस्य, कांग्रेस संसदीय दल के पदाधिकारी, पार्टी के कई पदाधिकारी, केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख, विभिन्न राज्यों के पार्टी के विधायक दल के नेता, सांसद, कई राज्यों के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। इंदिरा भवन को पार्टी और उसके नेताओं की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जिसमें प्रशासनिक, संगठनात्मक और रणनीतिक कार्यों में सहयोग करने के लिए आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। कांग्रेस के इस नए मुख्यालय का काम पिछले कई वर्षों से जारी था। कांग्रेस 24, अकबर रोड को फिलहाल खाली नहीं करेगी, जो 1978 में कांग्रेस (आई) के गठन के बाद से इसका मुख्यालय था। कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत ने संविधान पर हमला किया। यह देशद्रोह और संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का कर्तव्य है कि वह पारदर्शिता के साथ चुनाव कराए। आयोग का दायित्व है कि वह हमें महाराष्ट्र, हरियाणा चुनावों का डाटा दे, लेकिन वे हमें डाटा देने से इनकार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि कल मोहन भागवत ने कहा कि संविधान हमारी स्वतंत्रता का प्रतीक नहीं है। लेकिन इसके बाद भी पंजाब, कश्मीर, पूर्वोत्तर में हमारे हजारों कार्यकर्ता मारे गए। मगर कांग्रेस फिर भी कुछ खास मूल्यों के लिए खड़ी रही है। हम इस इमारत में उन मूल्यों को देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी दुनिया स्वयं से बाहर पर ध्यान केंद्रित करती है, जबकि भारतीय सोच का तरीका स्वयं को समझने के बारे में है। भारत में भी स्वयं के बारे में दो दृष्टिकोण हैं, जो संघर्ष है। एक हमारा संविधान का विचार और दूसरा आरएसएस का विचार है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत हर 2-3 दिन में देश को यह बताते हैं कि वे स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के बारे में क्या सोचते हैं? कल उन्होंने जो कहा वह देशद्रोह है। भागवत ने कहा कि संविधान अमान्य है और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई अमान्य थी। भारत में उन्हें सार्वजनिक रूप से यह कहने की हिम्मत है। किसी अन्य देश में अगर वे ऐसा कहते तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता और उन पर मुकदमा चलाया जाता। यह कहना कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली हर भारतीय का अपमान है। अब समय आ गया है कि हम इस बकवास को सुनना बंद करें, क्योंकि ये लोग सोचते हैं कि वे बस रटते रहेंगे और चिल्लाते रहेंगे। राहुल गांधी ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि आज जो लोग सत्ता में हैं, वे तिरंगे को सलाम नहीं करते, राष्ट्रीय ध्वज को नहीं मानते, संविधान को नहीं मानते और भारत के बारे में उनका नजरिया हमसे बिल्कुल अलग है। झवे चाहते हैं

पूजा खेडकर ने गिरफ्तारी से पहले जमानत मांगी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 15 जनवरी। सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी करने और ओबीसी-दिव्यांगता कोटे का गलत लाभ उठाने की आरोपी पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर ने अग्रिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ 15 जनवरी को याचिका पर सुनवाई करेगी। पूजा खेडकर ने 23 दिसंबर 2024 के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि पूजा खेडकर के खिलाफ प्रथम दृष्टया मजबूत मामला बनता है और व्यवस्था में हेरफेर करने की बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए जांच की आवश्यकता है और गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उच्च न्यायालय ने कहा, अग्रिम जमानत याचिका खारिज की जाती है। गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण खत्म किया जाता है। पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण तब दिया गया था, जब उच्च न्यायालय ने 12 अगस्त, 2024 को उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया था, और इसे समय-समय पर बढ़ाया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि यूपीएससी परीक्षा सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा थी और यह मामला संवैधानिक निकाय के साथ-साथ समाज के साथ धोखाधड़ी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पर आरक्षण लाभ हासिल करने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, 2022 के लिए अपने आवेदन में गलत जानकारी प्रस्तुत करने का आरोप है। हालांकि, पूजा खेडकर ने अपने खिलाफ सभी आरोपों का खंडन किया। वहीं दिल्ली पुलिस के वकील और शिकायतकर्ता यूपीएससी ने उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका का विरोध किया।

दिल्ली में फिर ग्रैप-4 लागू: प्रदूषण बढ़ने से लिया गया निर्णय

दिल्ली, 15 जनवरी। दिल्ली-एनसीआर में बढ़े वायु प्रदूषण के चलते ग्रैप-4 की पाबांदियां लागू कर दी गई हैं। इसके तहत राजमार्गों, सड़कों, फ्लाईओवरों, बिजली लाइनों, पाइपलाइनों व सार्वजनिक परियोजनाओं समेत सभी निर्माण गतिविधियों पर पाबंदी रहेगी। इलेक्ट्रिक, सीएनजी व बीएस-4 डीजल वाहनों को छोड़कर, दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-जरूरी हल्के वाणिज्यिक वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा। कारखानों, निर्माण कार्यों यातायात पर कड़ी पाबंदियां रहेगी। दिल्ली में ट्रक लोडर समेत अन्य भारी वाहनों को प्रवेश नही मिलेगा। सभी तरह के निर्माण और तोड़फोड़ कामों पर प्रतिबंध रहेगा। कच्ची सड़कों पर वहां आवागमन निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों पर रोक रहेगी। खुले में कचरा जलाने पर रोक रहेगी, पॉलीथिन और प्रदूषणकारी पदार्थों का उपयोग भी प्रतिबंधित रहता है। मौसम विभाग ने बताया कि भारतीय समयानुसार आज यानि बुधवार सुबह साढ़े पांच बजे सफदरजंग इलाके में मध्यम कोहरे के साथ शांत हवा रही। वहीं जबकि न्यूनतम दृश्यता 200 मीटर और पालम में न्यूनतम दृश्यता 150 मीटर दर्ज की गई।

कर्नाटक मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जाएगी जातिगत जनगणना रिपोर्ट

बंगलूरू, 15 जनवरी। जातिगत जनगणना रिपोर्ट को 16 जनवरी को कर्नाटक मंत्रिमंडल के समक्ष पेश करने की संभावना है। राज्य गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने जोर देकर कहा कि इसकी सामग्री को सर्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर कोई भी निर्णय सरकार का विशेषाधिकार है और इसका विश्लेषण करने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। समाज के कुछ वर्गों द्वारा उठाई गई आपत्तियों और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इसके खिलाफ आवाजों के बीच कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपने तत्कालीन अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व में पिछले साल 29 फरवरी को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को रिपोर्ट सौंपी थी। राज्य गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा, यह निर्णय लिया गया कि रिपोर्ट को कैबिनेट के सामने खोला जाएगा, वरना इससे जानकारी लीक हो सकती है। इस पर चर्चा होगी या नहीं, मैं इसके बारे में अभी नहीं बोल सकता, एक बार रिपोर्ट खोलने के बाद कम से कम हमें कुछ जानकारी मिलेगी। रिपोर्ट और इसकी सिफारिशों के कार्यान्वयन पर कुछ प्रमुख वर्गों के विरोध को लेकर एक सवाल पर उन्होंने कहा सरकार को करदाताओं के 160 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद रिपोर्ट मिली है। इसे कम से कम सार्वजनिक किया जाना चाहिए और इसके आधार पर कार्रवाई की जानी चाहिए। राज्य गृह मंत्री ने कहा कि अब जो हो रहा है वह रिपोर्ट से जानकारी सामने आ रही है। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों वोक्कालियाग और लिंगायत ने किए गए सर्वेक्षण पर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे अवैज्ञानिक बताया और इसे खारिज करने और नए सिरे से सर्वेक्षण कराने की मांग की। उपमुख्यमंत्री डीकेशिवकुमार जो वोक्कालिगा से ताल्लुक रखते हैं, ने कुछ मंत्रियों के साथ समुदाय द्वारा पहले मुख्यमंत्री को सौंपे गए एक ज्ञापन पर हस्ताक्षरकर्ता थे। इस ज्ञापन में उन्होंने रिपोर्ट और डाटा को अस्वीकार करने का अनुरोध किया।

बिहार विधान परिषद उपचुनाव के नतीजे घोषित करने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 15 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार विधान परिषद उपचुनाव के नतीजे घोषित करने पर रोक लगा दी। यह सीट पहले राजद से निष्कासित नेता सुनील कुमार सिंह के पास थी। पिछले साल 26 जुलाई को सुनील कुमार सिंह को सदन में अभद्र व्यवहार की वजह से बिहार विधान परिषद से निष्कासित कर दिया गया था। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके परिवार के करीबी माने जाने वाले नेता पर 13 फरवरी 2024 को सदन में तीखी नोकझोंक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करने का आरोप है। सुनील कुमार सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि सीट के लिए उपचुनाव के नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जा सकते हैं। इसकी वजह यह है कि चुनाव निर्विरोध हुआ है। पीठ ने कहा कि चूंकि वह पहले से ही मामले पर दलीलें सुन रही है, इसलिए इस बीच सीट के लिए कोई परिणाम घोषित नहीं किया जाना चाहिए। सिंघवी ने कहा कि कोर्ट अगस्त 2024 से निष्कासन के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही है और अगर कल अदालत याचिका को अनुमति देती है, तो यह एक अजीब स्थिति होगी, क्योंकि एक ही सीट के लिए दो उम्मीदवार होंगे। पीठ ने कहा कि वह 16 जनवरी को राज्य विधान परिषद, आचार समिति और अन्य की दलीलें सुनेंगी, जिसके बाद वह इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रखेगी। 2024 में आचार समिति की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के एक दिन बाद सुनील के निष्कासन का प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया गया था। उन पर मुख्यमंत्री की शारीरिक भाषा की नकल करके उनका अपमान करने और आचार समिति के सामने उपस्थित होने के बाद समिति के सदस्यों की योग्यता पर सवाल उठाने का भी आरोप लगाया गया था। उनके निष्कासन के अलावा एक अन्य राजद एमएलसी मोहम्मद कारी सोहैब को भी दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। आचार समिति की रिपोर्ट में कहा गया कि सोहैब ने जांच के दौरान अपने कार्यों के लिए खेद जताया, जबकि सिंह अपनी बात पर अड़े रहे।

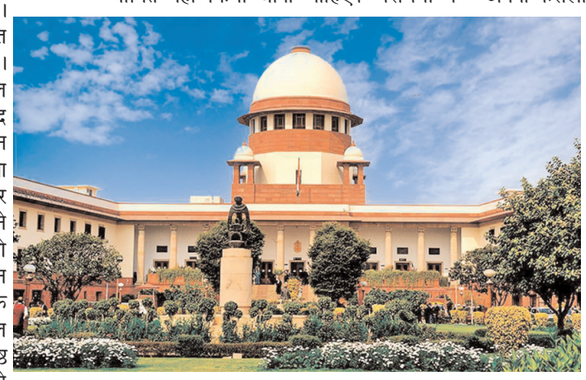

रूसी सेना में भर्ती भारतीयों को रिहा करें: विदेश मंत्रालय

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 14 जनवरी। भारत ने रूस से अपील की कि वह उन सभी भारतीयों को रिहा करे, जो रूसी सेना में भर्ती हुए हैं। इससे पहले विदेश मंत्रालय (एमईए) ने जानकारी दी कि रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में एक और भारतीय की मौत हुई है, जिससे मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि केरल के एक व्यक्ति की मौत हुई है और एक अन्य भारतीय नागरिक घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए मॉस्को के अस्पताल में भर्ती किया गया है। जायसवाल ने कहा कि इस मामले को रूसी अधिकारियों और नई दिल्ली में रूस के दूतावास के साथ मजबूती से उठाया गया है। उन्होने यह भी कहा कि भारत ने बाकी भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द रिहा करने की मांग दोहराई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने इस मामले को उठाया था और भारतीयों की शीघ्र रिहाई की मांग की थी। विदेश मंत्रालय ने कहा, रूस की सेना में भर्ती हुए केरल के रहने वाले एक शख्स की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बारे में पता चला है। वहीं, एक अन्य भारतीय नागरिक भी घायल हुआ है और उसका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। हम मृतकों के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। मॉस्को स्थित हमारा दूतावास उनके परिवारों के संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। रूस के अधिकारियों से लगातार विदेश मंत्रालय संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं। हमने घायल व्यक्ति को भी जल्द से जल्द छुट्टी देने और भारत वापस भेजने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले को आज मॉस्को में रूसी अधिकारियों के साथ-साथ नई दिल्ली में रूसी दूतावास के समक्ष भी जोरदार तरीके से उठाया गया है। हमने शेष भारतीय नागरिकों की शीघ्र रिहाई की अपनी मांग भी दोहराई है। मालूम हो कि पिछले साल छह दिसंबर को संसद में दिए गए जवाब में विदेश मंत्रालय ने बताया था कि रूस में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें उत्तर प्रदेश और गुजरात से दो-दो, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, तेलंगाना, केरल और ओडिशा से एक-एक व्यक्ति शामिल है। यह संभवत: 11वीं ऐसी मौत है। अगस्त में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में कहा था कि सरकार रूस के इस दावे का समर्थन नहीं करती कि भारतीयों ने जानबूझकर रूसी सेना के साथ अनुबंध किए हैं। जवाब में रूसी दूतावास ने कहा था कि मॉस्को किसी भी भर्ती प्रयास में शामिल नहीं रहा है, खासकर सैन्य सेवा के लिए भारतीय नागरिकों को भर्ती करने की 'धोखाधड़ी योजनाओं' में। इसने यह भी दावा किया कि रूसी रक्षा मंत्रालय ने अप्रैल 2024 से भारत सहित कई विदेशी देशों के नागरिकों को रूसी सशस्त्र बलों में सैन्य सेवा में प्रवेश देने पर रोक लगा दी है।

राज्य विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को कमजोर कर रहे केंद्र और यूजीसी

कोच्चि, 14 जनवरी। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) उच्च शिक्षण संस्थानों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूजीसी के ताजा मसौदा नियम इसके उदाहरण हैं, जो राज्य विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को खतरे में डाल रहे हैं। विजयन ने कहा कि ये नियम राज्य विद्यालयों को स्वायत्तता देने वाले उन अधिनियमों का उल्लंघन करते हैं, जो निर्वाचित विधानसभा द्वारा बनाए गए थे। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी राज्य के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से उच्च शिक्षा पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद की।अपने संबोधन में विजयन ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य को शिक्षकों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता जैसे मुद्दों पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार इन नियमों का पालन करती है। लेकिन यूजीसी का इस हद तक दखल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अधिकांश विश्वविद्यालय राज्य के संसाधनों से वित्तपोषित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन किया

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 15 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और भाजपा सांसद हेमा मालिनी भी उपस्थित थीं। इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार सेवा भावना के साथ काम कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ज्ञान और भक्ति की इस महान भूमि पर इस्कॉन के प्रयास से श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस दिव्य उद्घाटन में भूमिका निभाने का मौका मिल रहा है। मैं अभी देख रहा था कि श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर परिषद की जो रूपरेखा है, इस मंदिर के पीछे जो विचार है, इसका जो स्वरूप है, उसमें अध्यात्म और ज्ञान की सम्पूर्ण परंपरा के दर्शन होते हैं। मंदिर में ईश्वर के विविध स्वरूपों के दर्शन होते हैं। पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि यह मंदिर परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को भी समृद्ध करने का एक पुण्य केंद्र बनेगा। मैं इस पुनीत कार्य के लिए इस्कॉन के सभी संतों और सदस्यों को और महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आज इस मौके पर मुझे परम श्रद्धेय गोपालकृष्ण गोस्वामी महाराज का भावुक स्मरण भी हो रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनका विजन जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अगाध भक्ति का आशीर्वाद जुड़ा हुआ है। आज वो भौतिक शरीर से भले ही यहां न हो, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति हम सब महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि दुनियाभर में फैले इस्कॉन के अनुयायी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की डोर से बंधे हैं। उन सबको एक-दूसरे से कनेक्ट रखने वाला एक और सूत्र है, जो चौबीसों घंटे हर भक्त को दिशा दिखाता रहता है। यह श्रील प्रभुपाद स्वामी के विचारों का सूत्र है। उन्होंने उस समय वेद-वेदांत और गीता के महत्व को आगे बढ़ाया जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था। इसके साथ ही उन्होंने भक्ति वेदांत को जनसामान्य की चेतना से जोड़ने का अनुष्ठान किया। पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया के हर कोने में करोड़ों लोगों को उनकी तपस्या का प्रसाद मिल रहा है। श्रील प्रभुपाद स्वामी की सक्रियता, उनके प्रयास आज भी हमें प्रेरित करते हैं। भारत केवल भौगोलिक सीमाओं में बंधा भूमि का एक टुकड़ा मात्र नहीं है। भारत एक जीवंत धरती है, एक जीवंत संस्कृति है और इस संस्कृति की चेतना है- यहां का आध्यात्म। इसलिए, अगर भारत को समझना है, तो हमें पहले आध्यात्म को आत्मसात करना होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि जो लोग दुनिया को केवल भौतिक दृष्टि से देखते हैं, उन्हें भारत भी अलग-अलग भाषा और प्रांतों का समूह नजर आता है। लेकिन जब आप इस सांस्कृतिक चेतना से अपनी-अपनी आत्मा को जोड़ते हैं, तब आपको भारत के विराट रूप के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा, मुझे संतोष है कि हमारी सरकार भी सेवा भावना के साथ पूरे समर्पण से लगातार देशवासियों के हित में काम कर रही है। हर घर में शौचालय बनवाना, हर गरीब महिला को उज्ज्वला का गैस कनेक्शन देना, हर घर तक नल से जल की सुविधा पहुंचाना, हर गरीब को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देना, 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को इस सुविधा के दायरे में लाना, हर बेघर को पक्के घर देना, यह सेवा भावना और समर्पण भाव के साथ किए गए कार्य हैं। यह मेरे लिए हमारी महान सांस्कृतिक परंपरा का प्रसाद हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सेवा की यही भावना सच्चा सामाजिक न्याय लाती है। सच्चे धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार कृष्णा सर्किट के माध्यम से देश के अलग-अलग तीर्थों और धार्मिक स्थानों को जोड़ रही है। इस सर्किट का विस्तार गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और ओडिशा तक है।

स्थानीय चुनाव के लिए नहीं था इंडी गठबंधन: शरद पवार

मुंबई, 14 जनवरी। महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय चुनाव से पहले महा विकास अघाड़ी गठबंधन टूट की कगार पर पहुंचता दिख रहा है। दरअसल हाल ही में शिवसेना यूबीटी ने स्थानीय चुनाव अकेले लड़ने का एलान किया था। अब एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार ने भी ऐसे संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी भी स्थानीय चुनाव अकेले लड़ सकती है। शरद पवार ने कहा कि अगले 8-10 दिनों में बैठक होगी, जिसमें इस पर फैसला होगा कि चुनाव गठबंधन में लड़ा जाए या फिर अकेले। शरद पवार से जब इंडी गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में कभी भी राज्य और स्थानीय चुनाव को लेकर चर्चा नहीं हुई। इंडी गठबंधन सिर्फ राष्ट्रीय स्तर के चुनाव के लिए था। महाराष्ट्र के आगामी निकाय चुनाव में हम गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेंगे या अकेले, इसका फैसला करने के लिए अगले 8-10 दिनों में बैठक होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि दिल्ली चुनाव में, मुझे ऐसा लगता है कि हमें अरविंद केजरीवाल की मदद करनी चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने साफ कर दिया कि उनकी पार्टी स्थानीय चुनाव में अकेले लड़ेगी। संजय राउत ने कहा कि गठबंधन में पार्टी कार्यकर्ताओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिलते और इससे संगठन का विकास भी बाधित होता है। हम निकाय चुनाव अपने दम पर लड़ेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पूर्व गाजा में युद्धविराम संभव

एजेंसी

दोहा। गाजा में इजराइल और हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के थमने की संभावना बढ़ गई है। कतर की कोशिश है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले युद्धविराम समझौता लागू हो जाए। कतर ने दोनों पक्षों के सामने तैयार मसौदा प्रस्तुत किया है। इस पर अगले सप्ताह हस्ताक्षर होने की संभावना है। कतर ट्रिब्यून के अनुसार, अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने लुसैल पैलेस स्थित अपने कार्यालय में गाजा पट्टी में युद्धविराम वार्ता के लिए पहुंचे हमास के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह प्रतिनिधिमंडल डॉ. खलील अल के नेतृत्व में इनदिनों दोहा में है। अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने प्रतिनिधमंडल से युद्धविराम वार्ता की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस बीच व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को वाशिंटन में कहा कि गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौता करीब है। इसे राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम सप्ताह में अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाइडेन ने रविवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। वह इस मामले के मध्यस्थ कतर के अमीर से भी बातचीत करेंगे। सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जल्द ही मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से बातचीत करेंगे।

इमरान खान की पत्नी ने जज से कहा- हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने आज एक न्यायाधीश से कहा, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। उनकी यह टिप्पणी न्यायाधीश ताहिर अब्बास सिपरा की अध्यक्षता वाली आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) में एक मामले की सुनवाई के दौरान आई। यह मामला रेंजर्स कर्मियों पर एक वाहन चढ़ाने के आरोप से संबंधित था। 'जियो न्यूज' चैनल के अनुसार, सुनवाई के दौरान जज ने बुशरा से कहा, इसमें कुछ समय लगा है, लेकिन कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। इस पर बुशरा बीबी ने जवाब दिया, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। न्यायाधीश सिपरा ने इस पर असहमति जताते हुए आश्वासन दिया, हर जगह ऐसा नहीं है। न्याय प्रणाली अपनी खामियों के बावजूद काम कर रही है। अगर यह ध्वस्त हो गई, तो समाज का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। आप अन्य सुनवाई में भी मेरे सामने पेश हुई हैं। पीटीआई संस्थापक की पत्नी ने कहा, देश में कानून है लेकिन न्याय नहीं है। पीटीआई संस्थापक को संविधान की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए जेल में डाल दिया गया है। हमने जो कुछ सहा है, उससे कानून में हमारा विश्वास पूरी तरह से टूट गया है। दलीलों के बाद कोर्ट ने रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में बुशरा को अंतरिम जमानत दे दी और राहत की अवधि 7 फरवरी तक बढ़ा दी।

ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड फरवरी में नेपाल का करेंगे दौरा

काठमांडू। ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड ने वर्ष 2025 के अपने विदेश दौरे की शुरुआत नेपाल से करने की घोषणा की है। वे 4 फरवरी को एक हफ्ते के लिए नेपाल दौरे पर आएंगे। ब्रिटेन के शाही परिवार की वेबसाइट पर राजकुमार एडवर्ड के नेपाल दौरे की जानकारी साझा की गयी है। एडवर्ड के साथ उनकी पत्नी सोफी के भी नेपाल आने की जानकारी दी गई है। हालांकि उनके दौरे को लेकर नेपाल सरकार की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। एडवर्ड ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और प्रिंस फिलिप के सबसे छोटे बेटे हैं। एडवर्ड से पहले 2015 में तत्कालीन राजकुमार हैरी नेपाल के 10 दिनों के दौरे पर आए थे। उस समय हैरी काठमांडू के अलावा पोखरा, बर्दिया और लमजुंग भी गए थे। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने वर्ष 1961 एवं 1986 में नेपाल की राजकीय यात्रा की थी।

श्रमिकों की हड़ताल से सिडनी में रेल सेवायें बाधित

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य (एनएसडब्ल्यू) की राजधानी सिडनी में बुधवार को श्रमिकों की हड़ताल के कारण सैकड़ों ट्रेन सेवाएं विलंबित या रद्द कर दी गई हैं। शहर में यात्रियों को बुधवार को रेल सेवा बाधित

होने के बारे में बता दिया गया था क्योंकि इलेक्ट्रिकल ट्रेड्स यूनियन (ईटीयू) और रेल, ट्राम और बस यूनियन (आरटीबीयू) द्वारा लगाए गए कार्य प्रतिबंध प्रभावी हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया के 9न्यूज नेटवर्क ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे तक पूरे नेटवर्क में 200 ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गई थीं, जबकि सैकड़ों ट्रेनें देरी से चल रही है। व्यवधान से हर लाइन प्रभावित हुई है, कुछ स्टेशनों पर ट्रेनों के बीच लगभग 50 मिनट तक प्रतीक्षा करनी पड़ी है। कार्य प्रतिबंध संयुक्त रेल यूनियनों और एनएसडब्ल्यू राज्य सरकार के बीच लंबे समय से चल रहे वेतन विवाद में वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है।

नेपाल-भारत जेटीटी और जेडब्ल्यूजी की बैठक 21-22 जनवरी को नई दिल्ली में

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत संयुक्त तकनीकी समिति (जेटीटी) और संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की ऊर्जा क्षेत्र पर बैठक 21 और 22 जनवरी को नई दिल्ली में होगी। हर 6 महीने के अंतराल पर होने वाली बैठक इस बार एक वर्ष के बाद होने जा रही है। इससे पहले सह सचिव के नेतृत्व वाली जेडब्ल्यूजी की बैठक पिछले साल 2 जनवरी और सचिव के नेतृत्व में संयुक्त निदेशक समिति (जेएससी) की बैठक 3 जनवरी, 2024 को हुई थी। ऊर्जा मंत्रालय के वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ प्रबल अधिकारी ने बताया कि मौजूदा बैठक में नेपाल और भारत के बीच बनने वाली दो हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और निवेश प्रारूप को अंतिम रूप देने पर चर्चा की जाएगी और संभव हुआ तो इस पर समझौते पर हस्ताक्षर की भी उम्मीद है। पिछले साल 21 दिसंबर को चितवन (नेपाल) में और भारत की ऊर्जा

सचिव-स्तरीय संचालन समिति ने 2027/28 में दोनों देशों के बीच तीसरी सबसे बड़ी इनरुवा-पूर्णिया 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन को पूरा करने पर सहमति व्यक्त की थी। इसी प्रकार समान क्षमता की एक और अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन, लमकी (डोडोधारा) - बरेली ट्रांसमिशन लाइन को 2028/29 में पूरा करने पर भी सहमति हो चुकी है। हालांकि, उस बैठक में इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण प्रारूप और निवेश प्रारूप पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी।बैठक में नेपाल ने इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण बुटवल-गोरखपुर 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन के समान तरीके से करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल की ओर ट्रांसमिशन लाइन का हिस्सा नेपाल द्वारा स्वयं बनाया जा रहा है, जबकि भारत की ओर वाला हिस्सा नेपाल विद्युत प्राधिकरण और एक कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है जिसके पास भारत की ट्रांसमिशन ग्रिड कंपनी के आधे शेयर हैं। नेपाल की तरफ से यह प्रस्ताव रखा गया है कि 25 साल के कार्यान्वयन और ट्रांसमिशन सेवा समझौते (आईटीएसए) के तहत बिजली प्राधिकरण इस ट्रांसमिशन लाइन के पूरे उपयोग और किराये (व्हीलिंग चार्ज) का भुगतान करेगा। इस बात पर अभी सहमति नहीं बन पाई है।

नेपाल ने हमास के कब्जे से छात्र की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज किए

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल ने हमास के कब्जे से नेपाली छात्र विपीन जोशी की रिहाई को लेकर कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने कतर और इजराइल के विदेश राज्यमंत्री से टेलीफोन पर वार्ता की है। हमास ने कुछ बंधकों की रिहाई की घोषणा की है। इसमें नेपाली छात्र विपीन जोशी का नाम नहीं है। विदेशमंत्री डॉ. राणा ने पहले कतर के विदेश राज्यमंत्री डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुलाजिज अल-खुलाइफी से टेलीफोन वार्ता कर मदद मांगी।

खुलाइफी हमास और इजराइल के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं। विदेशमंत्री ने एक्स पर कहा है कि कतर के विदेश राज्यमंत्री ने नेपाली छात्र के रिहाई कराने का आश्वासन दिया है। मंगलवार देररात विदेशमंत्री राणा ने इजराइल के विदेश राज्यमंत्री गिडियन सार से भी टेलीफोन वार्ता की। राणा ने एक्स में कहा कि इजराइल नेपाली छात्र विपीन जोशी की रिहाई के लिए पहल कर रहा है।

काठमांडू से चीन के नागरिक का अपहरण करने वाले महाराष्ट्र के चार युवक नेपाल पुलिस की हिरासत में

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सबसे व्यस्ततम पर्यटकीय क्षेत्र ठमेल से चीन के एक नागरिक का अपहरण कर भारत के तरफ ले जाने का प्रयास करते हुए चार भारतीय युवकों को नेपाल पुलिस ने भारतीय सीमा से 90 किलोमीटर पहले ही दबोच लिया। काठमांडू घूमने आए महाराष्ट्र के चार युवक पिछले तीन दिन से ठमेल के एक होटल में ठहरे हुए थे। इस दौरान एक चीनी नागरिक के साथ किसी बात पर अनबन होने के बाद इन युवकों ने मंगलवार देररात उसे अगवा कर अपनी कार से ले जाने की कोशिश की। काठमांडू क्राइम ब्रांच के एसएसपी सानू थापा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे ठमेल एरिया से यह जानकारी मिली। इसके बाद काठमांडू पुलिस सक्रिय हुई और सीसीटीवी के जरिए उस भारतीय नंबर प्लेट की गाड़ी

(स्कॉर्पियो) के बारे में पता लगाया जिसमें चीनी नागरिक को जबरन बैठाया गया था। पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए भारतीय सीमा से करीब 90 किलोमीटर पहले हेटौडा के पास रहे भीमफेदी के जंगल में इस गाड़ी (एमएच16डीजी 4904) को घेर लिया। पुलिस ने चीनी नागरिक और चारों आरोपितों को दबोच लिया। नेपाल पुलिस के अनुसार आरोपित युवकों की पहचान सातारा जिला निवासी 32 वर्षीय आशुतोष दत्तात्रेय, अहमदनगर के 30 वर्षीय अमोल करमाटे, 33 वर्षीय अमोल श्रीसत और गाड़ी चालक 40 वर्षीय अफसर शेख के रूप में की गई है। पुलिस ने अपहृत किए गए चीनी नागरिक के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री कीव नहीं जाएंगे

एजेंसी

ब्रातिस्लावा । स्लोवाक नेशनल काउंसिल के उपाध्यक्ष टिबोर गैस्पर ने कहा कि स्लोवाक प्रधान मंत्री रॉबर्ट फिको यूक्रेन के माध्यम से रूसी गैस पारगमन में रोक पर चर्चा करने के लिए कीव जाने की योजना नहीं बना रहे हैं।

श्री गैस्पर जो इन दिनों स्लोवाक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मास्को का दौरा कर रहे हैं, ने स्लोवाक गणराज्य की समाचार एजेंसी को बताया कि स्लोवाक प्रधान मंत्री की सुरक्षा चिंताओं के कारण यूक्रेनी राजधानी में बैठक शायद नहीं होगी। श्री फ़िको ने सोमवार को यूक्रेन के माध्यम से गैस पारगमन पर चर्चा करने के लिए यूक्रेनी राष्ट्रपति वलादिमोर ज़ेलेंस्की के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव रखा, जिसे हाल ही में रोक दिया गया था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक खुले पत्र में श्री फ़िको ने ज़ेलेंस्की को स्लोवाकिया और यूक्रेन

की सीमा के पास स्लोवाक क्षेत्र पर एक संयुक्त बैठक के लिए निमंत्रण दिया, जितनी जल्दी हो सके।इसके जवाब में, ज़ेलेंस्की ने सुझाव दिया कि फ़िको द्विपक्षीय बैठक के लिए शुक्रवार को कीव आएं। गैस्पर के अनुसार, दोनों नेता एक बैठक स्थल ढूंढेंगे जो दोनों पक्षों के लिए काम करेगा।

वेस्ट बैंक में इज़रायली हवाई हमले में 6 फ़िलिस्तीनी मारे गए

रामल्ला। वेस्ट बैंक में जेनिन शरणार्थी शिविर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम छह फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि शिविर पर इजरायली हमले के बाद छह शव जेनिन सरकारी अस्पताल लाए गए थे। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इस बीच इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने एक बयान में कहा, इजरायल रक्षा बलों और शिन बेट के संयुक्त अभियान में, वायु सेना के एक ड्रोन ने हाल ही में जेनिन क्षेत्र में एक साइट को निशाना बनाया।

वियतनाम और रूस ने परमाणु ऊर्जा पर सहयोग बढ़ाने के समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

हनोई। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन की दो दिवसीय हनोई यात्रा के दौरान परमाणु ऊर्जा पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम और रूस ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया।

बढ़ती लागत और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2016 में दो परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण बंद करने के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देश अपनी परमाणु ऊर्जा योजनाओं को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। उम्मीद है कि इससे वर्ष 2050 तक उसे ऊर्जा-पर्याप्त बनने और अतिरिक्त ग्रीन हाउस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस समझौते पर रूस की सरकारी स्वामित्व वाली परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम और वियतनाम की सरकारी स्वामित्व वाली बिजली उपयोगिता ईवीएन के बीच हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मिशुस्टिन ने अपने समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की और वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख टू लैम और वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ट्रान थान मान से मुलाकात की। मिशुस्टिन ने कहा, .वयतनाम दक्षिण पूर्व एशिया में रूस का एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

आज हम आपके साथ रूस और वियतनाम के बीच सहयोग की एक व्यापक योजना पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं, जो 2030 तक चलेगी अगले दिन बुधवार को वो राष्ट्रपति लुओंग कुओंग से भी मुलाकात करेंगे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी

सियोल। पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के बाद विवादों और सुर्खियों में आए राष्ट्रपति यून सुक येओल को बुधवार सुबह 10:33 बजे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दक्षिण कोरिया में पद पर रहते किसी राष्ट्रपति को हिरासत में लेने का यह पहला वाकया है। उन्हें तीन दिसंबर को मार्शल लॉ घोषित करने के 43 दिन बाद हिरासत में लिया गया। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, जांच अधिकारियों ने उन्हें मध्य सियोल के हन्नम-डोंग स्थित राष्ट्रपति आवास से हिरासत में लिया। यहां से उन्हें ग्योंगगी प्रांत के ग्वानचेओन में उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) मुख्यालय ले जाया गया। हिरासत में लिए जाने से पहले यून ने एक रिकॉर्डेड संबोधन

जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि टकराव रोकने के लिए उन्होंने सीआईओ के सामने पेश होने का फैसला किया है। बताया गया है कि येओल को हिरासत में लेने के लिए लगभग 3,000 पुलिस अधिकारियों ने सुबह 4:20 बजे उनके आवास को घेर लिया। राष्ट्रपति आवास के सुरक्षा अधिकारियों और कर्मियों ने सामना भी किया मगर वह ज्यादा देर नहीं टिक सके। जांच अधिकारी सुबह 8:15 बजे येओल के करीब पहुंच गए।

राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ चुंग जिन-सुक और वकील यून कप-क्यून ने उन्हें औपचारिकता पूरी करने की अनुमति दी। उल्लेखनीय है कि नेशनल असेंबली में राष्ट्रपति येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित हो चुका है। इस पर संवैधानिक अदालत को फैसला करना है। अदालत में औपचारिक सुनवाई शुरू हो चुकी है। येओल पर विद्रोह और षडयंत्र रचने का भी आरोप है।

लॉस एंजिल्स में 92 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी प्रांत कैलिफोर्निया के शहर लॉस एंजिल्स

के जंगल में लगी भीषण आग के कारण लगभग 92 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया और अन्य 89 हजार लोगों को भी निकासी की चेतावनी दी गई है।.

लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ रॉबर्ट लूना ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई है और 12 से अधिक लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि आग फैलने का सबसे बड़ा कारण गंभीर सूखे की स्थिति और तेज हवाएं चलना है। इसमें अब तक तक 40,500 एकड़ से अधिक भूमि झुलस गयी है और 12,300 से अधिक संरचनाएं नष्ट हो गईं। कैलिफ़ोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ़ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन (कैल फायर) के अनुसार, सबसे बड़ी पलिसैड्स आग पर 14 प्रतिशत काबू पा लिया गया और दूसरी सबसे बड़ी ईटन में लगी आग पर सोमवार सुबह तक 33 प्रतिशत काबू पा लिया गया है। गौरतलब है कि भीषण आग के कारण कैलिफ़ोर्निया में 80 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन 15-17 जून तक आयोजित होगा

एजेंसी

ओटावा। जी7 देशों का शिखर सम्मेलन 15-17 जून को कनाडा के कनानास्किस में आयोजित किया जाएगा। समाचार एजेन्सी सीबीसी ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में बताया गया कि इस कार्यक्रम में अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, इटली और कनाडा के साथ-साथ यूरोपीय संघ के नेता भी भाग लेंगे। आयोजकों ने अभी तक विस्तृत विवरण नहीं दिया है। कनानास्किस ने 2002 में समूह आठ (जी8) के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जब रूस 2014 में बाहर किए जाने से पहले इस संघ का हिस्सा था। कनाडाई विदेश मंत्री मेलानी जोली ने इससे पहले कहा था कि कनाडा सात के समूह के अध्यक्ष के रूप में, समुद्री सुरक्षा, प्रतिबंधों के उल्लंघन के खिलाफ लड़ाई, 'शैडो फ्लीट' और पानी के नीचे बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के मुद्दों पर काम करने की योजना बना रहा है।

खैबर पख्तूनख्वा में सेना के अभियान में आठ आतंकवादी मारे गये

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार 12-13 जनवरी 2025 को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग घटनाओं में आठ आतंकवादी मारे गये। बयान के मुताबिक सुरक्षा बलों ने टैंक जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन चलाया । सेना की कार्रवाई में छह आतंकवादी मारे गये। खैबर जिले की तिराह घाटी में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। इससे पहले उत्तरी वजीरिस्तान जिले में रविवार को दो अलग-अलग अभियान में नौ आतंकवादी मारे गए थे।

सेंटर फॉर अनुसंधान और सुरक्षा अध्ययन (सीआरएसएस) द्वारा जारी 2024 की रिपोर्ट के अनुसार कुल 444 आतंकवादी हमलों के बीच सुरक्षा बलों के कम से कम 685 जवान की जान चली गई। पिछला वर्ष पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य सुरक्षा बलों के लिए एक दशक में सबसे घातक वर्ष साबित हुआ।

आईएसपीआर महानिदेशक के अनुसार सुरक्षा बलों ने पिछले साल कुल 59,775 अभियान छेड़े और इस दौरान 925 आतंकवादी मारे गए तथा 383 अधिकारी एवं सैनिक शहीद हुए।

बाइडेन ने अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक महत्वपूर्ण आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके जरिए अमेरिका में उन्नत (एडवांस्ड) एआई के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे, जैसे बड़े पैमाने पर डाटा केंद्र और नई स्वच्छ उर्जा सुविधाएं, का निर्माण सुनिश्चित करना है। इस कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि रक्षा और उर्जा विभाग उन स्थानों की पहचान करेंगें,

विदाई से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन का फैसला, क्यूबा से हटेगा आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देश का दर्जा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी विदाई से पहले बड़े फैसले ले रहे हैं। उन्होंने अब क्यूबा देश से आतंकवाद प्रायोजित देश का दर्जा हटाने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस ने संसद से कहा है कि यह फैसला द्वीप पर बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई को लेकर कैथोलिक चर्च द्वारा किए गए समझौते का एक हिस्सा है। इसके अलावा बाइडन प्रशासन ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव कम करने का भी फैसला किया है। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि 20 जनवरी की दोपहर तक कई राजनीतिक कैदियों और अन्य लोगों को जिन्हें अमेरिका ने हिरासत में लिया था को रिहा कर दिया जाएगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि क्यूबा सरकार और कैथोलिक चर्च के बीच चल रही बातचीत को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाकर राष्ट्रपति बाइडन कई वैश्विक नेताओं और खासकर लैटिन अमेरिका के नेताओं के पसंदीदा बन गए हैं।

वहीं क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उसने भी पोप फ्रांसिस को बताया है कि वह क्यूबा में विभिन्न अपराधों में दोषी ठहराए गए 553 लोगों को रिहा करेगा। हालांकि क्यूबा के अधिकारियों ने रिहा किए जाने वाले लोगों के नाम नहीं बताए। माना जा रहा है कि बाइडन प्रशासन का क्यूबा से आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देश का दर्जा हटाने का फैसला अगले सप्ताह पलट सकता है। क्योंकि 20 जनवरी को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

शपथ लेंगे। ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में क्यूबा को आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची में शामिल किया था। अमेरिकी कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस सहित मानवाधिकार समूह और कार्यकर्ता, बाइडन पर क्यूबा को दिए गए दर्जे हटाने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

बाइडन ने कैलिफोर्निया में की दो राष्ट्रीय स्मारकों की घोषणा

राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया में दो राष्ट्रीय स्मारकों की घोषणा की। बाइडन ने जोशुआ ट्री नेशनल पार्क के पास दक्षिणी कैलिफोर्निया में चकवाला राष्ट्रीय स्मारक और उत्तरी कैलिफोर्निया में साटिट्ला हाइलैंड्स राष्ट्रीय स्मारक का एलान किया। इस घोषणा को पिछले सप्ताह लॉस एंजिलिस में लगी आग के चलते रोक दिया गया था। राष्ट्रीय स्मारक घोषित होने के बाद चकवाला स्थल के 624,000 एकड़ और कैलिफोर्निया- ओरेगन सीमा के पास लगभग 225,000 एकड़ (800 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस की ड्रिलिंग, खनन , अन्य खोज और उत्पादन पहलों पर रोक लगाई गई है। राष्ट्रपति बाइडन ने अपने बच्चों को देश भर के राष्ट्रीय स्मारकों पर हर साल ले जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय स्मारक इस राष्ट्र का हृदय और आत्मा हैं। हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है कि इन्हें हम पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाते हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डाबरी वार्ड से भाजपा की पूर्व पार्षद पूर्व पार्षद समेत कई नेता आम आदमी पार्टी में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले डाबरी वार्ड से भाजपा की पूर्व पार्षद और नजफगढ़ जिला की उपाध्यक्ष रेखा विनय चौहान आम आदमी पार्टी में शामिल हो गईं। उनके साथ 2020 में भाजपा से पार्षद प्रत्याशी रहे विनय चौहान और आदर्श नगर वार्ड-15 से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे वीरेंद्र गोयल समेत कई नेताओं ने भी आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सभी को पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी का परिवार लगातार मजबूत होता जा रहा है। अलग-अलग पार्टियों के अच्छे लोग काम की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए लगातार आम आदमी पार्टी परिवार से जुड़ रहे हैं। इन लोगों के आने से आम आदमी पार्टी को और मजबूती मिलेगी। इस दौरान रेखा विनय चौहान के साथ निगम पार्षद दुलतमा चौधरी, राजेंद्र गुप्ता, ओम प्रकाश चावड़िया और हरकेश पांडे ने भी आम आदमी पार्टी को ज्वाइन किया। साथ ही, रामलीला समिति आदर्श नगर के चेयरमैन मास्टर जय किशन गोयल, राम मंदिर के अध्यक्ष एवं मजलिस पार्क आरडब्ल्यूए के उपाध्यक्ष नरेश टंडन, रामलीला समिति आदर्श नगर के महासचिव तरुण कुमार गुप्ता भी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए।

आआपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भोजपुरी भाषा में नया कैंपेन सॉन्ग किया लॉन्च

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भोजपुरी भाषा में नया कैंपेन सॉन्ग लॉन्च किया है। इस गीत का बोल ए राजा जी, फिर से केजरीवाल के जरूरत... आइल बा मुहुरत हो है। भोजपुरी कैंपेन गीत को लॉन्च कर आम आदमी पार्टी (आआपा) के सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह गाना 'आप' की विविधता की सोच को दर्शाता है कि हम सभी भाषा, वर्ग, धर्म और जाति का सम्मान करते हैं। वहीं, विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि इस गीत में पूर्वांचल की मिट्टी की गंध है। यह गीत पूर्वांचल समाज के लोगों के दिलों तक पहुंचेगा और उन्हें आआपा से और भी मजबूती से जोड़ेगा। सांसद संजय सिंह ने कहा कि हम दिल्ली के अंदर चुनाव प्रचार में 'फिर लाएंगे केजरीवाल' कैंपेन गाने के बाद भोजपुरी भाषा में भी कैंपेन गाना लॉन्च कर रहे हैं। इस गाने को हिंदी जानने वाले सभी लोग भी अच्छी तरह समझ सकते हैं। हम इस गाने को दिल्ली में चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल करेंगे। यह गाना आआपा की विविधता की सोच को भी दर्शाता है कि हम सभी भाषा, वर्ग, धर्म और जाति का सम्मान करते हैं। इसलिए हमारा चुनाव प्रचार भी विविध तरीके से लोगों के बीच पहुंचेगा।

इंडिया फॉर चिल्ड्रेन को प्रतिष्ठित 'स्वामी विवेकानंद सम्मान'

एजेंसी

नई दिल्ली। बाल अधिकारों के सवाल को देश की मुख्य धारा की मीडिया में जोरदारी से स्थापित करने वाली मीडिया और संचार एजेंसी इंडिया फॉर चिल्ड्रेन को प्रतिष्ठित 'स्वामी विवेकानंद पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में भारतीय युवा संसद के अवसर पर केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल उरांव ने इंडिया फॉर चिल्ड्रेन को शांति श्रेणी के तहत यह पुरस्कार प्रदान किया। ये पुरस्कार शांति, पर्यावरण और सेवा श्रेणियों में दिए जाते हैं जिनका चयन विशेषज्ञों की समिति करती है। एमिटी यूनिवर्सिटी के सहयोग से सोशल रिफॉर्म्स एंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (एसआरआरओ) ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था।

सामाजिक बदलाव और बच्चों के मुद्दों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पुरस्कार विजेताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए कहा उठो! जागो और तब तक मत रुको

जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उन्होंने कहा, स्वामीजी के ये शब्द आज भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि ये युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और सामूहिक विकास की भावना जगाते हैं, जो हमारे देश का भविष्य हैं। बाल अधिकारों के लिए काम करने वाली देश की एकमात्र मीडिया एजेंसी इंडिया फॉर चिल्ड्रेन के निदेशक अनिल पांडेय ने पुरस्कार के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान संगठन के प्रयासों व इसकी विश्वसनीयता की पुष्टि करने के साथ ही देश के हरेक बच्चे के अधिकारों की रक्षा के लिए हमारे प्रयासों को जारी रखने की हमारी जिम्मेदारी को और भी बढ़ा देता है। बाल अधिकारों के मुद्दों को मुख्यधारा के मीडिया में सबसे आगे लाने का हमारा मिशन अब तक सफलता भरा रहा है। हमने एक ऐसा इकोसिस्टम विकसित किया है जहां डिजिटल, प्रिंट और सोशल मीडिया मंचों पर बाल संरक्षण एक प्राथमिकता बन गया है। उन्होंने कहा, हमारे प्रयासों के ठोस परिणाम सामने आए हैं। आज मीडिया के दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया है जिससे भारत में बच्चों के मुद्दों के अब ज्यादा स्थान मिलने लगा है। हमें विश्वास है कि हमारे प्रयासों से बच्चों के खिलाफ अपराध - विशेष रूप से बाल विवाह, बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी और बच्चों की ट्रैफिकिंग की रोकथाम के प्रयासों में मदद मिलेगी। साल 2017 में स्थापित इंडिया फॉर चिल्ड्रेन, देश भर में 250 से अधिक गैरसरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ साझेदारी में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इंडिया फॉर चिल्ड्रेन प्रिंट, डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के मुद्दों को उजागर करने के अलावा मीडिया मीट और मीडिया कार्यशालाओं का आयोजन करने के साथ ही बाल विवाह, बच्चों की ट्रैफिकिंग, यौन शोषण और बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता के प्रसार के लिए फिल्में और वीडियो भी बनाता है। अकेले 2024 में, इंडिया फॉर चिल्ड्रेन ने इन मुद्दों पर 10,000 से अधिक मीडिया कवरेज हासिल की है जिनमें से बहुत सी खबरें अखबारों के फ्रंट पेज और टीवी चैनलों के प्राइम टाइम पर थी। ऑनलाइन पहुंच लाखों लोगों तक रही।

तीन प्रमुख युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से दुनिया में बढेगा भारत का कदः मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि तीन प्रमुख युद्धपोतों के कल नौसेना में शामिल होने से रक्षा क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करने तथा आत्मनिर्भर बनने की हमारी कोशिशों को मजबूती मिलेगी।

श्री मोदी ने नौसेना के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा,' कल 15 जनवरी हमारी नौसेना की क्षमताओं के लिहाज से एक विशेष दिन होने जा रहा है। तीन फ्रंटलाइन नौसैनिक युद्धपोतों के शामिल होने से रक्षा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनने की हमारी कोशिशें मजबूत होंगी और आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी कोशिशों को बढ़ावा मिलेगा। नौसेना ने अपनी पोस्ट में कहा था कि कल का दिन नौसेना के लिए ऐतिहासिक होगा। तीन प्रमुख युद्धपोत सूरत, नीलगिरी और वागशीर नौसेना के बेड़े में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी, घना कोहरा ठिठुरन जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। घने कोहरा, शीतलहर और ठिठुरन से सभी राजधानीवासी परेशान हैं। आज सुबह दृश्यता कम होने के कारण उड़ानें और ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा एक और पश्चिमी विक्षोभ 15 या 16 जनवरी से सक्रिय होगा। जिसके कारण से उत्तर भारत और मध्य भारत में बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पाला भी पड़ सकता है। राजधानी में आज अधिकतम तापमान 19 और न्यूनतम नौ डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में घने कोहरे और ठंडी हवाओं के चलते ट्रेन संचालन भी प्रभावित हुआ है, कई ट्रेनें देरी से चली। दिल्ली हवाई अड्डे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कम दृश्यता का उड़ान संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइन से अद्यतन उड़ान

जानकारी प्राप्त करें। घने कोहरे के कारण उत्तरी रेलवे के दिल्ली डिवीजन में कई ट्रेनों पर असर पड़ा है। प्रभावित ट्रेनों में 12565 बिहार संपर्क क्रांति, 12451 श्रम शक्ति एक्सप्रेस, 12555 गोरखधाम एक्सप्रेस, 12553 वैशाली एक्सप्रेस और 12915 आश्रम एक्सप्रेस शामिल हैं।इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक आज 'खराब' श्रेणी में रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 256 मापा गया।

भाजपा ने आप के खिलाफ कार्रवाई को लेकर चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी पर धार्मिक उन्माद फैलाने, पूर्वांचल के गरीब तथा श्रमिक वर्ग के लोगों का वोट कटवाने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, नयी दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, वरिष्ठ नेता ओम पाठक, श्री संकेत गुप्ता और श्री विक्रम मित्तल शामिल रहे। श्री सचदेवा ने चुनाव आयोग से मिलने के बाद मीडिया से कहा, हमने सुश्री स्वराज के साथ चुनाव आयोग से मुलाकात की और उन्हें कुछ दस्तावेज दिखाए, जिनसे पता चलता है कि आप दिल्ली का जनादेश चुराने की कोशिश कर रही

है। वे दिल्ली में धार्मिक उन्माद फैलाना चाहते हैं, गरीबों, मजदूरों और पूर्वांचलियों के वोट काटने की साजिश कर रहे हैं। इनका दस्तावेज हमने आज चुनाव आयोग को सौंपा है। उन्होंने ने कहा, गत 23 दिसंबर को मतदाता सूची फ्रीज हुई थी, लेकिन 23 दिसंबर से 06 जनवरी के बीच, 12-13 दिनों में, दिल्ली में 5.01 लाख नए वोटों के लिए आवेदन आए हैं। इन आवेदकों में 80 और 70 साल के लोग शामिल हैं। हमने चुनाव आयोग से कहा कि ये लोग कहां से आ रहे हैं, इसकी जांच की जानी चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि इसके अलावा नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मंदिर मार्ग स्थित वाल्मीकि मंदिर के बगल में दरगाह में 60 वोट बने हुए हैं, उसकी जांच के लिए आवेदन दिया है और साथ ही एक ही रैन वसेरा के नाम पर 250 वोट बना दिए हैं, उसकी जांच की मांग की गयी है।उन्होंने कहा कि सांसदों के घर काम करने वाले जो सरकारी क्वार्टर में रह रहे हैं, उनके वोट काटने के लिए श्री केजरीवाल ने जो आवेदन दिए हैं, उन तथ्यों की सच्चाई से आयोग को अवगत कराया गया है।

भाजपा ने बिष्ट को मुस्तफाबाद विस सीट पर बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली की मुस्तफाबाद विधानसभा सीट पर श्री मोहन सिंह बिष्ट को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी की गयी तीसरी सूची में सिर्फ एक उम्मीदवार के नाम की घोषणा की गयी है।

लाजपतराय मेहरा न्यूरोथेरेपी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट,जालंधर का आगामी सिल्वर-जुबली महोत्सव

- चन्द्रकान्त पाराशर, एनसीआर दिल्ली

जालंधर/दिल्ली 15 जनवरी। आज के वैज्ञानिक युग में विभिन्न पद्धतियों/एल्टरनेट थेरापीस द्वारा रोगों का इलाज किया जा रहा है। न्यूरोथेरेपी एक ऐसी पद्धति का नाम है जो बिना दवा के रोगियों को स्वास्थ्य प्रदान करने में अहम भूमिका निभाने के साथ उनके लिए वरदान साबित हो रही है। लाजपत राय मेहरा न्यूरोथेरेपी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट् संस्थान में एकेडमिक मामलों के प्रभारी अजय गांधी ने सूचित किया कि संस्थान ने पिछले 25 वर्षों में अल्टरनेटिव थेरेपी और वैदिक चिकित्सा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया है। आगामी 24 से 26 जनवरी 2025 तक हरिद्वार उत्तराखंड के जम्मू यात्री भवन में आयोजित होने वाले सिल्वर जुबली महोत्सव-कार्यक्रम की अवधि के दौरान ऑर्थोपैडिक डिसऑर्डर पर विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा ।यह आयोजन नई पीढी के न्यूरोपैथ चिकित्सकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा

। इस अवसर पर रामगोपाल परिहार, संस्थान-प्रधान ने जन-स्वास्थ्य मिशन में 25 वर्षों की उपलब्धियों के साथ-साथ न्यूरोथेरेपी की उत्कृष्ट भूमिका को रेखांकित करते हुए अपना लक्ष्य दोहराया कि, हमारा उद्देश्य हम वैदिक चिकित्सा और न्यूरोथेरेपी को वैज्ञानिक तरीके से स्थापित करना और इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना है ।इस सिल्वर-जुबली कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों और चिकित्सा संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञ भी भाग लेंगे । ज्ञातव्य है कि गत 25 वर्षों से संस्थान शिक्षा, रोजगार व शोध के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रगति कर रहा है । यह युवाओं को स्वरोजगार और वैकल्पिक चिकित्सा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की ओर एक समर्पित संस्थान है । इस सिल्वर-जुबली महोत्सव-कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा भारती के-सुधीर जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री; डॉ. एन.पी. कौशिक वाईस चांसलर, ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी; डॉ. कमलेश व एन, वाईस चांसलर गांधीनगर विश्वविद्यालय; डॉ. रमेश माथुर डीन रिसर्च, एस-व्यास विश्वविद्यालय ; डॉ. अदनल जोगी, डीन, योग -नेचुरोपैथी माधव यूनिवर्सिटी ; डॉ. विनोद कुमार, एसोसिएट प्रोफ़ेसर ,AIIMS ऋषिकेश विशेष रूप से उपस्थित होंगे।

NAME CHANGE
I, INDU DEVI Wife of No - 14833341H Rank-HAV, Name-DAYANAND KUMAR Presently residing at VILL-BHAIDI, PO-KATAUNA, PS-KATRISARAI, KATAUNA (PART IN GIRIAK), PO-KATAUNA, DIST-NALANDA, BIHAR-805130, have changed my date of birth from 01/07/1986 to 19/09/1987 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.11.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Sanjay Kumar Gupta S/o Maendra kumar Gupta R/o House no.258.2nd floor, Pocket -8, Rohini sector -24, North West Delhi -110085 have changed my name from Sanjay Kumar Gupta to Sanjay Garg for all future purposes

NAME CHANGE
I, Poonam Gupta W/o Sanjay Garg R/o House no.258.2nd floor, Pocket -8, Rohini sector -24, North West Delhi -110085 have changed my name from Poonam Gupta to Poonam Garg for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAHAMAT ALI alias GAJI S/o SHEKH PESWAR residing at C-49, Block - C, Qamruddin Nagar, Amar Colony, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041 have changed my name and shall hereafter be known as GAJI.

NAME CHANGE
I THEKKAN RADHA CHANDU W/O THATAKANDI CHANDU R/O D-2A/89 C, JANAKPURI DELHI-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO T RADHA CHANDU FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, CHINTA DEVI Mother of No-14833341H Rank-HAV, Name-DAYANAND KUMAR Presently residing at VILL-BHAIDI, PO-KATAUNA, PS-KATRISARAI, KATAUNA (PART IN GIRIAK), PO-KATAUNA, DIST-NALANDA, BIHAR-805130, have changed my date of birth from 01/07/1958 to 01/01/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, BOMMAREDDY SRINIVAS REDDY S/o BOMMAREDDY UTTAM REDDY, R/o House No. - 1551, Block E, Jahangir Puri, N.S. Mandi, North West Delhi, Delhi - 110033 declare that name of mine has been wrongly written as SHRI NIWAS in my PAN Card No. ADSPN1237B. The actual name of mine is BOMMAREDDY SRINIVAS REDDY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SURESH PRASAD Father of No-148333411 Rank-HAV, Name-DAYANAND KUMAR Presently residing at VILL-BIHAIDI, PO-KATAUNA, PS-KATRISARAI, KATAUNA (PART IN GIRIAK), PO-KATAUNA, DIST-NALANDA, BIHAR-805130, have changed my date of birth from 01/07/1954 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14833341H Rank-HAV, Name-DAYANAND KUMAR S/% SURESH PRASAD residing at Presently residing at VILL-BHAIDI, PO-KATAUNA, PS-KATRISARAI, KATAUNA (PART IN GIRIAK), PO-KATAUNA, DIST-NALANDA, BIHAR-805130,have changed my minor daughter's name from ANISHA BHARTI to KUMARI ANISHA BHARTI for all future purposes. Vide affidavit dated 15.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PAWAN S/o DINESH THAKUR, R/o House No.- 274, Pocket - 2, Paschim Puri, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi-110063, declare that name of my Father has been wrongly written as RAJ KUMAR THAKUR in my Driving Licence DL-0920150299292. The actual name of my father is DINESH THAKUR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
PATIL KUAMR SHIVGONDA Father of No-14853106L Rank-SEP, Name-PATIL AJIT KUMAR Presently residing at VILL-CHINCHWAD, PO-CHINCHWAD, TEH-KARVEER, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416119, have changed my Name from PATIL KUAMR SHIVGONDA to PATIL KUMAR SHIVGONDA and have changed my date of birth from 01/06/1960 to 01/06/1959 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I RANJAY KUMAR SINGH S/O DAMODAR SINGH RZ-4,5/233, J-Block, West Sagarpur Nangal Raya PO: Nangal Raya District South West Delhi, Delhi-110046, declare that name of my minor daughter AKSHITA SINGH aged 13 years wrongly written as PARI in her Aadhaar Card No-892461093004, The actual name of my minor daughter is AKSHITA SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SAKUNTALA PRADHAN Mother of No-14865204X Rank-NK, Name-GOBINDA PRADHAN Presently residing at VPO-DHABLAT SHIBPUR, THANA SAGAR, DIST SOUTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743373, have changed my Name from SAKUNTALA PRADHAN to SUKUNTALA PRADHAN and have changed my date of birth from 01/06/1970 to 25/06/1970 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, TULSHI SRIBASTAV W/o GOUTAM SRIBASTAV R/o 282, 3rd Floor, Chirag Delhi, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017, declare that name of mine, my husband and my minor son have been wrongly written as TULSI SRIBASTAVA, GAUTAM SRIBASTAVA and HIMANSHU SRIBASTAVA in my minor son namely HIMANSHU SRIBASTAV aged 15 years in his School Record. The actual name of mine, my husband and my minor son are TULSHI SRIBASTAV, GOUTAM SRIBASTAV and HIMANSHU SRIBASTAV respectively.

NAME CHANGE
I, PATIL SHOBHA KUMAR Mother of No-14853106L Rank-SEP, Name-PATIL AJIT KUMAR Presently residing at VILL-CHINCHWAD, PO-CHINCHWAD, TEH-KARVEER, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416119, have changed my date of birth from 05/05/1972 to 01/01/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 15.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as M. BOAZBOU NEWMAI alias BOAZBOU MARENMAI NEWMAI S/O SIMON NEWMAI R/o H.NO-137/B 1ST Floor, Gali No. - 39, Arjun Nagar, Safdarjung Enclave, PO Safdarjung Enclave, Dist. North West Delhi - 110029 have changed my name and shall hereafter be known as BOAZBOU MARENMAI NEWMAI.

सार्वजनिक सूचना
सभी संबंधित लोगों को सूचित किया जाता है कि मेरी क्लाइंट श्रीमती सुनीता यादव पत्नी स्व. श्री मंजीत यादव, पुत्री स्व. श्री बिर सिंह यादव निवासी ग्राम दौलतपुर, नई दिल्ली-110043 ने अपने पुत्र श्री देवांश यादव और उनकी पत्नी श्रीमती मोनिका को सभी चल और अचल संपत्तियों से अस्वीकार और वंचित कर दिया है क्योंकि उनका पुत्र और बहू नियंत्रण से बाहर है और वे मेरे क्लाइंट को परेशान कर रहे हैं।मेरी क्लाइंट उनके व्यवहार के कारण कठिनाइयों का सामना कर रही हैं। मेरी क्लाइंट ने उनके साथ सभी संबंध समाप्त कर दिए हैं। जो कोई भी उनके साथ लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम, लागत और परिणाम पर ऐसा करेगा।
जय सिंह यादव अधिवक्ता
च.नं. 628 वकीलों के चैंबर परिसर, जिला न्यायालय द्वारका, सेक्टर-10, नई दिल्ली-110075

NAME CHANGE
I, Pushpa Rawat W/O Balwant Singh R/O RZ O-13, Nanda Block, Mahavir Enclave, Palam, South West Delhi, Delhi-110045, have changed my name and shall hereafter be known as Sudha Rawat

NAME CHANGE
I MOHD KAYAM S/O MOHAMMAD SUALEHI D-5/1 KH No 274/228/173 SECOND FLOOR GALI NUMBER 9 VILLAGE WAZIRABAD Wazirabad - Burari North Delhi Delhi 110084 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD QAYAMUDDIN

NAME CHANGE
I PRAVEEN SHARMA S/O VISHNU DATT SHARMA R/O 1818 SECTOR 28 FARIDABAD HARYANA 121008 I HAVE CHANGED NAME PRAVEEN KUMAR SHARMA

सार्वजनिक सूचना
मैं ओमकार पुत्र लालजीत, पता-D-4/12 प्रथम तल संगम विहार नई दिल्ली-110062 का निवासी हूँ। मेरे बेटे शिवपूजन के दसवीं के सर्टिफिकेट (रोल नंबर 14255376) में मेरा नाम गलती से ओमपाल लिख दिया गया था। उसे सुधार कर ओमकार किया जाए और मुझे भविष्य में ओमकार के ही नाम से जाना और पहचाना जाए।

NAME CHANGE
I AJAY GUPTA S/O RICHHPAL SINGH R/O VILLAGE SIHI, SECTOR-8 FARIDABAD -121006 HAVE CHANGE MY NAME TO AJAY KUMAR FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I SHINAZ AHMED W/O SARFARAZ AHMED R/O 89-A/35 GALI N0-35 ZAKIR NAGAR JAMIA NAGAR OKHLA DELHI-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO SHEHNAZ BEGUM FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I SUNIL Kumar Shukla S/O Ambika Prasad Shukla,R/O C-729, Gali No.-10, 3rd Pusta, Sonia Vihar, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi - 110094 , have changed the name of my minor daughter Rudrani Shukla aged 16 years and she shall hereafter be known as RUDRANI.

NAME CHANGE
I , ASHPINDER SINGH , S/O RAVINDER SINGH SODHI R/O BA-281/2 , SECOND FLOOR ,TAGORE GARDEN, Near BSES Office , NEW DELHI -110027. I change my Name ASHPINDER SINGH SODHI

NAME CHANGE
I TAHIRA W/O MOHAMMAD QAYAMUDDIN R/O H D-5/1 KH No 274/228/173 SECOND FLOOR GALI NUMBER 9 VILLAGE WAZIRABAD Wazirabad - Burari North Delhi Delhi 110084 HAVE CHANGED MY NAME TO TAHIRA BEGUM

NAME CHANGE
I, JITENDER S/o JAGDISH MAHANDIRATTA R/o 10A, Bank Colony, Sector-7, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To JITENDER MEHANDIRATTA S/o JAGDISH MEHANDIRATTA For All Future Purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vipin Kumar S/o Subhash Goyal R/o A-40, Anoop Nagar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name and shall hereafter be known as Vipin Goyal.

NAME CHANGE
I M. Manickam S/o Mani R/o 16/176, Kalyanpuri, Chilla Saroda Khadar, East Delhi, Delhi-110091 have changed the name of my minor daughter M. Sophia Raj aged 14 years and she shall hereafter be known as Sophia Manickam.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, JAI NARAYAN SINGH S/O KEHAR SINGH R/O H.No- 134/147, JHARSA ROAD, KIRTI NAGAR, GURUGRAM, HARYANA- 122001, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as JAI NARAYAN and RENU in my minor Son TARUN SINGH, aged 17 year in his School Records. The actual name of mine and my Wife are JAI NARAYAN SINGH and RENU DEVI

NAME CHANGE
I, Sandeep Kumar S/o Mahipal Singh R/o 195-A, Sohna Road, Sector-38, Islampur, South City II, Gurugram, Haryana-122018, Have Changed My Name To Sandeep Thakran For All Future Purpose.

NAME CHANGE
I BARKHA RANI W/O PRAVEEN KUMAR SHARMA R/O 1818 SECTOR 28 FARIDABAD HARYANA 121008 I HAVE CHANGED NAME BARKHA SHARMA

NAME CHANGE
I SHAKUNTLA W/O NARENDER UNIYAL R/O F-108 NANAK PURA MOTI BAGH-II DELHI-110021 I HAVE CHANGED NAME SHAKUNTLA UNIYAL

NAME CHANGE
I M. Manickam S/o Mani R/o 16/176, Kalyanpuri, Chilla Saroda Khadar, East Delhi, Delhi-110091 have changed the name of my minor son M. Ebenzser aged 12 years and he shall hereafter be known as Ebenezer Manickam.

NAME CHANGE
I MOHAMMED FARMAN S/O MOHAMMAD QAYAMUDDIN R/O D-5/1 KH ?? 274/228/173 SECOND FLOOR GALI NUMBER 9 VILLAGE WAZIRABAD Wazirabad - Burari North Delhi Delhi 110084 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD FARMAN

NAME CHANGE
I MAFUJ ALAM S/O MD KURSHED ALAM RESIDING AT HOUSE NO-1/10073 F STREET NO-3, KH NO-358 SHAHDARA WEST GORAKHPARK DELHI-110032. HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD MAFUJ ALAM FOR ALL MY FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I LAKSHAY S/O PRAVEEN KUMAR SHARMA R/O 1818 SECTOR 28 FARIDABAD HARYANA 121008 I HAVE CHANGED NAME LAKSHAY M SHARMA

NAME CHANGE
I, RAJINDER S/o RAJ PAL R/o H.NO.DV-63/2, WARD NO-22, SANT DARSHAN SCHOOL, BASS MOHALLA, PALWAL-121102, HARYANA, HAVE CHANGED MY NAME TO RAJINDER SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I DHARMENDER SINGH S/O Sh UDAL SINGH, R/O B-13 Police Quarter. Mangol Puri Delhi -110083 declare that name of mine has heen wrongly written as DHARVENDRA SINGH in my Pan Card No. AQNPD7741C, my Educational Documents and as DHARMENDRA SINGH in my Aadhat Card No 399759178893, The actual name of mine is DHARMENDER SINGH respectively, which may be amended

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my client M/s. United Finvest India Ltd, who is the owner of Property as Lease Hold Plot No. 249, in Block-A, area measuring 450.00 Sq. Mtrs. situated in Sector-15-A, Noida, tehsil & Distt. Gautam Budh Nagar, U.P., had lost Transfer Deed of lease hold rights dated 01.07.2002 and the said deed was executed by Mr. Avinash Parti through his attorney Mrs. Swaran Kanta Malhotra in her favour and the said deed is duly registered as Document No. 1497 & 1498 in Bahi No. 1, Jild No. 1084 on pages 459 to 474 on dated 01.07.2002 with the office of the Sub Registrar-II-Gautam Budh Nagar, and intends to mortgage the said property with Kotak Mahindra Bank Ltd. Any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and that there is no claim are being claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.
RAJESH K GUPTA Advocate
F - 43, Dilshad Colony
Delhi- 110095
9315833452
regalloan@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती रूपिका मिथल पत्नी श्री तरुण गुप्ता और श्रीमती शिखा गुप्ता पत्नी श्री सचिन गुप्ता, खसरा संख्या 1199 में से 50 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट की मालिक हैं, जो गाँव- बरौला परगना और तहसील- दादरी, जिला- गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है। पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 13608 में पृष्ठ संख्या 335-354 एसआर-II गौतमबुद्ध नगर पर दस्तावेज संख्या 4916 के अनुसार दिनांक 04.09.2023 के बिक्री विलेख के आधार पर। श्रृंखला दस्तावेजों में नीचे उल्लिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात मूल बिक्री विलेख दिनांक 25.04.2012 को श्रीमती मुनेश पत्नी श्री कृष्ण कुमार द्वारा श्रीमती मुनेश पत्नी श्री महेंद्र सिंह के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 3146, खंड संख्या 4162, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 327-340, एसआर- II, नोएडा के अनुसार निष्पादित किया गया। अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और यह संपत्ति श्रीमती पूनम पत्नी श्री राम कृपाल के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्तपोषण उज्जीवन लघु वित्त बैंक लिमिटेड शाखा- आदर्श नगर, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती दर्शना कुमार पत्नी श्री कृष्ण गोपाल, फ्रीहोल्ड आवासीय प्रथम तल की मालिक हैं, बिना छत के अधिकार के, 68 वर्ग गज का क्षेत्रफल, संपत्ति संख्या आरपी-341 (पुराना/नया नंबर) 422, 80 वर्ग गज का क्षेत्रफल, खसरा संख्या 257 से 260 तक, गांव - राम पुरा, दिल्ली - 110035 के लाल डोरा में स्थित है। अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और यही संपत्ति श्री सतबीर शर्मा के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा: सुभाष नगर, दिल्ली द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is to inform to the public at large that **MR. SHAKEEL KHAN** who is intending to purchase the **Ground Floor, Front Side Flat without roof rights, of Property No.S-439, measuring 50 Sq. Yards, Khasra No.259, School Block, Sakarpur Khas, Illaqa-Shahdara Delhi-110092** from **Mrs. Shilpa Khurana** owner vide **Sale Deed dated 14.02.2019 (Doc. No.795)** executed by **(1) Mrs. Seema Shrivastava (2) Mrs. Monica** and same to be finance & mortgage by **Hinduja Housing Finance Ltd., having its Branch at I.P. Extension. That, Original Sale Deed dated 07.07.2014 (Vide Doc. No.3154)** executed by **Mrs. Manju Joshi** in favour of **Mrs. Savina** has lost/misplaced and FIR of the same lodged. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Advocate Abhishek Singh
A-2/367, Nand Nagri,
Near GTB Enclave,
SDM Court Nand Nagri,
Delhi-110093
Mobile: 7706007066
Email: advabhisingh1993@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री पार्थ गुप्ता बुलट अप संपत्ति संख्या डी-44, क्षेत्रफल 52 वर्ग गज (16.1/2 × 28%) खतौनी संख्या 9 खसरा संख्या 2024 के अंतर्गत फ्रीहोल्ड आवासीय तीसरी मंजिल (छत के अधिकार के साथ) के मालिक हैं, जो तिहाड़ गांव, अब डी-ब्लॉक, हरि नगर, घंटाघर, नई दिल्ली के क्षेत्र में स्थित है, जो वसीयत दिनांक 11.09.2024 के दस्तावेज संख्या 2024/25/III/2040, पुस्तक संख्या 3, खंड संख्या 526, पृष्ठ संख्या 11 से 18 के आधार पर 12.09.2024 को, एसआरओ-पश्चिम जनकपुरी के रूप में पंजीकृत है। नीचे दिए गए दस्तावेजों की श्रृंखला में स्वर्गीय श्रीमती मंजू गुप्ता की एसएमसी और दिनांक 11.09.2024 का वसीयत का प्रोबेट आदेश उपलब्ध नहीं है। हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री वृंदावन कुमार के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- नरेला दिल्ली द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

जनसेवा के फर्ज को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे : डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना की जनता के आशीर्वाद से वो सांसद बने और विधायक बने हैं। जो ताकत आप लोगों द्वारा दी गई है, मैं उसके अनुरूप काम करते हुए आमजन, गरीब, किसान, नौजवान, व्यापारी समेत हर तबके की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए ईमानदारी से काम करूंगा। पुरानी सब्जी मंडी स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर (शिवाला मस्तनाथ) में पुनः निर्मित शिव मंदिर व प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शाही महाकुंभ स्नान व मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1996 में आप लोगों ने निर्दलीय सांसद के नाते मुझे आशीर्वाद दिया और आज एक बार फिर मुझपर भरोसा रखते हुए अपना जनप्रतिनिधि चुना है। इसलिए आपके द्वारा दी गई ताकत के आधार पर ईमानदारी के साथ हर वर्ग की सेवा करूंगा। आपको नायब सिंह सैनी के तौर पर ऐसे मुख्यमंत्री मिले हैं, जो हर वक्त आपकी बेहतरी के लिए सोचते हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 वर्ष आयु से अधिक के नागरिकों को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य इलाज निःशुल्क करवाने का अवसर दिया है।

सीएम विंडो में लापरवाही पर दादरी के एडीसी को नोटिस

चंडीगढ़। हरियाणा मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ.साकेत कुमार ने कहा है कि सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों को लेकर लापरवाही करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिक संसाधन सूचना विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 15 दिनों के अंदर अपने स्कोर को सुधार कर मुख्यमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

डॉ.साकेत कुमार चंडीगढ़ में सीएम विंडो (शिकायतों) से संबंधित नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। एक मामले में उन्होंने चरखी दादरी जिला से संबंधित शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एडीसी, चरखी दादरी को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सेवा विभाग से सम्बंधित वर्ष 2021 से लंबित एक शिकायत को अभी तक अंडरटेक न करने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेवारी निर्धारित करते हुए की गई कार्यवाही से अवगत करवाने हेतु सेवा विभाग के निदेशक को निर्देश जारी किए है। अतिरिक्त प्रधान सचिव ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों के संबंध में फीडबैक लिया और सभी को शिकायतों का तत्परता से समाधान करने के निर्देश भी दिए।

आमजन का जो भी कार्य है, अधिकारी उसका समय पर काम करना सुनिश्चित करें: एडीसी

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशानुसार प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में आज अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें सुनी। एडीसी ने कहा कि सरकार का

मकसद है कि आमजन को बिना किसी परेशानी के सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके इसी उद्देश्य से यह समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन का जो भी कार्य है उसका समय पर संबंधित विभाग के अधिकारी काम करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी हरदीप, बीजेपी जिला अध्यक्ष दयाराम यादव के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जन समस्याओं की सुनवाई के लिए सरकार ने बनाए कई प्लेटफार्म: सीटीएम मंजीत कुमार

नारनौल। हरियाणा सरकार ने आमजन को अपनी शिकायतें व समस्याएं रखने के लिए सीएम विंडो, समाधान शिविर तथा सोशल मीडिया ग्रीवेंस ट्रैकर आदि बेहतरीन प्लेटफार्म बना रखे हैं। इन पर आने वाली शिकायतों का समय पर समाधान किया जा रहा है। इन प्लेटफार्म पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा के लिए आज नगराधीश मंजीत कुमार ने लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली।

सीटीएम ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री इस प्लेटफार्म पर मिल रही शिकायतों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। आगामी 17 जनवरी को फिर से मुख्यमंत्री सीएम विंडो, समाधान शिविर तथा सोशल मीडिया ग्रीवेंस ट्रैकर के संबंध में समीक्षा करेंगे। ऐसे में सभी विभागों के अधिकारी इन प्लेटफार्म पर आने वाली शिकायतों का तुरंत प्रभाव से निपटारा करें।

हरियाणा में बीपीएल पात्र परिवारों को मिलेंगे सौ-सौ गज के प्लाट

मुख्यमंत्री ने हाउसिंग फॉर आल विभाग की ली बैठक, हाउसिंग बोर्ड के प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम को पीपीपी से जोड़ने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत प्रदेश सरकार सभी गरीब परिवारों को जल्द ही आशियाना उपलब्ध कराएगी। इसके लिए हाउसिंग फॉर आल विभाग द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किये जा चुके हैं। प्रदेश के पात्र लोगों को सौ-सौ वर्ग गज के प्लाट आवंटन की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में यहां आयोजित की गई हाउसिंग फॉर आल विभाग की समीक्षा बैठक में यह जानकारी प्रदान की गई। योजना के तहत सौ-सौ वर्ग गज के प्लॉट शहरों की तर्ज पर सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित विकसित कॉलोनियों में दिए जाएंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री द्वारा सौ करोड़ रुपये की राशि की स्वीकृति पहले ही

प्रदान की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत पांच लाख से अधिक लोगों ने सौ वर्ग गज के प्लॉट के लिए आवेदन किया है और सभी पात्र लाभार्थियों को जल्द ही विभिन्न चरणों में प्लॉट मिलेंगे। इसकी प्रकार, योजना के तहत महाग्राम पंचायतों में 50 वर्ग गज के प्लाट आबंटित किये जाएंगे। इसी प्रकार, राज्य सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना' के तहत शहरों में रहने वाले वाले लगभग 2.89 लाख से अधिक ऐसे परिवारों द्वारा घर के लिए आवेदन किया गया था, जिनके पास अपना घर नहीं है और जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है।

इसमें प्लाट के लिए लगभग 1.51 लाख तथा फ्लैट के लिए 1.38 लाख लोगों ने आवेदन किया है। इसमें से 15,256 को गत वर्ष प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर जारी किये जा चुके हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि हाउसिंग बोर्ड हरियाणा ने लगभग 80,000 आवंटियों के डेटा के प्रबंधन के लिए प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर को सफलतापूर्वक डिजाइन और विकसित किया है। इससे पहले, संपत्तियों के सभी रिकॉर्ड भौतिक बहीखातों में एस्टेट मैनेजरों द्वारा मैन्युअल रूप से बनाए रखे जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड के प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम को परिवार पहचान पत्र के साथ भी लिंक किया जाए ताकि भविष्य में योजनाओं का और बेहतर क्रियान्वयन हो।

हांसी में हाईवे से सिटी की तरफ एंट्री वाले खतरनाक प्वाइंट का होगा समाधान

एजेंसी

हिसार। उपायुक्त अनीश यादव ने एनएचएआई के अधिकारियों को हिसार–चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर सर्विस लेन बनाने की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए है।इस संबंध में उपायुक्त अनीश यादव ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ बैठक की है। बैठक में हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, नारनौंद के एसडीएम मोहित महराणा, हांसी के एसडीएम राजेश खोथ भी मौजूद थे। एनएचएआई की तरफ से बैठक में विपिन मोंगा तथा ललित कुमार पहुंचे थे, वहीं इस दौरान बैठक में मारवल सिटी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी मौजूद रहे। हांसी के एसडीएम राजेश खोथ और नारनौंद के एसडीएम मोहित महराणा ने इस बीच हांसी एरिया में हादसों का कारण बन रहे एक पॉइंट पर खास तौर पर एनएचएआई और उपायुक्त अनीश यादव के साथ चर्चा की। जिस पर उपायुक्त अनीश यादव ने तुरंत एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हांसी के गीता चौक पर मोड की एंट्री राष्ट्रीय राजमार्ग से ठीक की जाएं। इसी तरह से हिसार में सिरसा रोड से एंट्री मोड को भी ठीक

किया जाएं, ताकि सड़क हादसे ना हो। बैठक में उकलाना के सुरेवाला चौक को लेकर भी चर्चा हुई कि किस प्रकार से वहां ऐसे इंतजाम किये जाए कि भविष्य में कोई सड़क हादसा वहां ना हो। बैठक के दौरान उपायुक्त अनीश यादव को नेशनल हाईवे की इस संबंध में तलवंडी राणा बाईपास से लेकर बहबलपुर तक की ड्राइंग भी दिखाई गई। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि एनएचएआई पर वाहन चालकों तथा यात्रियों का सफर सुरक्षित और सुगम होना चाहिए, इसके लिए ठोस कदम उठाये जाएं। उन्होंने इस दौरान मारवल सिटी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल से कॉलोनी में हाईवे से आवागमन को लेकर आ रही दिक्कतों पर भी बात की। इस दौरान सर्विस लेन बनाने की मांग पर भी सहमति भी बनी। जिसके बाद उपायुक्त अनीश यादव ने एनएचएआई के अधिकारियों को इस बाबत अगली कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। उपायुक्त ने निर्देश दिए इस कार्य की प्रगति के बारे में उन्हें लगातार अपडेट भी किया जाए। उपायुक्त अनीश यादव ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले में सभी अवैध कटों को बंद किया जाएं, साथ ही ब्रेकरों को तय पैमाने के अनुरूप दुरूस्त किया जाए।

जिला भाजपा संगठन मजबूती से कर रहा है कार्य : वेदपाल

एजेंसी

यमुनानगर। भाजपा जिला कार्यालय में जिला कोर कमेटी की एक हुई। जिसमें भाजपा संगठन को आगे बढ़ाने को लेकर विचार विमर्श किया गया, जिसमें जिला प्रभारी अधिवक्ता वेदपाल व कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा जिला यमुनानगर संगठन की कोर कमेटी की बैठक का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय यमुना कमल जगाधरी में किया गया। उन्होंने बताया कि भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में जिला यमुनानगर के संगठन को और कैसे मजबूत किया जाए व कैसे आगे बढ़ाया जाए इन विषयों पर सभी सदस्यों ने बैठकर विचार विमर्श किया।उन्होंने कहा कि भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में भाजपा के प्राथमिक सदस्यता व सक्रिय सदस्य अभियान पर भी चर्चा की गई व भाजपा के जिला यमुनानगर के संगठनात्मक चुनाव को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। जिला यमुनानगर में भाजपा संगठन की नीतियों व हरियाणा भाजपा सरकार

की योजनाओं के प्रचार प्रसार को लेकर भी आगे की रूपरेखा बनाई गई।भाजपा जिला प्रभारी अधिवक्ता वेदपाल ने कहा कि जिला यमुनानगर में भाजपा संगठन मजबूती के साथ कार्य कर रहा है व जिले में भाजपा सदस्यता का आंकड़ा भी अच्छे स्तर को पार कर रहा है। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सभी वर्गों को साथ लेकर हरियाणा को और आगे ले जाने का काम किया जाएगा। प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है। पूर्व कृषि मंत्री कंवरपाल व विधायक घनश्याम दास अरोड़ा सहित सभी वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारियों ने भाजपा संगठन के विषय पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

40 लाख रुपये के गुम हुए मोबाइल ढूंढकर मालिकों को दिए

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने साल 2025 के 13 दिन में ही गुम हुए मोबाइल फोन को तलाशने के लिए तत्परता से कार्रवाई करते हुए करीब 40 लाख रुपये के 152 मोबाइल ढूंढकर मालिकों को सौंप दिए हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने लोगों से आग्रह किया कि वे जागरुक व सचेत रहें, ताकि मोबाइल जैसा जरूरी उपकरण गुम होने से बचाया जा सके। साइबर सेल पश्चिम के इंचार्ज सहायक उप-निरीक्षक अमित कुमार की टीम ने गुम हुए मोबाइल फोन्स को तलाशने के लिए सीईआईआर पोर्टल की सहायता से कार्य किया। इस दौरान 152 मोबाइल को तलाश गया, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने बताया कि वर्ष-2024 में एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक मोबाईल फोन गुम होने की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 783 गुम हुए मोबाईल फोन्स को ढूंढकर

बरामद किया गया। पुलिस टीम द्वारा ढूंढकर बरामद किए गए 783 मोबाईल फोन्स की अनुमानित कीमत 1.9 करोड़ रुपए है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने कहा कि वर्तमान समय में मोबाईल फोन लोगों की एक अहम जरूरत बन गई है। स्मार्ट मोबाईल फोन के माध्यम से लोग अपने विभिन्न कार्य आसानी से कर लेते है। लोग फोन को माध्यम बनाकर अपना मनोरंजन भी करते हैं। साथ ही अपने मोबाईल फोन में ही अपने जरूरी दस्तावेज व जानकारी सुनिश्चित भी रखते हैं। इसलिए अपने मोबाईल फोन के साथ लोगों के सेंटीमेंट्स भी जुड़े होते है। जब किसी व्यक्ति का फोन गुम हो जाता है तो उसे न केवल आर्थिक नुकसान होता है बल्कि उसे मानसिक रूप से भी बहुत परेशानी होती है। इन सभी को मध्यनजर रखते हुए पुलिस आयुक्त गुरुग्राम के निर्देशानुसार गुरुग्राम पुलिस लोगों के गुम हुए मोबाईल फोन को सीईआईआर (सेंट्रल-इक्विपमेंट-आइडेंटिटी-रजिस्टर) पोर्टल व पुलिस तकनीकी की सहायता से ढूंढकर बरामद करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने कहा कि सीईआईआर (सेंट्रल-इक्विपमेंट-आइडेंटिटी-रजिस्टर) पोर्टल दूरसंचार विभाग का एक नागरिक केंद्रित पोर्टल है। यह पोर्टल मोबाईल फोन उपकरणों को उनके अंतर्राष्ट्रीय मोबाईल उपकरण पहचान नंबरों का इस्तेमाल करके प्रबंधित और ट्रैक करने के लिए बनाया गया है। अगर किसी का मोबाईल फोन गुम या चोरी हो जाता है तो गुम हुए मोबाईल फोन के आईएमईआई को बन्द कराया जा सकता है।

टीडीके सोहना में जल्द पूरा करेगी प्रोजेक्ट, युवाओं को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से एक जापानी डेलिगेशन ने मुलाकात की और हरियाणा में लगाए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। डेलिगेशन में फुमियो सशीडा, चेयरमैन, काजुनूबो मियाके, गुआन जैमिन, जनरल मैनेजर, एटीएल व सुमित शामिल थे। डेलिगेशन ने बताया कि जापानी कंपनी टीडीके सोहना में बड़ा प्लांट लगा रही है। इससे न केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता व विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन चौधरी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि विदेशी निवेश को आकर्षित करने व विदेशी निवेशकों की मदद के लिए विदेश सहयोग विभाग स्थापित किया गया है। अनेक बड़ी कंपनियां आज हरियाणा में अपने प्रोजेक्ट्स लगाने की इच्छुक हैं। सरकार ने निवेशकों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर व कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके चलते आज गुरुग्राम सहित एनसीआर रीजन में अनेक नामी कंपनियां निवेश करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि कि प्रोजेक्ट्स को शुरू करने के लिए सभी प्रकार की जरूरी सुविधाएं अब एक छत के नीचे उपलब्ध हो रही है। इसी के चलते हरियाणा निवेशकों की पहली पसंद बन गया है।

लोगों को न्याय से जोड़ने का एक सरल और प्रभावी माध्यम साबित हो रही हेल्पलाइन 15100 : सीजेएम नेहा गुप्ता

जिला नूंह में प्रभावी रूप से किया जा रहा हेल्पलाइन नंबर-15100 का क्रियान्वयन

एजेंसी

नूंह। जिला में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर-15100 का क्रियान्वयन जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नूंह सुशील कुमार के मार्गदर्शन में प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इस हेल्पलाइन की देखरेख मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नूंह नेहा गुप्ता द्वारा की जा रही है। सीजेएम नेहा गुप्ता ने बताया कि न्याय प्रणाली को हर नागरिक के लिए अधिक सुलभ और सुगम बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से एक हेल्पलाइन नंबर-15100 शुरू किया गया है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से देशभर के नागरिक किसी भी प्रकार की कानूनी जानकारी या सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए देश के सभी जिलों में इस हेल्पलाइन को लागू किया गया है। किसी भी कानूनी समस्या का सामना कर रहे लोग, चाहे वह किसी भी वर्ग से हों, इस नंबर पर फोन करके निशुल्क कानूनी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल न्याय व्यवस्था को आम जनता तक पहुंचाने और लोगों को उनकी कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए की गई है। सचिव नेहा गुप्ता ने बताया कि यह सेवा विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या कानूनी जानकारी प्राप्त करने में असमर्थ हैं। इस हेल्पलाइन नंबर को देश के सभी जिलों में लागू कर दिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में भी लोग इस सेवा का लाभ उठा सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से इसे क्रियान्वित किया जा रहा है, जो स्थानीय स्तर पर लोगों को कानूनी सहायता

प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि 15100 हेल्पलाइन सेवा लोगों को न्याय से जोड़ने का एक सरल और प्रभावी माध्यम साबित हो रही है, जो बिना किसी जटिल प्रक्रिया के त्वरित कानूनी सलाह और सहायता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर फोकस करें, स्वयं करूंगी रिव्यू: एडीसी सलोनी शर्मा

एजेंसी

झज्जर। अतिरिक्त उपायुक्त सलोनी शर्मा ने जिला के तमाम संबंधित अधिकारियों को जिला प्लान (डी-प्लान) के तहत सभी कार्य निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनहित के कार्यों को निर्धारित समय अनुसार सुचारू रूप से संपन्न करना है। विकास कार्य में क्वालिटी नियमानुसार रखी जाए, निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। वह मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में जिला प्लान के तहत विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा कर रही थी। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला प्लान स्कीम के तहत प्रस्तावित कार्यों की फिजिबिलिटी चेक करते हुए यथाशीघ्र रिपोर्ट करें, ताकि अविलंब कार्य शुरू कराया जा सके। एडीसी ने कहा कि डी-प्लान के तहत कार्यों की प्रक्रिया निर्धारित नियमों को पूरा करते हुए तुरंत प्रभाव से पूरा किया जाए। उन्होंने यह स्पष्ट भी किया कि सभी कार्य तय गाइडलाइन के साथ होने चाहिए। मीटिंग में शहरी स्थानीय निकाय व ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। एडीसी ने कहा कि कोई भी निर्माण कार्य शुरू होता है तो

कंस्ट्रक्शन साइट पर बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाए। जिस पर लागत व पूरा होने की समय अवधि आदि जरूरी जानकारी अंकित होनी चाहिए। एडीसी ने कहा कि अधिकारी स्वयं अपने प्रोजेक्ट्स व निर्माण कार्यों का रिव्यू समय-समय पर करते रहें। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी कुछ स्थानों पर जाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगी। किसी भी स्तर पर कोताही स्वीकार्य नहीं होगी अधिकारी गंभीरता से कार्य करें।

हिसार रेंज में महिलाओं व अनुसूचित जाति, जनजाति पर अपराधों का शत-प्रतिशत हुआ निपटारा

एजेंसी

हिसार। हिसार रेंज पुलिस ने वर्ष 2024 के दौरान महिलाओं एवं अनुसूचित जाति व जनजाति से संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज हुए आपराधिक मामलों में से 98 प्रतिशत से अधिक मामलों का निपटारा करने में सफलता हासिल की है। इस अवधि के दौरान रेंज पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत इन वर्गों के खिलाफ हुए अपराधों के कुल 1477 मामलों में से 1452 मामलो पर कार्रवाई करके इनका निपटारा किया है। हिसार रेंज के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. एम. रवि किरण ने बताया कि रेंज पुलिस द्वारा गत वर्ष दहेज हत्या के 24 मामले, महिलाओं के खिलाफ घरेलू अत्याचार के 612 मामले तथा ब्लात्कार के 209 दर्ज सभी मामलों का निपटारा कर दिया गया है। महिलाओं के खिलाफ छेड़खानी के 264 दर्ज मामलों में से 260 मामले तथा अपहरण के 350 दर्ज मामलों में से 329 मामलों का निपटारा कर दिया गया है। रेंज में अनुसूचित जाति व जनजाति के व्यक्तियों के खिलाफ विरुद्ध हुए कुल 18 मामलों में केस दर्ज करके इन सभी मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। एडीजीपी ने महिलाओं के खिलाफ विभिन्न जिलों में दर्ज आपराधिक मामलों के बारे में बताया कि जिला हिसार पुलिस द्वारा दहेज

हत्या के आठ, पुलिस जिला हांसी द्वारा तीन, जींद पुलिस द्वारा पांच, सिरसा व फतेहाबाद पुलिस द्वारा चार-चार मामले दर्ज किए गए है। इन सभी मामलों का निपटारा किया जा चुका है। हिसार पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के 143 मामले, पुलिस जिला हांसी में 74 मामले, जींद में 181 मामले, सिरसा में 100, पुलिस जिला डबवाली में 32 व जिला फतेहाबाद में 82 मामले दर्ज किए गए। इन सभी का मामलों का भी निपटारा कर दिया गया है। हिसार पुलिस ने बलात्कार के 60 मामले, हांसी ने 18, जींद ने 56, सिरसा ने 34, डबवाली में आठ तथा फतेहाबाद पुलिस ने 33 मामले दर्ज किए और इन सभी का निपटारा हो चुका है। हांसी पुलिस ने महिलाओं से छेड़खानी के 30 मामले, जींद ने 66, सिरसा पुलिस ने 33, डबवाली पुलिस ने दो और फतेहाबाद पुलिस ने 41 मामले दर्ज करके इन सभी का निपटारा कर दिया है। हिसार पुलिस द्वारा दर्ज छेड़खानी के 92 मामलों में से 88 मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। महिला अपहरण से संबंधित मामलों में हिसार पुलिस द्वारा 86 मामले दर्ज करके 75 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। हांसी पुलिस द्वारा 14 मामलों में से 13 मामलों का निपटारा हो चुका है। जींद पुलिस द्वारा दर्ज 67 मामलों में से 66 मामलों, सिरसा पुलिस द्वारा दर्ज 78 में से 77, डबवाली पुलिस द्वारा 40 में से 34 मामले तथा फतेहाबाद पुलिस द्वारा दर्ज 65 मामलों में से 64 मामलों का निपटारा कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत 35 प्रतिशत सब्सिडी का लाभ उठाएं - उपायुक्त मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की एक विशेष पहल, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत उद्यमियों को 35 तक सब्सिडी का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत इच्छुक उद्यमी अपने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना या विस्तार के लिए आवेदन कर सकते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमों को प्रोत्साहित करना और उनके आर्थिक विकास में सहायक बनना है। योजना क लाभ लेने के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी

चाहिए। व्यक्ति, गैर-सरकारी संगठन, सहकारी समितियां, साझेदारी फर्म, और प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां इस योजना का लाभ उठा सकती हैं।

उद्यमी को प्रमाण पत्र और पंजीकरण की आवश्यकता होगी। अन्य योजनाओं के लाभार्थी भी पीएमएफएमई योजना के लिए पात्र हैं।

उन्होंने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिए ऋण पूर्ति पर 35 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। अधिकतम सब्सिडी सीमा 10 लाख रुपये तक है। इच्छुक उद्यमी योजना की विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए ईमेल pmfme. haryana@gmail.com या संपर्क नंबर 0172-2996509 पर संपर्क कर सकते हैं।

रबी फसल की बुवाई 632 लाख हेक्टेयर से ज्यादा, गेहूं और दालों के रकबे में उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इस साल रबी फसल की बुवाई 632 लाख हेक्टेयर से ज्यादा हो चुकी है। पिछले साल की इसी अवधि के दौरान 315.63 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस साल लगभग 320 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती की गई है। इसके साथ ही 139.81 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती की गई है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि अन्न और मोटे अनाज के तहत 53.55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खेती की गई। आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले साल की इसी अवधि के 315.63 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष करीब 320 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 139.81 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती की गई। वहीं, मोटे अनाज के तहत 53.55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खेती की गई है। कृषि मंत्रालय की ओर से जारी कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 14 जनवरी, 2025 तक रबी फसलों के तहत बुवाई क्षेत्र कवरेज की प्रगति रिपोर्ट भी जारी की है, जिसे आप इसे नीचे दिए गए टेबल में देख सकते हैं।

रुपया 17 पैसे चढ़ा

मुंबई। तेल आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर लिवाली कमजोर पड़ने की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 86.53 रुपए प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.70 रुपए प्रति डॉलर के सार्वकालिक निचले स्तर पर रहा था। कारोबार की शुरूआत में रुपया 18 पैसे की बढ़ोतरी लेकर 86.52 रुपए प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान बिकवाली होने से 86.49 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली के दबाव में यह 86.70 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 86.70 रुपए प्रति डॉलर की तुलना में 17 पैसे मजबूत होकर 86.53 रुपए प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

ईईटी फ्यूल्स ने डीकार्बोनाइजेशन रणनीति में निवेशकों का भरोसा बढ़ाया

नयी दिल्ली। एस्सार ऑयल (यूके) लिमिटेड की प्रमुख इकाई ईईटी फ्यूल्स ने अपनी डीकार्बोनाइजेशन रणनीति, बाजार की स्थिति और रणनीतिक महत्व पर निवेशकों का विश्वास दर्शाते हुए नई वित्तपोषण सुविधाएं हासिल की हैं। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि उसने ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा देने और औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन में 95 प्रतिशत तक कटौती के लक्ष्य को हासिल करने की योजना बनाई है। इसमें स्टैनलो रिफाइनरी को एक ऊर्जा ट्रांजिशन केंद्र के रूप में विकसित करना शामिल है, जिसमें औद्योगिक कार्बन कैप्चर, कम-कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन और यूरोप का पहला हाइड्रोजन-ईंधन आधारित संयुक्त ताप और बिजली संयंत्र शामिल होगा। कंपनी का उद्देश्य औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन के लिए वैश्विक मानक स्थापित करना है। ईईटी फ्यूल्स ने इस तिमाही में 35 करोड़ डॉलर के पुनर्वित्तपोषण समझौते पर सहमति व्यक्त की, जिसमें नए बैंक वित्तपोषण और मौजूदा व्यापार ऋण वित्तपोषण का संयोजन शामिल है। यह घोषणा अक्टूबर 2024 में एबीएन एमरो बैंक के साथ 65 करोड़ डॉलर की वित्तपोषण सुविधाओं के विस्तार के बाद आई है। नई वित्तपोषण सुविधाओं में तहत अफ्रीकी निर्यात-आयात बैंक अफ्रेक्सिमबैंक) के साथ 15 करोड़ डॉलर की सुविधा, जो अफ्रीकी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अधिकृत है तथा एक अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनी के साथ व्यापार ऋण वित्तपोषण सुविधा, जिसे 30 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर 50 करोड़ डॉलर कर दिया गया है। इन नई व्यवस्थाओं से ईईटी फ्यूल्स को अपनी बैलेंस शीट मजबूत करने, व्यापार भागीदारों के साथ संबंध गहरा करने और नए अफ्रीकी बाजारों में अपनी उपस्थिति स्थापित करने में मदद मिलेगी।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में इंडस टावर्स ने लगाए 180 नए टावर

नयी दिल्ली। महाकुंभ 2025 को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाता इंडस टावर्स ने पूरे मेला क्षेत्र में 180 नए टावर लगाकर डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के साथ साझेदारी की गई है। कंपनी का प्रयास महाकुंभ मेला 2025 के दौरान सभी तीर्थयात्रियों और प्रयागराज के लोगों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। डस टावर्स प्रयागराज में 180 टावरों को तैनात करके निर्बाध संचार को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें शहर में दीर्घकालिक संपर्क प्रदान करने के उद्देश्य से 110 स्थायी टावर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, महाकुंभ मेला मैदान के भीतर महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 70 सेल ऑन व्हील्स टावर स्थापित किए गए हैं। कंपनी ने कहा कि 180 नए टावरों की स्थापना से न केवल संचार में काफी सुधार होगा बल्कि नए डिजिटल रास्ते भी तैयार होंगे। लाखों श्रद्धालु अपने प्रियजनों के साथ जुड़े रहेंगे और निर्बाध रूप से आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करती है।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का शेयर पहले दिन के कारोबार में 55 फीसदी चढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड कंपनी का शेयर 290 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 55 फीसदी की तेज बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना 290 करोड़ जुटाने की है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 1,795 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी शेयर ने बॉम?बे स?टॉक एक?सचेंज (बीएसई) पर 28.96 फीसदी की तेजी के साथ 374 रुपये पर शुरुआत की। हालांकि, बाद में यह 54.74 फीसदी की तेजी के साथ ऊपरी सर्किट सीमा 448.75 रुपये पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स?टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर

यह शुरुआती कारोबार में 27.58 फीसदी चढ़कर 370 रुपये हो गया, जो बाद में 53.10 फीसदी के उछाल के साथ ऊपरी सर्किट सीमा 444 रुपये पर बंद हुआ। शेयर बाजार के मुताबिक मात्रा के लिहाज से बीएसई पर कंपनी के 15.38 लाख शेयरों और एनएसई में 146.76 लाख शेयरों का आदान-प्रदान हुआ। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 185.82 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने इश्यू का मूल्य दायरा 275-290 रुपये प्रति शेयर तय किया था। यह आईपीओ पूरी तरह 290 करोड़ रुपये के नए शेयरों पर आधारित था। इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं थी। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेगी। रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड एक रिसर्च बेस्ड कंपनी है। यह भारतीय रेलवे के लिए न्यू जनरेशन के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम तैयार करती है। यह सिस्टम रेल यात्रियों को हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण केंद्र के साथ एक विशेष केबल विनिर्माण सुविधा भी प्रोवाइड करता है। कंपनी के प्रमोटर मोहित वोहरा, अमित धवन, अमृत सिंह रंधावा, रूपिंदर सिंह, विशेष अबरोल और विवेक अबरोल, एक जोत सिंह और राजबीर सिंह रंधावा हैं।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को एमएनआरई का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। खरे को नियमित नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक तत्काल प्रभाव से एमएनआरई का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सरकार की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तत्काल प्रभाव से इस नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। निधि खरे नियमित पदधारी की नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, इस पद पर कार्यरत रहेंगी। आधिकारिक आदेश के मुताबिक भारत सरकार ने 1992 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी निधि खरे को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। खरे को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत उपभोक्ता मामले विभाग में सचिव के रूप में उनकी वर्तमान क्षमता में यह अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

उल्लेखनीय है कि मणिपुर सरकार के अनुरोध पर प्रशांत कुमार सिंह को उनके मूल कैडर में वापस भेजे जाने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। वहीं, सिंह को मणिपुर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है, जहां मई, 2023 में कुकी और मैतेई समूहों के बीच पहली बार झड़प के बाद से जातीय हिंसा हो रही है।

हल्दी का उत्पादन पांच साल में दोगुना कर 20 लाख टन करने का लक्ष्य : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने और अगले 5 साल में उत्पादन दोगुना कर करीब 20 लाख टन करने में मदद करेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के उद्घाटन अवसर पर यह बात कही। उन्होंने इससे पहले पल्ले गंगा रेड्डी को इसका पहला अध्यक्ष नियुक?त करने का ऐलान किया। इस बोर्ड का मुख्यालय निजामाबाद में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का शुभारंभ पूरे देश में उत्सव के शुभ दिन पर हो रहा है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधि भी राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का हिस्सा होंगे। निर्यातकों और उत्पादकों के निकायों के प्रतिनिधियों को भी बोर्ड में जोड़ा जाएगा। गोयल ने कहा कि हल्दी को 'गोल्डन स्पाइस' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम हल्दी के प्रति जागरूकता फैलाने, निर्यात को प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र से जुड़े

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि नवगठित हल?दी बोर्ड महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, मेघालय और अन्य 20 राज्यों में फैले हल्दी किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान देगा। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हल्दी उत्पादन बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं और हल्दी बोर्ड के गठन से देश में हल्दी उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 62 फीसदी से अधिक है। वित?त वर्ष 2023-24 के दौरान 226.5 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की 1.62 लाख टन हल्दी और हल्दी उत्पादों का निर्यात किया गया।

एमएनआरई ने पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के लिए परिचालन दिशा-निर्देश किए जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने पीएम-सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के तहत दो प्रमुख घटकों को लागू करने के लिए परिचालन दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीएम-सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी मॉडल और यूटिलिटी आधारित एकत्रीकरण मॉडल के लिए 'भुगतान सुरक्षा तंत्र' और 'केंद्रीय वित्तीय सहायता' घटक के कार्यान्वयन के लिए योजना दिशा-निर्देश अधिसूचित किए गए हैं। इन घटकों में भुगतान सुरक्षा तंत्र, आरईएससीओ (नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी) और उपयोगिता-आधारित एकत्रीकरण मॉडल के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक यह योजना उपभोक्ताओं के लिए छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए दो वैकल्पिक कार्यान्वयन मॉडल दिए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी

मॉडल, जहां तीसरे पक्ष की संस्थाएं छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में निवेश करती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बिना किसी अग्रिम लागत दिए केवल उपभोग की गई बिजली के लिए भुगतान करना पड़ता है। दूसरा यूटिलिटी-लेड एग्रीगेशन मॉडल, जहां डिस्कॉम या राज्य द्वारा नामित संस्थाएं व्यक्तिगत आवासीय क्षेत्र के घर की छतों पर सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करेंगी। इस योजना के तहत आवासीय क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी-आधारित ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सौर मॉडलों में निवेश को जोखिम मुक्त करने के लिए भुगतान सुरक्षा तंत्र के लिए 100 करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, जिसे मंत्रालय की मंजूरी के बाद अन्य अनुदानों, निधियों और स्रोतों के माध्यम से पूरक किया जा सकता है। यह दिशा-निर्देश राष्ट्रीय पोर्टल https://www.pmsuryaghar.gov.in/ के जरिए उपभोक्ताओं द्वारा किए जाने वाले कार्यान्वयन के मौजूदा तरीके (कैपेक्स मोड) के अतिरिक्त हैं, और ये वैकल्पिक मॉडल योजना के राष्ट्रीय पोर्टल-आधारित कार्यान्वयन के पूरक होंगे।

श्रम सचिव सुमिता डावरा ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव सुमिता डावरा ने भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकारों (बीओसीडब्ल्यू) 'निगरानी समिति की 16वीं हाइब्रिड बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत सभी सन्निमार्ण कर्मकारों की 100 फीसदी कवरेज का आग्रह किया गया। श्रम और रोजगार मंत्रालय की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पीएमएसवाईएम) जैसी केंद्रीय योजनाओं के तहत पंजीकृत बीओसीडब्ल्यू श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्रम सचिव सुमिता डावरा की अध्यक्षता में आयोजित इस हाइब्रिड बैठक में श्रम कल्याण महानिदेशक, मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम आयुक्त, बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के सचिव, केंद्रीय कल्याण आयुक्त और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और वित्तीय सेवा विभाग के प्रतिनिधियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस उद्देश्य के लिए उपलब्ध उपकर निधि का उपयोग करने का आग्रह किया गया। गौरतलब है कि देशभर में लगभग 57.3 मिलियन श्रमिक 30 सितंबर, 2024 तक बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्डों के साथ पंजीकृत थे।

डेल्टा ऑटोकॉर्प की लिस्टिंग से निवेशक गदगद, आईपीओ निवेशकों को 30 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। डेल्टिक ब्रांड के नाम से इलेक्ट्रिक टू व्हीलर और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी डेल्टा ऑटोकॉर्प की आज स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 34.62 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 175 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 183 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर गिर कर 167.65 के स्तर तक भी आ गया। दोपहर 12 बजे ये शेयर 30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 169 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। डेल्टा ऑटो कॉर्प का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 342.18 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 178.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 624.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 314.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 50.54 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हुए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 3.12 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर फेब्रिकेशन प्लांट और पेंटिंग प्लांट बनाने, नया प्रोडक्ट डेवलप करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी के वित्तीय सेहत की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत हुई है। 2021-22 में कंपनी को 4.20 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो 2022-23 में बढ़कर 5.13 करोड़ रुपये और 2023-24 में 8.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 18 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 81.17 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक कंपनी को 4.81 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है, जबकि इस दौरान कंपनी 45.28 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

अप्रैल से अक्टूबर 2024 के दौरान कोयला आयात 3.1 फीसदी कम हुआ : कोयला मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का कोयला आयात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में 3.1 फीसदी तक कम हो गया है। विदेशी कोयले पर निर्भरता घटाने और घरेलू कोयले का उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों से अप्रैल से अक्टूबर 2024 के दौरान देश के कोयला आयत में गिरावट दर्ज की गई है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कोयला आयात कम करने की सरकार की पहल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 7 महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। पिछले वित?त वर्ष की उक्त अवधि के दौरान 15.4 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया था, जबकि इस वित?त वर्ष में 14.3 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया है, कोयला आयात में 3.1 फीसदी की कमी है। मंत्रालय ने कहा कि कोयला के आयात में इस कमी के बावजूद भारत में कोयला

आधारित बिजली उत्पादन में अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक 3.87 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। गैर-विनियमित क्षेत्र (बिजली क्षेत्र को छोड़कर) में अधिक गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में साल-दर-साल 8.8 फीसदी की गिरावट आई। इस अवधि में थर्मल पावर प्लांट के आयात में 19.5 फीसदी की तीव्र कमी आई है। हालांकि, बिजली क्षेत्र के लिए कोयले का आयात, विशेष रूप से आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के लिए, 38.4 फीसदी की वृद्धि हुई हे, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 21.71 मीट्रिक टन से बढ़कर 30.04 मीट्रिक टन हो गया है, क्योंकि ये संयंत्र पूरी तरह से आयातित कोयले पर निर्भर है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक बिजली क्षेत्र को छोड़कर गैर-विनियमित क्षेत्र ने आयात में और अधिक गिरावट का अनुभव किया है, यह सालाना आधार पर 8.8 फीसदी कम हुआ है। इससे पता चलता है कि भारत अपनी कोयला आपूर्ति में प्रभावी रूप से विविधता ला रहा है और विभिन्न उद्योगों में इसके उपयोग को अनुकूलित कर रहा है। उत्पादन के मोर्चे पर भारत के कोयला उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि हुई। यह अप्रैल-अक?टूबर 2024 की अवधि में 6.04 फीसदी बढ़कर 537.57 मीट्रिक टन हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 506.93 मीट्रिक टन था। उल्लेखनीय है कि भारत का कोयला क्षेत्र इसकी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को सहारा देने में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि, देश को घरेलू भंडारों से कोयले की मांग को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण कमी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर कोकिंग कोल और उच्च श्रेणी के थर्मल कोयले के लिए, जो पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में इस्पात उत्पादन जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों को सहारा देने के लिए कोयले का आयात आवश्यक है।

थोक महंगाई दर दिसंबर महीने में बढ़कर 2.37 फीसदी पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम जनता को झटका लगने वाली खबर है। दिसंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर 2.37 फीसदी पर आ गई है। इससे पहले नवंबर महीने में थोक महंगाई दर 1.89 फीसदी पर थी, जबकि अक्टूबर में यह 2.36 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि प्याज, आलू, अंडे, मांस-मछली और फलों की थोक में कीमतें बढ़ने की वजह से डब्ल्यूपीआई पर आधारित थोक महंगाई दर दिसंबर में बढ़कर 2.37 फीसदी पर पहुंच गई है। डब्ल्यूपीआई आधारित महंगाई दर नवंबर 2024 में 1.89 फीसदी थी, जबकि दिसंबर, 2023 में यह 0.86 फीसदी रही थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दिसंबर, 2024 में घटकर 8.47 फीसदी रह गई, जबकि नवंबर में यह 8.63 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई नवंबर में 28.57

फीसदी के मुकाबले दिसंबर में 28.65 फीसदी रही। आलू की महंगाई 93.20 फीसदी के उच्चतम स्तर पर बनी रही, जबकि प्याज की महंगाई दिसंबर में बढ़कर 16.81 फीसदी हो गई।मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों में अनाज, दालें, गेहूं की महंगाई दिसंबर में कम हुई है। इसी तरह ईंधन और बिजली की महंगाई दिसंबर में घटकर 3.79 फीसदी हो गई, जो नवंबर में 5.83 फीसदी थी। इसके अलावा विनिर्मित वस्तुओं में महंगाई 2.14 फीसदी रही, जबकि नवंबर में यह दो फीसदी पर थी। उल?लेखनीय है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य कीमतों में कमी की वजह से दिसंबर, 2024 में घटकर चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई है।

अवाक्स अपैरल्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले ही दिन आईपीओ निवेशकों के पैसे डबल हुए

नई दिल्ली। अवाक्स अपैरल्स एंड ऑर्नामेंट्स के शेयरों ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार मुनाफा कराया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 133 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 139.65 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया है। अवाक्स अपैरल्स एंड ऑर्नामेंट्स का 1.92 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 260.42 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 140.46 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 372.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और दूसरे सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। 2005 में शुरू हुई ये कंपनी बुने हुए कपड़े का थोक कारोबार करती है।

शेयर बाजार में कमजोरी का सिलसिला थमा, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। इस तरह पिछले चार कारोबारी दिन से जारी गिरावट का सिलसिला आज थम गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद से ही तेजड़िये और मंदड़िये एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश करने लगे, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल भी ऊपर-नीचे होने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, पीएसई और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, एनर्जी, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, टेक और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर मजबूती बनी रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.69 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 423.62 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 417.05 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.57 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,073 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,869 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,097 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,528 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,960 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 568 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 5.74 अंक की मामूली बढ़त के साथ 76,335.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 505.60 अंक उछल कर 76,835.61 अंक तक पहुंचा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 169.62 अंक की तेजी के साथ 76,499.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 79.95 अंक की तेजी के साथ 23,165.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

मछली के साथ ये 7 फूड कॉम्बिनेशन होते हैं बेहद खतरनाक, पेट के अंदर जाते ही बनेंगे जहर, डाइजेशन की बज जाएगी बैंड

गलत फूड कॉम्बिनेशन से कई तरह की सेहत संबंधित समस्याएं हो जाती हैं. इसी तरह जब आप मछली के साथ कुछ फूड्स को खाते हैं तो उसका भी नुकसान होता है. खट्टे फल, कॉफी, प्रॉसेस्ड और स्पाइसी फूड्स आदि का सेवन मछली के साथ करना पाचन शक्ति के लिए सही नहीं है. चलिए जानते हैं और कौन-कौन से फूड का सेवन मछली के साथ करने से बचना चाहिए.

जो लोग नॉनवेज खाते हैं, वे चिकन, मटन के साथ ही मछली भी खूब खाना पसंद करते हैं. मछली कई तरह की होती है और इन सभी में ढेरों पौष्टिक तत्व होते हैं. प्रोटीन, आयरन, विटामिंस, मैग्नीशियम, पोटैशियम, सोडियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड आदि मौजूद होते हैं. हालांकि, वसायुक्त मछलियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड अधिक होता है. मछली में प्रोटीन की मात्रा भरपूर होती है. वैसे, मछली खाना सेहत के लिए बहुत हेल्दी है, लेकिन इसे खाते समय कुछ बातों का ध्यान भी रखना चाहिए. मछली को कुछ खास फूड्स के साथ कॉम्बिनेशन करने से परहेज करना चाहिए वरना ये सेहत को फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान भी कर सकते हैं. कुछ ऐसे कॉमन फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जिनके साथ मछली का सेवन नहीं करना चाहिए.

फड्स जिनके साथ मछली का सेवन नहीं करना चाहिए

-टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ भी मछली का सेवन नहीं करना चाहिए. कुछ लोग मछली को दही या फिर दूध में भी पकाते हैं. ऐसा करना सही नहीं है. दूध, दही या फिर अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ मछली का सेवन करना पाचन शक्ति के लिए ठीक नहीं है. इससे आपको अपच, ब्लोटिंग, पेट दर्द, स्किन इंफेक्शन, त्वचा पर सफेद दाग आदि समस्याएं हो सकती हैं. पाचन तंत्र का कार्य प्रभावित हो सकता है.खट्टे फलों के साथ भी मछली न खाएं. यदि आप मछली खा रहे हैं तो उसके साथ खट्टे फलों का सेवन न करें. कुछ लोग सलाद में कुछ खट्टे फल डालते हैं और मछली के साथ खाते हैं. जूस भी इन फलों से बना न पिएं. मछली और खट्टे फलों का कॉम्बिनेशन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है. सिट्रस फल जैसे नींबू, संतरा, टमाटर, कीवी आदि स्वभाव में एसिडिक होते हैं. मछली प्रोटीन का मुख्य सोर्स है. जब ये दोनों तत्व मिलते हैं तो रिएक्शन कर सकते हैं, जिससे पेट में कुछ समस्याएं हो सकती हैं.

तली-भुनी और प्रॉसेस्ड फूड्स के साथ भी मछली का सेवन नहीं करना चाहिए. तली और प्रॉसेस्ड फूड के साथ मछली खाने से इसमें मौजूद पोषक तत्वों के लाभ, गुण कम हो जाते हैं. फ्राइड और प्रॉसेस्ड फूड में ट्रांस और सैचुरेटेड फैट अधिक मात्रा में होता है. यह कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ के लिए अनहेल्दी होते हैं.

ङ्क आपको बहुत अधिक स्टार्ची फूड्स जैसे आलू, पास्ता के साथ भी मछली का सेवन नहीं करना चाहिए. इससे आप अत्यधिक मात्रा में कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट का इनटेक करते हैं. इससे डाइजेस्टिव सिस्टम सुस्त और धीमी पड़ सकती है. आप जो भी खाएंगे, उसे जल्दी पचा पाना मुश्किल होगा.

ङ्क कोशिश करें कि आप जब भी मछली खाएं तो उसे मसालेदार चीजों के साथ अधिक न खाएं. इससे मछली का स्वाद तो कम होता ही है, साथ ही स्पाइसी फूड्स के साथ मछली खाने से आपको ब्लोटिंग, पेट संबंधित समस्याएं, गैस्ट्रोइन्टेस्टाइनल प्रॉब्लम हो सकती हैं.ङ्क फलियां और बीन्स में भी मछली की ही तरह हाई प्रोटीन होता है. ऐसे में इन दोनों ही चीजों को मछली के साथ कॉम्बिनेशन करके खाना सेहत के लिए ठीक नहीं. इससे आपको ब्लोटिंग, गैस हो सकता है, जब आप साथ खाते हैं.

एकला चलो या गठबंधन : कांग्रेस के 25 साल में कई प्रयोग!

गठबंधन हो या एकला चलो यह पार्टी की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसका कोई सिद्धांत या नियम नहीं है। 1967 में समाजवादियों से गठबंधन करके ही भाजपा के तब के जनसंघ के देश की मुख्यधारा की राजनीति में आने के द्वार खुले। अगर लोहिया अपने अंध नेहरू विरोध में जनसंघ को साथ नहीं लाते तो वह हिन्दू महासभा की तरह ही सीमित दायरे की पार्टी बनकर रह जाती।कांग्रेस में प्रयोग का दौर लंबा चल गया। पार्टी अपनी क्षमता और कमजोरियों को पहचानने के बदले गठबंधन करने या न करने के एक छोर से दूसरे छोर के बीच लगभग 25 सालों से झूल रही है।देश की सबसे पुरानी पार्टी जो आजादी के आन्दोलन के नेतृत्व में कभी भ्रम या अनिश्चितता का शिकार नहीं हुई वह अब अधिकतर अनिर्णय की स्थिति में रहने लगी है। 139 साल पुरानी पार्टी है। पुराना होने का मतलब पुख्तगी (मजबूती) होता है। विरासत से इरादों की मजबूती सीखना। इन्दिरा गांधी कहती थीं- दूरदृष्टि कड़ी मेहनत पुख्ता इरादा। सीखना चाहिए। लोगों को अभी भी कांग्रेस से बहुत अपेक्षाएं हैं। जो विपक्षी दल इन्डिया गठबंधन टूट जाने की बातें कर रहे हैं वह भी यह कह रहे हैं कि कांग्रेस को इसे बचाने के लिए कुछ पहल करना चाहिए। सीधी बात है कि राष्ट्रीय दल एकमात्र है। इन्डिया गठबंधन के नेतृत्व का दावा कोई भी करे मगर किसी की पहुंच पूरे देश तक नहीं है। साढ़े दस साल से सत्ता में बनी भाजपा की भी नहीं।उत्तर दक्षिण पूर्व पश्चिम हर जगह हर गांव कस्बे में कांग्रेस का झंडा होगा। कोई न कोई कांग्रेसी होगा जो 26 जनवरी 15 अगस्त को लेकर निकलता होगा। कांग्रेस को आप खारिज कर नहीं सकते। प्रधानमंत्री मोदी का इसीलिए सारा जोर कांग्रेस पर लगा रहता है।यह कांग्रेस की क्षमता है। जिसे उसे समझने की जरूरत है। बेलगावी कर्नाटक की सीडब्ल्यूसी में कांग्रेस ने कहा कि 2025 में कोई काम नहीं है। सिर्फ दो चुनाव हैं। दिल्ली और फिर साल के आखिर में बिहार। दोनों जगह वह भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी नहीं है। इसलिए कांग्रेस ने कहा कि वह 2025 को संगठन का साल बनाएगी। अच्छी बात है। क्योंकि खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इससे पहले दिल्ली की सीडब्ल्यूसी में बहुत ही साफ शब्दों में पार्टी की कमजोरियों को स्वीकार कर चुके हैं।

एक संगठन नहीं। दो भयानक गुटबाजी। एक दूसरे को हराने में सारी ताकत लगाना। तीन कोई रणनीति नहीं। योजना बनाकर चुनाव नहीं लड़ना। चार चुनावों की पहले से तैयारी नहीं करना। सामने आ जाने पर जैसे तैसे लड़ लेना।यह कमजोरियां हैं। तो ताकत और कमजोरी दोनों हैं। मगर उन्हें समझने और फिर उन पर काम करना की जरूरत है। इस साल की शुरूआत संगठन के हिसाब से ठीक हो रही है कि उसका अपना नया मुख्यालय बनकर तैयार हो गया है। और 15 जनवरी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता उसका उद्घाटन कर रही हैं। सोनिया ने ही इसका शिलान्यास किया था। बहुत पहले जब उनकी केन्द्र में सरकार थी। कांग्रेस के स्थापना दिवस 28 दिसंबर, 2009 को। पूरे 15 साल हो गए। अब बना।खैर! साल अच्छा है। लेकिन यह पार्टी आफिस बनने, संगठन का साल घोषित करने के मामले कांग्रेस के अपने हैं। आन्तरिक। लेकिन दूसरा पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण है। विपक्षी एकता का। कांग्रेस के लिए सबसे ज्यादा। इसलिए कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने कभी भी बीजेपी से समझौता नहीं किया। और आज लड़ाई बीजेपी से ही है। और उस बीजेपी से जो अपने इतिहास में सबसे मजबूत इसी समय है।बाकी सारे विपक्षी दल कभी ना कभी बीजेपी के साथ रह चुके हैं उसका समर्थन कर चुके हैं। 1967 में लोहिया के गैर कांग्रेसवाद के समय, 1975 में जेपी आन्दोलन के समय, 1989 में वीपी के समय और लास्ट अभी 2012 -13 के अन्ना आन्दोलन के समय। लेफ्ट लालू, मुलायम, ममता सब कभी ना कभी बीजेपी के साथ एक नाव पर सवारी कर चुके हैं। कांग्रेस को हटाने के नाम पर बीजेपी का साथ सबने दिया। मगर कांग्रेस अभी है। जनता उसे चाहती है। कांग्रेस के बारे में वह शेर जो सुन-सुना कर हो तो बहुत प्रचलित गया है। मगर सटीक बैठता है कि-मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है, वही होता है जो ...!और इसीलिए कांग्रेस की जिम्मेदारी भी बड़ी है। इन्डिया गठबंधन उसकी कोशिशों से बना था। दो काम एक साथ हो रहे थे। राहुल की पहली यात्रा। भारत जोड़ो। और इन्डिया गठबंधन की बैठकें। पटना, बैंगलूरू, मुम्बई। एकता संभव हुई। इन्डिया गठबंधन बना। और सफल रहा।रिएक्शन में भाजपा ने एनडीए की बैठक की। उस एनडीए की जिसका नाम भी बीजेपी नहीं लेती थी। इन्डिया गठबंधन पर तगड़े हमले शुरू हुए। भाजपा, मीडिया, मोदी सबके। उनका डर था। और वह सही निकला।लोकसभा में भाजपा बहुमत से दूर रह गई। कहां उसके पास 2019 में 303 सीटें थीं। और 2024 में मोदी चार सौ पार का नारा लगा रहे थे। वहीं विपक्षी एकता के दम पर भाजपा के केवल 240 पर रुक गई। चन्द्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जयंत चौधरी और मांझी ऐसे कई छोटे-छोटे दलों का समर्थन लेना पड़ा। जैसा राहुल ने कहा 56 इंच की छाती नहीं रही। सही बात है। और यह संभव हुआ एक होकर लड़ने से। जनता का डर खत्म हुआ। वह सामने आई और छाती सिकुड़ गई।अब दोनों बातें अलग-अलग हैं। पहली कांग्रेस के अपने संगठन की। जिसे उसे बिना किसी के लिहाज, फेवर, नाराज होने के डर और जो एक शब्द कांग्रेस में चलता है एडजस्ट करना से दूर होकर करना पड़ेगा। खुद खरगे के मानने, सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के बाद कि संगठन कहीं नहीं है इस काम को सबसे टाप प्रायरटी पर करना होगा। बेलगावी सीडब्ल्यूसी में एक बात और कही थी कि योग्य लोगों को ढूंढ कर लाना होगा। यह सबसे महत्वपूर्ण है। गणेश परिक्रमा करने वालों से बचना होगा।दूसरी बात विपक्षी एकता की। यह भी उतनी ही जरूरी है। आप खुद समर्थ हों और साथ में साथी हों तो लड़ाई आसान हो जाती है। नहीं तो अकेले-अकेले सब दीवार से सिर फोड़ते रहते हैं।कांग्रेस ने 2004 में जो वाजपेयी सरकार को हराकर जीत पाई थी वह गठबंधन राजनीति का ही परिणाम था। कांग्रेस ने 1998 में अपने पचमढ़ी सम्मेलन में एकला चलो की नीति अख्तियार की थी। मगर उसके बाद हुए 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई।सोनिया गांधी कांग्रेस की अध्यक्ष थीं। उन्होंने 2003 में दूसरा चिंतन सम्मेलन किया। शिमला में। और यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाते हुए गठबंधन की राजनीति को स्वीकार किया। नतीजा फौरन मिला। 2004 में केन्द्र में यूपीए की सरकार बन गई।गठबंधन हो या एकला चलो यह पार्टी की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसका कोई सिद्धांत या नियम नहीं है।

1967 में समाजवादियों से गठबंधन करके ही भाजपा के तब के जनसंघ के देश की मुख्यधारा की राजनीति में आने के द्वार खुले। अगर लोहिया अपने अंध नेहरू विरोध में जनसंघ को साथ नहीं लाते तो वह हिन्दू महासभा की तरह ही सीमित दायरे की पार्टी बनकर रह जाती। इसके बाद भाजपा सत्ता और अवसरवाद का मतलब समझने लगी। 1977 में उसने सत्ता के लिए अपनी पार्टी ही खतम कर दी। जनता पार्टी में विलिन हो गई। और फिर जब मोदी 2019 में अकेले 303 लाए तो उन्होंने गठबंधन एनडीए की बात करना ही बंद कर दी।

मतलब राजनीति परिस्थितियों के अनुसार होती है। राजीव गांधी जब 2004 में चार सौ से उपर सीटें लेकर आए तो क्या कांग्रेस अलाइंस का ए भी सुनना पसंद करती थी? आज अगर वह अकेले मोदी का मुकाबला कर सकती है तो उसे भी अलाइंस का ए नहीं सुनना चाहिए।मगर ऐसा है नहीं। दिल्ली में तो खैर अलग -अलग लड़ रहे हैं। इसे कांग्रेस को अपवाद बताना चाहिए और बिहार के लिए और आगे के लिए स्पष्ट सोच के साथ सामने आना चाहिए। बिहार का जिक्र आया तो लास्ट यह और बता दें कि बिहार और यूपी में कांग्रेस पिछले 35 साल से यह जिगजैग (कभी हां कभी ना) कर रही है। नतीजा कुछ नहीं।

मतलब वही है। परिस्थिति के अनुसार समझौता या अकेले। मगर संगठन का काम पहले और मजबूती से। बिहार यूपी में है ही नहीं। बस अध्यक्ष पर अध्यक्ष बदले जाते हैं।

संपादकीय

संभल मामले में योगी की नयी टिप्पणी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाचार चैनल के मंच से कहा है कि अगर धर्मग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि संभल में कल्कि को समर्पित हरिहर मंदिर शाही जामा मस्जिद के निर्माण से पहले मौजूद था, तो मुस्लिम समुदाय को इस मुगलकालीन मस्जिद को सम्मानजनक तरीके से हिंदुओं को सौंप देना चाहिए, श्री योगी ने संभल की शाही जामा मस्जिद के संदर्भ में यह भी कहा कि किसी को %किसी भी विवादित ढांचे% को मस्जिद के रूप में संदर्भित नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी की ये टिप्पणियां दिसंबर 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पृष्ठभूमि में आई हैं, जिसमें देश की अदालतों को अन्य धार्मिक स्थानों पर दावा करने वाले किसी भी नए मुकदमे को दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया गया है.

इस बयान से ऐसा लगता है मानो योगी आदित्यनाथ अब अल्पसंख्यकों को सीधे-सीधे चेतावनी दे रहे हैं। हालांकि वे पहले भी उग्र हिंदुत्व के पक्ष में झुके हुए बयान दे चुके हैं और उनके बुलडोजर न्याय को भाजपा में इतना पसंद किया गया कि अनेक राज्यों में उसका अनुसरण किया गया। प्रसंगवश बता दें कि बुलडोजर न्याय पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त टिप्पणी कर चुका है। लेकिन बुलडोजर न्याय के बाद अब श्री योगी संभवत- यह भी तय करने लगे हैं कि मुसलमान किस ढांचे को मस्जिद मानें और किसे नहीं। मुख्यमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह के बयान देना न केवल संविधान की भावना के विपरीत है. बल्कि पद की गरिमा भी इससे घटती है, क्योंकि वे ऐसा कहकर एक समुदाय विशेष के साथ खड़े हो रहे हैं तथा दूसरे समुदाय के विरूद्ध बयान दे रहे हैं। हालांकि इस बारे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले क्रम के कार्यकर्ताओं का हाल एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री पद हो, मुख्यमंत्री का पद हो या सांसद या विधायक, भाजपा की हिंदूवादी राजनीति हर ओहदे पर भारी पड़ जाती है।

मुख्यमंत्री योगी ने %हर विवादित ढांचे को मस्जिद कहना ठीक नहीं है।% जैसा बयान देश भर में अनेक मंदिरों व मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों के परिप्रेक्ष्य में दिया है लेकिन इसमें हिन्दू-मुस्लिम दोनों के लिये स्पष्ट संदेश हैं। आगे वे कहते हैं कि %जिस दिन उन्हें मस्जिद कहना बन्द कर दिया जायेगा, तो लोग उनमें जाना भी छोड़ देंगे।% उन्होंने अपने बयान को न्यायसंगत बतलाने के लिये दो-तीन तर्क दिये। पहला तो यह कि %ऐसे स्थानों पर की जाने वाली इबादत को खुदा भी स्वीकार नहीं करेगा।% यानी वे कहना चाहते हैं कि किसी भी विवादग्रस्त ढांचे में नमाज़ पढ़ी भी जाये तो उसका कोई उपयोग नहीं है। आदित्यनाथ ने दूसरी जो बात कही वह अल्पसंख्यकों के मन में और भी खौफ़ पैदा कर सकती है। उन्होंने एक तरह से मस्जिदों की उपयोगिता और अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिये तथा यह भी बताया कि तमाम मस्जिदें निरर्थक हैं तथा ढांचे तो केवल सनातन धर्म यानी हिन्दुओं को ही चाहिये। उनका आशय यह था कि ढांचे के बिना भी मुसलमान उपासना कर सकते हैं। यानी मुस्लिम कहीं भी नमाज़ पढ़ सकते हैं जबकि हिन्दुओं को कोई स्ट्रक्चर अनिवार्यत- चाहिये ही होता है।ध्यान से देखें तो यह बयान बहुत ही खतरनाक है तथा एक वर्ग विशेष में उन्माद की नयी लहर पैदा कर सकता है। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी, उसके सहयोगी संगठनों तथा छिटपुट समूहों द्वारा देश भर में मंदिर-मस्जिद के विवाद खड़े किये जा रहे हैं। आये दिन किसी न किसी शहर की मस्जिद के सामने या भीतर उपद्रव हो रहे हैं या फिर कभी इस मस्जिद की खुदाई की मांग हो रही है तो कभी उस मस्जिद के भीतर हिन्दू देवी-देवता होने के दावे सामने आते हैं। इन सबके कारण अक्सर विवाद हिंसक रूप ले रहे हैं। योगी के अपने राज्य के संभल में इसी के चलते लगी आग अब तक पूरी तरह से ठंडी नहीं हो पायी है कि राज्य के मुखिया नये सिरे से उसी आग को भड़काने में लगे हैं। अब की यह आग उनके राज्य में सीमित न रहकर देश भर में फैल सकती है।मुख्यमंत्री योगी ने 14 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुम्भ में मुसलमान दुकानदारों द्वारा दुकानें न लगाने देने की बात को एक तरह से यह कहकर स्वीकार कर लिया कि %वहां कुछ लोग कुत्सित मानसिकता के साथ आते हैं।

क्या बाबा साहेब की विचारधारा और हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति से मेल खाती है

अम्बेडकर और हिन्दुत्व विचारधारा के सबसे मुख्य मतभेदों को छिपाया जा रहा है। 13 अक्टूबर 1935 कों नासिक के निकट येओला में एक सभा को संबोधित करते हुए अम्बेडकर ने एक धमाकेदार बात कही, मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा%। उनके अनुसार इस धर्म में स्वतंत्रता, करूणा और समानता के लिए कोई स्थान नहीं है।जहां एक ओर अमित शाह द्वारा लोकसभा में किए गए बाबा साहेब के घोर अपमान की सारे देश में तीव्र निंदा हो रही है, वहीं दक्षिणपंथी हिंदू राष्ट्रवादी विचारक और चिंतक यह आख्यान सृजित करने में जुटे हुए हैं कि बाबा साहेब और सावरकर-आरएसएस तथा विशेषकर भाजपा में साम्यता थी (बलबीर पुंज एक्स परः द रिसरेस्क्शन ऑफ डॉ. अम्बेडकर)। वे बाबा साहेब अम्बेडकर (बीए) के विस्तृत रचना संसार में से चुनिंदा हिस्से, कुछ इधर से और कुछ उधर से, उठाकर ऐसी तस्वीर पेश करने का प्रयास कर रहे हैं कि बाबा साहेब हिंदुत्व की विचारधारा के प्रशसंक थे।

वे अंबेडकर के इस कथन का हवाला देते हैं कि %स्वामी श्रद्धानंद अस्पृश्यों के सबसे संजीदा हितैषी थे%। वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि स्वामी मुस्लिमों को हिंदू बनाने के %शुद्धिकरण% के कार्य से जुड़े हुए थे। इससे मुस्लिम मौलवी नाराज थे। इस शुद्धि के बारे में अम्बेडकर का कहना था - %यदि हिंदू समाज अपना अस्तित्व कायम रखना चाहता है, तो उसे अपनी संख्या बढ़ाने पर ध्यान देने के बजाय अपनी एकजुटता को मज़बूत करने का प्रयास करना चाहिए। और इसका मतलब है जाति का उन्मूलन. जाति के उन्मूलन से ही हिंदू संगठित हो सकते हैं और जब वे जाति के उन्मूलन के जरिए संगठित होंगे, तब शुद्धि की जरूरत ही नहीं रहेगी%। यह तबलीगी जमात की तंजीम के समानांतर और उसके विपरीत धारा थी, जो हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन कर उन्हें मुसलमान बनाने के प्रयासों में जुटी थी। हालांकि श्रद्धानंद बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए, लेकिन वे हिंदू संगठन से भी जुड़े हुए थे, जो हिंदू राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध हिंदू महासभा का हिस्सा था।कई नए-नए दावे किए जा रहे हैं जैसे अम्बेडकर और सावरकर एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह सच है कि सावरकर ने पतित पावन मंदिर का निर्माण करवाया था जिसमें दलितों को आने की इजाजत थी। अम्बेडकर का मानना था कि यह एक ऐसा मंदिर बनकर रह जाएगा जिसमें सिर्फ दलित आएंगे। %बहिष्कृत भारत% के 12 अप्रैल 1929 के अंक में प्रकाशित संपादकीय में जिक्र है कि अम्बेडकर ने शुरू से ही पतित पावन मंदिर के निर्माण का विरोध किया था। उनका मानना था कि ऐसे मंदिरों को बाद में अछूतों के मंदिरों के नाम से पुकारा जाने लगेगा। हालांकि अम्बेडकर ने सावरकर के प्रयासों की प्रशंसा की मगर उनका मानना था कि ऐसे प्रयास अप्रासंगिक हैं।

इसी तरह की कुछ और बातें हिंदुत्ववादी विचारक कहते हैं। वे अम्बेडकर और कांग्रेस में मतभेदों का मुद्दा बढ़-चढ़कर उठाते हैं। उनका तर्क यह रहता है कि गांधी और पटेल की मृत्यु के बाद नेहरू निरंकुश हो गए और विपक्ष की उपेक्षा करने लगे। जैसा कि अमित शाह ने कहा कि अम्बेडकर ने नेहरूजी की मंत्रिपरिषद से इस्तीफा अनुच्छेद 370, विदेश नीति और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग की स्थिति जैसे मुद्दों पर नेहरूजी से मतभेदों के कारण दिया। वास्तविकता यह है कि अम्बेडकर द्वारा मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दिए जाने का सबसे बड़ा कारण था हिंदू कोड बिल के प्रति अपनाए जा रहे उपेक्षापूर्ण रवैये को लेकर उनकी निराशा। आरएसएस द्वारा इसका जबरदस्त विरोध किया जा रहा था और सभाएं आयोजित की जा रही थीं. उसके कार्यकर्ता संसद के समक्ष प्रदर्शन कर रहे थे। इसका शीर्ष था दिल्ली के रामलीला मैदान में 11 दिसंबर 1949 को किया गया आयोजन जिसमें नेहरू और अंबेडकर के पुतले जलाए गए।

हिंदू कोड बिल का विरोध करते हुए आर्गनाईजर ने 7 दिसंबर 1949 के अंक में लिखा- %हम हिंदू कोड बिल का विरोध करते हैं। हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि यह एक अपमानजनक बिल है जो अनैतिक एवं विदेशी विचारों पर आधारित है। यह हिंदू कोड बिल नहीं है। इसमें हिंदू जैसा कुछ भी नहीं है%। आरएसएस के इस आक्रामक अभियान का नतीजा यह हुआ कि हिंदू कोड बिल को पारित करने में देरी हुई और इसके प्रावधानों को कमज़ोर कर दिया गया। यह बाबा साहेब के लिए अत्यंत पीड़ादायी क्षण था और इसी कारण उन्होंने इस्तीफा दिया।

मनुस्मृति व चातुर्वर्ण्य ऐसे मुद्दे थे जिन पर अम्बेडकर एक ओर और सावरकर से लेकर भाजपा दूसरी ओर नजर आते हैं और दोनों पक्षों में गंभीर मतभेद हैं। जहां 25 दिसंबर 1927 को बाबा साहेब ने मनुस्मृति का दहन किया वहीं आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर ने अपने लेखन में मनुस्मृति का स्तुतिगान किया। सावरकर चातुर्वर्ण्य के प्रति अपने समर्थन की चर्चा विस्तार से करते हैं और मनुस्मृति की प्रशंसा करते हैं। %मनुस्मृति वह शास्त्र है जो हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीनकाल से हमारी संस्कृति, रीति-रिवाजों, विचारों और क्रियाकलापों का आधार रहा है। इस पुस्तक ने सदियों से हमारे देश के आध्यात्मिक एवं दैवीय विकास को संहिताबद्ध किया है। आज भी करोड़ों भारतीय मनुस्मृति पर आधारित नियमों का पालन करते हैं। आज मनुस्मृति हिंदुओं का विधिशास्त्र है। यह हमारा मूल आधार है%। और %भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है...इसमें प्राचीन भारतीय विधि, संस्थानों, और शब्दावली का जरा सा भी जिक्र नहीं है%।

अम्बेडकर और हिन्दुत्व विचारधारा के सबसे मुख्य मतभेदों को छिपाया जा रहा है। 13 अक्टूबर 1935 कों नासिक के निकट येओला में एक सभा को संबोधित करते हुए अम्बेडकर ने एक धमाकेदार बात कही, %मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा%। उनके अनुसार इस धर्म में स्वतंत्रता, करूणा और समानता के लिए कोई स्थान नहीं है। उनकी पुस्तक %थाट्स ऑन पाकिस्तान% के संशोधित संस्करण में वे इस्लामिक पाकिस्तान के निर्माण का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि इससे हिंदू राज या राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त होगा और यह यहां की जनता के लिए एक बड़ी त्रासदी होगी%।

उनकी इस घोषणा के बाद उन पर सिक्ख या इस्लाम धर्म ग्रहण करने के लिए बहुत दबाव डाला गया। हिंदू महासभा के डॉ. मुंजे ने उनसे एक समझौता किया कि यदि वे इस्लाम धर्म ग्रहण नहीं करेंगे तो हिंदू महासभा उनके धर्मपरिवर्तन का विरोध नहीं करेगी। बाबा साहेब ने अपने गहन अध्ययन के आधार पर बौद्ध धर्म को चुना।

आज भाजपा यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह बाबा साहेब की प्रतिमाओं की स्थापना कर, उनकी स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय बना कर व अन्य सांकेतिक कार्य करके वह उनका सम्मान कर रही है। ये सब पहचान से जुड़े मुद्दे हैं जबकि बाबा साहेब के मूल्यों की उपेक्षा की जा रही है। जब मंडल आयोग की रपट लागू की गई तब भाजपा कमंडल राजनीति पर उतर आई। जब आडवानी को उनकी रथयात्रा के दौरान (जो कमंडल राजनीति का हिस्सा थी) गिरफ्तार किया गया तब भाजपा, जो वी. पी. सिंह सरकार का समर्थन करने वाले दलों में से एक थी, ने अपना समर्थन वापिस ले लिया और वी. पी. सिंह की सरकार का पतन हो गया।कांग्रेस ने भी लोकसभा चुनाव में हिंदू महासभा की तरह अम्बेडकर का विरोध किया था। लेकिन वह कांग्रेस ही थी जिसने बाद में यह सुनिश्चित किया कि वे राज्यसभा के सदस्य बनें। उन्हें अंतरिम सरकार में शामिल किया गया और भारतीय संविधान की मसौदा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। भाजपा यह साबित करने के लिए बैचेन है

कि वे हिंदुत्व राजनीति का हिस्सा थे। यह एक कूटिल चाल है जिसका उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का सहारा लेकर अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना है जो पूरी तरह से हिंदू राष्ट्र के विचार के विरूद्ध था। यह कितना विडंबनापूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र के समर्थक और पैरोकार, उन अम्बेडकर को अपने सैद्धांतिक परिवार का सदस्य साबित करना चाहते हैं जो हिंदू राष्ट्र के विरोधी थे और लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र के हामी थे।

कहानी

शरारती बौना

किसी गांव में एक बौना रहता था जो बड़ा शरारती था। नाम उसका था टिप्सी। वह बड़ी हंसी-खुशी में अपना जीवन बिता रहा था, परन्तु उसे अपना नाम बिल्कुल पसंद नहीं था। वह समझता था उसका नाम बड़ा पुराना और घिसा-पिटा है। नाम तो नया होना ही चाहिए। वह अपने बड़े-बूढ़ों से प्राय: पूछता रहता कि- उसका नाम नाम टिप्सी क्यों रखा गया? कोई अच्छा सा नाम क्यों नहीं रखा गया? इसका कारण उसे कोई नहीं बता सका क्योंकि इसका कोई कारण था ही नहीं। सबने उसे यही समझाया कि बौनों के नाम पुराने ढंग के होते हैं और टिप्सी अच्छा नाम है। एक दिन टिप्सी को एक और बूढ़ा बौना मिला जिसे बस बौना सरदार कहते थे। टिप्सी को यह नाम बड़ा पसंद आया। जब टिप्सी ने उस बूढ़े से भी अपना प्रश्न दोहराया तो उसने भी वही उत्तर दिया जो दूसरे देते थे। तब टिप्सी उस बूढ़े बौने से बोला, तो फिर तुम अपना नाम मेरे नाम से बदल लो। बौने सरदार को टिप्सी की बदतमीजी पर बड़ा क्रोध आया। वह बोला तुम तुरन्त यह गांव छोड़कर जंगल में चले जाओ। एक वर्ष बाद जब तुम लौटोगे, तुम्हें पता होगा कि अपने से बड़ों के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है। टिप्सी को बौने सरदार की आज्ञा माननी पड़ी। टिप्सी बचपन से ही बड़ा ऊधमी था। उसने छोटे-मोटे जादू भी नहीं सीखे जो सब बौने जानते थे। टिप्सी जंगल में मारा-मारा फिरता। रात को उसे किसी पेड़ के नीचे सोना पड़ता। जंगली फल खाकर ही उसे पेटे भरना पड़ता। एक दिन उसे बड़ी सर्दी लग रही थी और वह भूखा भी था। खाने के लिए कुछ ढूंढते हुए वह घूम रहा था। उसे एक पेड़ के नीचे तीन सूखे काजूफल पड़े मिले। भूख के मारे बेहाल टिप्सी ने जब तीन काजूफल देखे तो उसकी आंखें चमक उठीं। वह प्रसन्न था कि खाने को कुछ तो मिला। उसने गांव में बड़े-बूढ़ों को सूखे काजूफल के कड़े छिलके तोड़कर उसमें से गिरी निकालते देखा था। उसने एक काजूफल को लेकर उसे ठोका और फिर दबाया ताकि उसकी गिरी बाहर निकाल सके, परन्तु छिलका अलग नहीं हुआ। उसने फिर छिलके को जोर लगा कर ठोका, परन्तु बेकार। भूख के मारे उसकी जान निकली जा रही थी। उसने कस कर एक मुक्का उस पर मारा तो छिलका अलग नहीं हुआ। उसने बारी-बारी तीनों काजूफल के छिलके हटाने चाहे, परन्तु एक भी नहीं हटा। जब टिप्सी हाथ से काजूफाल के छिलके नहीं उतार सका तो वह उस पर पैर रख कूदा वह भी व्यर्थ रहा तब उसने बांस की छड़ी फंसा कर छिलका उतारना चाहा, परन्तु विफल रहा।

टिप्सी भूखा तो पहले ही था, अब बुरी तरह थक भी चुका था। काजूफल का छिलका तक न उतार पाने के कारण उसे अपने आप पर क्रोध आ रहा था। वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया और रोने लग। इसी बीच एक टिड्डा वहां से गुजरा। जब उसने टिप्सी को रोते हुए देखा तो इसका कारण पूछने लगा। टिप्सी रोते-रोते बोला- मुझे बिरादरी से निकाल दिया गया है। यहां न सोने का ठिकाना है, न कुछ खाने को मिलता है। ये तीन काजूफल हैं। इन्हें मैं तौड़ नहीं सकता।

टिड्डे ने क्षमा मांगी कि वह इस में टिप्सी की कोई सहायता नहीं कर सकता और अपने रास्ते हो लिया। पास ही खड़ी एक गिलहरी ने भी टिप्सी की बात सुनी।

गिलहरी को दु:खी टिप्सी पर दया आ गई। वह उसके पास आई और काजूफल के छिलके उतारने में उसकी सहायता करने का प्रस्ताव किया। गिलहरी की बात सुनकर टिप्सी का चेहरा खुशी से खिल उठा। उसने उसे यह कृपा करने की प्रार्थना की। गिलहरी ने तुरन्त अपने दांतों से कुतर-कुतर कर काजूफल के छिलके उतार दिए और गिरी निकाल कर टिप्सी को खाने के लिए दी। गिलहरी ने वृक्ष पर चढ़ कर ताजा काजूफल की गिरियां भी निकाल कर उसे पेट भर कर खिलाई। तब गिलहरी ने उसे वृक्ष पर बने अपने घर में रहने का निमंत्रण दिया।

टिप्सी ने गिलहरी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया तथा पेड़ पर गिलहरी के मकान में बड़े मजे से रहने लगा। गिलहरी के घर में रहते-रहते, टिप्सी ने कई बातें सीखीं। उसने समझ लिया कि विनम्रता बहुत बड़ा गुण है। सभी से आदर से बात करनी चाहिए। तथा सबकी यथासंभव सहायता करनी चाहिए। जैसे कि गिलहरी ने उसकी की थी। गिलहरी ने उसे वृक्षों की भाषा भी सिखाई और पशु-पक्षियों की बोलियां भी। उसने टिप्सी को कई छोटे-मोटे जादू भी सिखाए जो उसने स्वयं वर्षों पूर्व सीखे थे, जब वह बौनों के बीच रहती थी।

जब टिप्सी को जंगल में रहते एक वर्ष पूरा हो गया तो वह बिलकुल बदल चुका था। उस एक वर्ष में उसमें बड़ी समझदारी आ चुकी थी। वह इतना विनम्र तथा शिष्ट हो चुका था कि गांव के दूसरे बौने उसे एक बुद्धिमान बौना मान कर उसका सम्मान करने लगे। अब वह शरारती टिप्सी नहीं रहा था।

क्या आप जानते हैं

अपने जाल में क्यों नहीं फँसती मकड़ी?

मकड़ी के पेट से विशेष प्रकार की ग्रंथियों से निकलने वाले द्रव से जाला बनता है। मकड़ी के शरीर के पिछले हिस्से में स्पिनेरेट नाम का अंग होता है जिसकी मदद से इस द्रव को पेट से बाहर निकलती है। हवा के संपर्क में आने पर पेट से बाहर निकाला जाने वाला द्रव सूखकर तंतु जैसा बन जाता है। इस तरह के तंतुओं से ही मकड़ी का जाला बनता है। मकड़ी के जाले में दो तरह के तंतु होते हैं। एक- सूखा जिससे जाले की फ्रेम बनती है। दूसरा- जिनसे बीच की रेखाएँ बनती हैं उसे स्पोस कहते हैं। स्पोस चिपचिपा होता है। जाले में चिपचिपे तंतुओं में ही चिपककर शिकार फँस जाता है और छूट नहीं पाता है। जब शिकार फँस जाता है तो मकड़ी सूखे धागों पर चलती हुई शिकार तक पहुँचती है और इसलिए वह जाले में नहीं उलझती। वैसे मकड़ी के शरीर पर तेल की एक विशेष परत भी चढ़ी होती है जिससे उसके जाले में फँसने का सवाल ही नहीं उठता।

पहेलियाँ ही पहेलियाँ

तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी,
न भाड़ा न किराया दूँगी,
घर के हर कमरे में रहूँगी,
पकड़ न मुझको तुम पाओगे,
मेरे बिन तुम न रह पाओगे,
बताओ मैं कौन हूँ?

गर्मी में तुम मुझको खाते,
मुझको पीना हरदम चाहते,
मुझसे प्यार बहुत करते हो,
पर भाप बनूँ तो डरते भी हो।

मुझमें भार सदा ही रहता,
जगह घेरना मुझको आता,
हर वस्तु से गहरा रिश्ता,
हर जगह मैं पाया जाता।

ऊपर से नीचे बहता हूँ,
हर बर्तन को अपनाता हूँ,
देखो मुझको गिरा न देना
वरना कठिन हो जाएगा भरना।

लोहा खींचू ऐसी ताकत है,
पर रबड़ मुझे हराता है,
खोई सूई मैं पा लेता हूँ,
मेरा खेल निराला है।

उत्तर : १.हवा २.पानी ३.गैस ४.द्रव्य ५. चुंबक

चमत्कारी होते हैं पिरामिड

मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरों गणों के लिए बनाए गए स्मारक स्थल हैं, जिनमें राजाओं के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। इन शवों के साथ खाद्यान, पेय पदार्थ, वस्त्र गहनें, बर्तन वाद्य यंत्र, हथियार, जानवर एवं कभी-कभी तो सेवक सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था।

भारत की तरह ही मिस्र की संभ्यता भी बहुत पुरानी है और प्राचीन सभ्यता के अवशेष वहां की गौरव गाथा कहते हैं। यों तो मिस्र 138 पिरामिड हैं और काहिरा के उपनगर गीजा में तीन लेकिन सामान्य विश्वास के विपरीत सिर्फ गिजा का ग्रेट पिरामिड ही प्राचीन विश्व के सात अजूबों की सूची में है। दुनिया के सात प्राचीन आश्चर्यों में शेष यही एकमात्र ऐसा स्मारक है जिसे काल प्रवाह भी खत्म नहीं कर सका। यह पिरामिड 450 फुट ऊंचा है कि जोड़ों में एक ब्लेड भी नहीं घुसायी जा सकती। मिस्र के पिरामिडों के निर्माण में कई खगोलीय आधार भी पाये गये हैं, जैसे कि तीनों पिरामिड आरियन राशि के तीन तारों की सीध में हैं। वर्षों से वैज्ञानिक इन पिरामिडों का रहस्य जानने के प्रयत्नों में लगे हैं किन्तु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

कुछ लोग पिरामिडों में स्थित जादुई असर की बात भी कहते हैं तो है। 43 सदियों तक यह दुनिया की सबसे ऊंची संरचना रहा। 19वीं सदी में ही इसकी ऊंचाई की कीर्तिमान टूटा। इसका आधार 13 एकड़ में फैला है जो करीब 16 फुटबॉल मैदानों जितना है। यह 25 लाख चूनात्थरों के खंडों से निर्मित है जिनमें से हर एक का वजन 2 से 30 टनों के बीच है। ग्रेट पिरामिड को इतनी परिशुद्धता से बनाया गया है कि वर्तमान तकनीक ऐसी कृति को दोहरा नहीं सकती है। कुछ साल पहले तक वैज्ञानिक इसकी सूक्ष्म सममिति का पता नहीं लगा पाये थे, प्रतिरूप बनाने की तो बात ही दूरा प्रमाण बताते हैं कि इसका निर्माण करीब 2560 वर्ष ईसा पूर्व मिस्र के शासक खुफु के चौथे वंश द्वारा अपनी कब्र के तौर पर कराया गया था। इसे बनाने में करीब 23 साल लगे।

मिस्र के इस महान पिरामिड को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि बिना मशीनों के बिना आधनिक औजारों के मिस्रवासियों ने कैसे विशाल पाषाणखंडों को 450 फीट ऊंचे पहुंचाया और इस बृहत परियोजना को महज 23 वर्षों में पूरा किया? पिरामिड मर्मज्ञ इवान हैडिंगटन ने गणना कर हिसाब लगाया कि यदि ऐसा हुआ तो इसके लिए दर्जनों श्रमिकों को साल के 365 दिनों में हर दिन 10 घंटे के काम के दौरान हर दूसरे मिनट में एक प्रस्तर खंड को रखना होगा। क्या ऐसा संभव था? विशाल श्रमशक्ति के अलावा क्या प्राचीन मिस्रवासियों को सूक्ष्म गणितीय और खगोलीय ज्ञान रहा होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक पिरामिड के बाहर पाषाण खंडों को इतनी कुशलता से तराशा और फिट किया गया।

रोचक तथ्य

- *ग्रेट पिरामिड एक पाषाण-कम्प्यूटर जैसा है। यदि इसके किनारों की लंबाई,ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो पृथ्वी से संबंधित भिन्न-भिन्न चीजों की सटीक गणना की जा सकती है।*
- *ग्रेट पिरामिड में पत्थरों का प्रयोग इस प्रकार किया गया है कि इसके भीतर का तापमान हमेशा स्थिर और पृथ्वी के औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के बराबर रहता है। यदि इसके पत्थरों को 30 सेंटीमीटर मोटे टुकड़ों में काट दिया जाए तो इनसे फ्रांस के चारों ओर एक मीटर ऊंची दीवार बन सकती है।*
- *पिरामिड में नींव के चारों कोने के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गये हैं ताकि ऊष्मा से होने वाले प्रसार और भूंकप से सुरक्षित रहे।*
- *मिस्रवासी पिरामिड का इस्तेमाल वेद्यशाला, कैलेंडर, सनडायल और सूर्य की प्ररिक्रमा में पृथ्वी की गति था प्रकाश के वेग को जानने के लिए करते थे।*
- *पिरामिड को गणित की जन्मकुंडली भी कहा जाता है जिससे भविष्य की गणना की जा सकती है।*

कहानी

बूढ़ा जादूगर

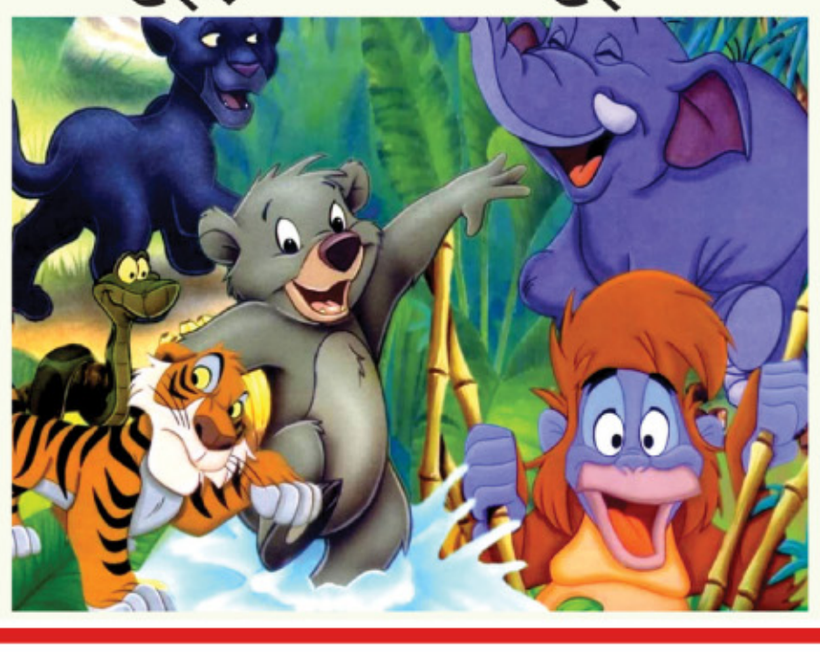

किसी गांव के बाहर बनी झोंपड़ी में एक बूढ़ा आदमी रहता था। वह थोड़ा-बहुत जादू भी जानता था। गांव से बाहर रहने का कारण यह था कि उसे भीड़-भाड़ से घबराहट होती थी। अपना गुजारा चलाने के लिए वह आस-पास की जमीन पर गेहूं तथा सब्जियां उगा लेता था। उसने कुछ मुर्गियां भी पाल रखी थीं और एक बकरी उसके पास थी जिसका दूध उसके लिए काफी होता था। एक बार ऐसा हुआ कि बरसात के मौसम में वर्षा बिल्कुल ना हुई। वर्षा न होने के कारण गांव वाले बड़े चिंतित हुए क्योंकि पानी का और कोई प्रबंधन न होने से उनकी फस्लें सूख जाने का भय था। परन्तु बूढ़े को इसकी कोई चिंता ना थी। उसके खेत के पास से एक पहाड़ी नाला बहता था जिसका पानी उस की फसलों के लिए काफी था। उसे वर्षा के पानी पर निर्भर रहने की कोई आवश्यकता नहीं थी। जब गांव वालों ने देखा कि वर्षा होने की संभावना नहीं तो उन्होंने बूढ़े जादूगर के पास जाने का फैसला किया। वे जानते थे कि अपनी युवावस्था में वह किसी जादूगर के सहायक के रूप में काम कर चुका था। उन्हें आशा थी कि वह वर्षा लाने वाला नृत्य जानता होगा। अत: वे उसके पास गए तथा उससे पूछा कि क्या वह वर्षा-नृत्य जानता है।

वर्षा-नृत्य मैंने अपनी जवानी में सीखा तो था बूढ़े जादूगर ने उत्तर दिया।

क्या तुम वर्षा लाकर हमारी सहायता करोगे? तुम्हें पता ही है कि अभी तक वर्षा नहीं हुई और जल्दी ही वर्षा होने की कोई आशा प्रतीत नहीं होती। यदि जल्दी ही पानी नहीं मिला तो हमारी फस्लें सूख कर बर्बाद हो जाएंगी। हम सब भूखों मर जाएंगे। गांव वालों ने बड़ी आशा केसाथ बूढ़े जादूगर से प्रार्थना की। बूढ़ा आदमी खुश था कि गांव वालों ने उसे बहुत महत्व दिया था। वह वर्षा लाने के लिए नृत्य करने पहाड़ी पर गया। वर्षा-नृत्य करना कोई आसान काम नहीं था।

परन्तु बूढ़े जादूगर ने गांव वालों की भलाई के लिए उसे करने का दृढ़ निश्चय कर लिया। पहाड़ी की चोटी पर चढ़ बूढ़ा जादूगर नाचने लगा तथा ऊंचे-ऊंचे मंत्र पढ़ने लगा, ऐ वर्षा तथा बादलों के देवता मैं तुम्हारा आव्हान करता हूं। सुनो.. बिजली चमकाओं, बिजली कड़काओं बादल भेजो वर्षा करों वर्षा करों। इस मंत्र को याद करके पढ़ना बूढ़े जादूगर के लिए बड़ा कठिन सिद्ध हो रहा था। उसे पढ़े हुए बूढ़े को वर्षों बीत चुके थे तथा उसके शब्दों उच्चारण ठीक कम से करने से ही वर्षा हो सकती थी। और फिर उसे बहुत ऊंचे स्वर में पढ़ना था। तेजी के साथ नृत्य भी करना था। वह बार-बार उस मंत्र को पढ़ता रहा तथा नाचता रहा। कुछ देर के बाद वर्षा होने लगी। बूढ़ा निढाल- सा वापस लौटा। गांव वालों ने बूढ़े को धन्यवाद दिया। चौबीस घंटे तक जमकर वर्षा होती रही। जब वर्षा थमी तो खेतों में खड़ी फसलों को भरपूर पानी मिल चुका था। हर कोई बड़ा प्रसन्न था।

कितने सुरक्षित हैं आपके सौंदर्य प्रसाधन

मेकअप की एक्सपायरी डेट भी होती है। क्या यह पंक्ति आपको चौंकाती है? अमूमन स्त्रियां लंबे समय तक अपने सौंदर्य प्रसाधनों का मोह नहीं छोड पातीं और उनके वैनिटी बॉक्स में कई वर्ष पुराने उत्पाद मिल सकते हैं। संभव है कि कई बार प्रोडक्ट में एक्सपायरी डेट न दी गई हो, लेकिन एक ऐसा समय आता है, जब उनकी चमक फीकी लगने लगती है, वे आकर्षक नहीं लगते और उनके साइड इफेक्ट भी महसूस होने लगते हैं। आइए जानें कैसे करें देखभाल अपने सौंदर्य प्रसाधनों की और कब तक करें उनका इस्तेमाल।

लिपस्टिक

लिपस्टिक को इस्तेमाल करने का सही समय छह माह से एक वर्ष के बीच है, लेकिन यदि उसमें ऑयल या मॉयस्चर-सा निकलता दिखाई दे या उसके रंग या आकार में तब्दीली आने लगे तो उसे बदल दें। हर हफ्ते लिपस्टिक के ऊपरी हिस्से को टिशू से साफ करना न भूलें। अपने लिप ब्रश को भी हफ्ते में एक बार अवश्य साफ करें।

फाउंडेशन

इसे इस्तेमाल करने का उपयुक्त समय है छह महीने से एक वर्ष। वॉटर बेस्ड फाउंडेशन ऑयल बेस्ड की तुलना में कुछ सप्ताह अधिक समय तक चल सकते हैं, पर अगर फाउंडेशन गाढा-सा दिखने लगे तो उसका प्रयोग बंद कर दें। फाउंडेशन क्रीम में बैंटोनाइट केमिकल होता है, जिससे त्वचा को सांस लेने में समस्या होती है। लिक्विड फाउंडेशन में मिनरल ऑयल होता है, जो कार्सिनोजेनिक (ऐसे तत्व जो कैंसर का कारण बन सकते हैं) हो सकता है। इसके अलावा फाउंडेशन में ऐसे बडे अणु (मॉलेक्यूल्स) होते हैं जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं। इससे स्वेद और तैल ग्रंथियां (स्वीट-ऑयल ग्लैंड्स) ठीक ढंग से कार्य नहीं कर पातीं, जिससे त्वचा में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसके कारण ब्लैक हेड्स, दाग-धब्बे और त्वचा में रूखापन जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

आई लाइनर और आई शैडो

आई लाइनर पेंसिल को भले ही आप हर 2-3 दिन में फ्रेश रखने के लिए शार्प करती हों, लेकिन उसके नुकीले सिरे पर बैक्टीरिया पनप सकते हैं। यदि पेंसिल बनाने में उसकी नोक बार-बार टूट रही हो तो समझिए कि उसे बदलने का समय आ गया है। लिक्विड आई लाइनर को सूखने के बाद कभी इस्तेमाल न करें। आई शैडो को नौ महीने से लेकर एक वर्ष तक चलाया जा सकता है। पुराना होने पर यह चॉक या खडिया जैसा हो जाता है और इसे लगाया नहीं जा सकता। इसका रंग बदल जाता है। आई शैडो और ब्लशर में टैल्क होता है, जो बहुत हद तक एस्बेस्टस से मिलता-जुलता है। इसमें कार्सिनोजेन की काफी मात्रा होती है, जिससे ओवरियन और लंग कैंसर की आशंका हो सकती है।

टेलकम पाउडर

यह सर्वाधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्रसाधन है, लेकिन इनमें कृत्रिम सुगंधों का इस्तेमाल बहुतायत में होता है, जो त्वचा संबंधी एलर्जी का एक प्रमुख कारण बनता है।

मस्कारा

मस्कारा को अमूमन तीन से छह माह तक प्रयोग किया जा सकता है। इसके बाद इसे बदलना जरूरी होता है, क्योंकि हवा के साथ इसके टयूब में बैक्टीरिया का प्रवेश हो जाता है, जिससे आंखों में संक्रमण हो सकता है। यह ऐसा उत्पाद है, जिसमें सबसे ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं। इसलिए इसका ढक्कन अच्छी तरह बंद रखना चाहिए। मस्कारा में एल्कोहॉल, फॉर्मलडिहाइड और प्लास्टिक रेसिन्स जैसे केमिकल होते हैं। अगर वे आपकी त्वचा को रास नहीं आते तो उनसे आंखों में जलन, लालिमा, सूजन जैसे लक्षण उभर सकते हैं।

ब्लशर

इसे एक से दो वर्ष तक इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर क्रीम बेस्ड ब्लशर ब्रेक हो जाए तो उसे इस्तेमाल करना छोड दें।

नेल पॉलिश

नेल पॉलिश को अमूमन तब तक प्रयोग किया जा सकता है, जब तक वह गाढी न हो जाए या सूख न जाए। नेल वॉर्निश को हवा के संपर्क से जितना अधिक बचा सकें, वह उतने लंबे समय तक चलेगी। सप्ताह में एक बार इसकी बॉटल को अच्छी तरह शेक कर लें, ताकि इसका मौलिक रंग बरकरार रह सके।

सावधानियां जो हैं जरूरी

- किसी भी प्रोडक्ट को खरीदने से पूर्व ऑनलाइन सुरक्षित सौंदर्य प्रसाधनों के लिए चल रही मुहिम के बारे में अवश्य जानकारी हासिल करें। इससे आपको यह पता चल सकेगा कि किस कंपनी ने अपने प्रोडक्ट्स में ऐसे हानिकारक तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाई है।
- प्रोडक्ट खरीदते समय उस पर लगे लेबल को अवश्य पढें, ताकि उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री के बारे में पता चल सके, साथ ही एक्सपायरी डेट अवश्य देखें।
- हमेशा अच्छे और जाने-पहचाने ब्रैंड के कॉस्मेटिक्स खरीदें। अब सभी बडी कंपनियों ने अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ज्यादा से ज्यादा सुधारने की दिशा में काम किया है।
- कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स की बॉटल का ढक्कन हमेशा कसकर बंद रखें। उन्हें अंधेरे और हवादार स्थान पर रखें।
- सौंदर्य प्रसाधनों को कभी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- बॉडी डियोडेरेंट या परफ्यूम्स हमेशा किसी अच्छे ब्रैंड का ही लें, पहले यह जांच लें कि वे आपकी त्वचा को माफिक आएंगे या नहीं। सामान्यत: इन्हें तीन या चार वर्ष तक चलाया जा सकता है।
- मॉयस्चर और टोनर सबसे ज्यादा प्रयोग किए जाने वाले उत्पाद हैं, लेकिन यदि इनका रंग बदले तो इन्हें बदल देना चाहिए। इन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।
- ऑयल बेस्ड क्रीम के ऑक्सीडाइज होने की आशंका रहती है। बॉडी क्रीम को दो से तीन वर्ष तक चलाया जा सकता है, लेकिन रंग, सुगंध या किसी भी तरह का परिवर्तन होने पर इनका भी इस्तेमाल रोक देना चाहिए।
- सनक्रीम या टैनिंग क्रीम अमूमन दो वर्ष तक चल सकती हैं, लेकिन जिनमें केमिकल्स ज्यादा हों उन्हें एक वर्ष तक ही प्रयोग करना चाहिए।

काबुली चना विद ग्रीन ग्रेवी

सामग्री: 200 ग्राम उबले हुए काबुली चने, 2 बारीक कटे हुए प्याज, डेढ़ टीस्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

ग्रीन ग्रेवी के लिए: डेढ़ कप कटा हुआ पालक, 1 कप मटर, डेढ़ टीस्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट, आधा टीस्पून खानेवाला सोडा।

विधि: काबुली चने को उबालकर अलग रख लें। पालक, मटर व मिर्ची को सोडा डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर पीसकर पेस्ट बना लें। एक पैन में थोड़ा-सा तेल डालें और अदरक का पेस्ट व कटे हुए प्याज डालकर भूनें। इसके बाद इसमें ग्रीन पेस्ट डाल दें। 5 मिनट तक भूनें। उबले हुए काबुली चने व नमक डालकर पकाएं। गरमा गरम सर्व करें।

मां की बदलती छवि

एक बच्चा जन्म लेने जा रहा था। उसने भगवान से पूछा, आप मुझे कल नीचे पृथ्वी पर भेज रहे हैं, मैं इतना छोटा और असहाय हूं, वहां जाकर कैसे रहूंगा?

भगवान बोले, बहुत सारी परियों में से एक परी मैंने तुम्हारे लिए चुनी है। वही तुम्हारी देखभाल करेगी। पर मुझे बताइए, मेरे साथ वहां क्या होगा, मैं वहां क्या करुंगा? यहां स्वर्ग में मैं कुछ नहीं करता, हंसने और गाने के सिवाय, इसी से मुझे खुशी मिलती है।

वह परी तुम्हारे लिए हर दिन गाएगी व मुसकराएगी, तुम्हारी हर खुशी का खयाल रखेगी और धीरे-धीरे तुम्हें नया भी बहुत कुछ सिखाएगी।

वहां के लोगों की भाषा व बात मैं कैसे समझूंगा?

वह परी तुम्हें मधुर शब्दों में सब समझाएगी और तुम्हें बोलना भी सिखाएगी। और जब मैं आपसे बात करना चाहूंगा तो क्या करूंगा? वह परी तुम्हें हाथ जोड कर मेरी प्रार्थना करना सिखाएगी, जिससे सीधे न सही, पर भावनात्मक स्तर पर हमारी-तुम्हारी बातचीत होगी जरूर।

मैंने सुना है कि पृथ्वी बुरे आदमियों से भरी पडी है, मेरी रक्षा कौन करेगा?

वह परी अपनी जान पर खेल कर भी तुम्हारी रक्षा करेगी। आपको देख न पाने के कारण, आपके बारे में जान न पाने के कारण मैं उदास हुआ तो..। वह ही मेरे बारे में तुम्हें बताएंगी। सब तरफ से हार जाने पर बच्चा समझ गया कि उसका नीचे जाना तय है। हार कर उसने पूछा कि भगवन, मैं जा रहा हूं, पर जिसके पास जा रहा हूं, आप मुझे उस परी का नाम तो बता दीजिए। उसका नाम बहुत मायने नहीं रखता, पर तुम उसे मां बुला सकते हो। यह है मां बच्चे के बीच की असली कहानी। यह सच है कि एक बच्चे के नजरिए से देखें तो सदियों पहले का बच्चा हो या आधुनिक बेबी, भारत में जन्म लिया हो या अमेरिका जैसे हाई-फाई शहर में या पिछडे हुए किसी गांव में, उसकी जरूरतें समान होती हैं।

मां की भूमिका

बच्चे की पहली सहायक, पहली अध्यापिका, पहली ट्रेनर, पहली दोस्त, पहली मार्गनिर्देशक मां ही होती है। वह ही सब कुछ सिखाती है बच्चे को। अंतर केवल इतना आया है कि बच्चे की जरूरतों व आवश्यकताओं को पूरा करने के तरीके जरूर बदल गए हैं। उन्हें आराम से रखने के तरीके, उनको सुविधाएं देने के तरीकों में बदलाव आया है। मां आज बच्चों के आराम का खयाल दूसरे ढंग से रखती हैं, उनकी सुविधाओं की चिंता का तरीका भी उनका अलग है।

कुछ बातें काम की

- अमरूद का सेवन पेट से संबंधित समस्याओं का समाधान करता है।
- खजूर का सेवन शरीर को दृढ़ता प्रदान करने के साथ-साथ कमर दर्द की समस्या का भी समाधान करता है।
- हरे धनिए का सेवन स्तन व लिवर कैंसर जैसे गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।
- अनार का सेवन गंदी जीभ की समस्या का समाधान करता है।
- लहसुन का सेवन, गैस की समस्या का समाधान करता है।
- भोजन के उपरांत एक कच्चे प्याज का नियमित सेवन कब्ज के रोगी को स्वस्थ करता है।
- कलौंजी का सेवन या फिर इसका पेट पर लेप करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 1958

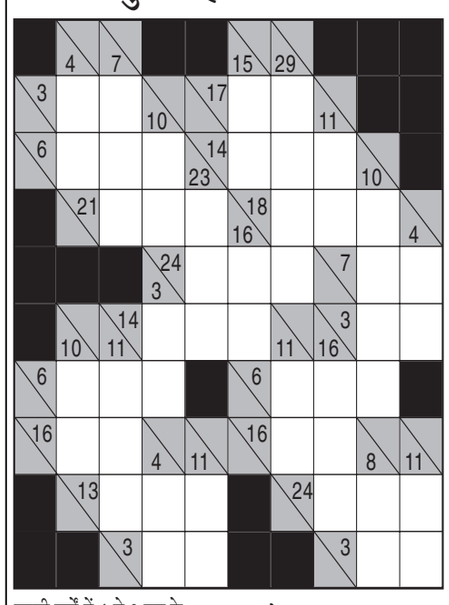

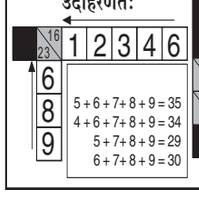

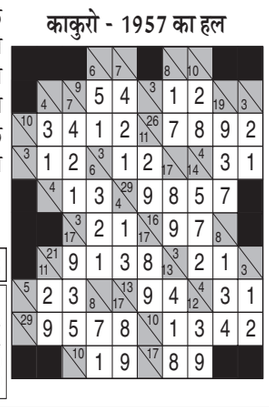

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 1957 का हल

लॉफिंग जोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा- पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ़ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1958

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 1957

सूडोकु -1958

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1957 का हल

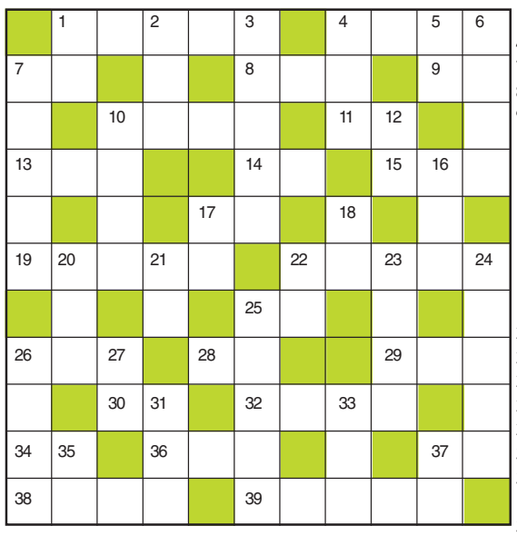

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 1958

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली - 1957 का हल

भूतपूर्व सैनिक हमारे नायक और देशभक्ति के प्रतीक हैं: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सशस्त्र सेना वेटरन्स-डे (भूतपूर्व सैनिक दिवस) पर देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बहादुर महिलाओं और पुरुषों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भूतपूर्व सैनिक हमारे नायक और देशभक्ति के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा, सशस्त्र सेना वेटरन्स-डे पर, हम उन बहादुर महिलाओं और पुरुषों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमारे देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान, साहस और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अनुकरणीय है। हमारे दिग्गज नायक हैं और देशभक्ति के प्रतीक हैं। हमारी सरकार ने हमेशा दिग्गजों के कल्याण के लिए काम किया है और हम आने वाले समय में भी ऐसा करते रहेंगे।

मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए 'वोटर बीट्स 2025' संगीत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मतदाता जागरूकता बढ़ाने और भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सुंदर नर्सरी में संगीत कार्यक्रम 'वोटर बीट्स 2025' का सफल आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एलिस वाज उपस्थित रहींइस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आर. एलिस वाज ने इन पहलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य सभी मतदाताओं को चुनावों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना और मतदान के अधिकार का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है। सीईओ ने कहा, युवा मतदाता हमारे लोकतंत्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आपका वोट आपकी आवाज है। मैं युवा मतदाताओं से आग्रह करती हूं कि वे आगे आएं और चुनाव प्रक्रिया में भाग लें। अपने वोट डालकर, युवा नागरिक नीतिगत निर्णयों को सीधे प्रभावित कर सकते हैं और एक मजबूत लोकतांत्रिक प्रणाली में योगदान दे सकते हैं।

आचार संहिता उल्लंघन के लिए पीडब्ल्यूडी इंजीनियर के खिलाफ मामला दर्ज, शिकायत में आतिशी का नाम

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कालकाजी में मुख्यमंत्री आतिशी से संबंधित सरकारी वाहन में चुनाव संबंधी सामग्री ले जाने के लिए पीडब्ल्यूडी के एक कार्यकारी इंजीनियर के खिलाफ रिटर्निंग ऑफिसर ने एफआईआर दर्ज कराई है। रिटर्निंग ऑफिसर ने पुलिस को दक्षिण-पूर्व डिवीजनल एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजय कुमार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस मामले में पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजय कुमार के खिलाफ गोविंदपुरी थाना पुलिस में एफआईआर दर्ज की गई है। रिटर्निंग ऑफिसर ने शिकायत में उल्लेख किया है कि 7 जनवरी को दिल्ली चुनाव की घोषणा के बाद, एक पीडब्ल्यूडी सरकारी वाहन का इस्तेमाल कथित तौर पर आआपा के चुनाव कार्यालय में प्रचार सामग्री पहुंचाने के लिए किया गया था। वहीं कालकाजी निवासी केएस दुग्गल ने इस मामले में गोविंदपुरी एसएचओ के पास एक अलग शिकायत दर्ज कराई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अपने खिलाफ कथित तौर पर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सरकारी वाहन का इस्तेमाल करने और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत पर दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा और पूछा कि वे किसका पक्ष ले रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग के अधिकारियों पर भी सवाल उठाए और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद जताई।

कारगिल सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत, 2 घायल

श्रीनगर। लद्दाख के कारगिल में दो वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दुर्घटना आज दोपहर को कारगिल शहर से लगभग 2 किलोमीटर दूर कटपाकाचे शिलिकचाय रोड पर उस समय हुई, जब एक टिपर और एक स्कॉर्पियो वाहन में टक्कर हो गयी और दोनों वाहन गहरी खाई में गिर गए, जिससे पांच लोगों की तत्काल मौत हो गयी तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को कारगिल के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

अमित शाह ने सबसे बड़ी पुलिस लाइन और घाटलोदिया पुलिस स्टेशन का शिलान्यास किया

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सबसे बड़ी पुलिस लाइन एवं घाटलोडिया थाने का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। गुजरात के पुलिस कर्मियों को 2-बीएचके (55 वर्गमीटर) आवास मिलेगा। 920 पुलिस परिवारों के लिए इन फ्लैटों की 13 मंजिला 18 इमारतें तैयार की जाएंगी। राज्य में शहरी पुलिस व्यवस्था की सबसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सबसे बड़ी पुलिस लाइन अहमदाबाद में बनाई जाएगी।

इस अत्याधुनिक पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के परिवारों को उत्कृष्ट एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें 930 कारों के लिए बेसमेंट पार्किंग, दो लिफ्ट, खुला उद्यान, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, सोलर रूफटॉप, बिजली बैकअप आदि शामिल हैं। आवश्यक सामान घर के दरवाजे पर उपलब्ध कराने के लिए टावर में 10 दुकानें भी बनाई जाएगी, जहां सब्जियां, दूध और अन्य उत्पाद जैसी रोजमर्रा की चीजें उपलब्ध हों।भविष्य में यहां मैटीरियल, हेयर सैलून, एटीएम, अनाज पीसने वाली मिल और पुलिस परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सीपीसी कैंटीन स्थापित करने की योजना है।

13 मंजिला 18 टावरों में रसोईघर, एक एनेक्सी और सामान्य शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं होंगी। अन्य सुविधाओं के साथ सुसज्जित आवास भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश में नगर पुलिस व्यवस्था की सबसे बड़ी पुलिस लाइन की खासियत यह है कि इसमें इनबिल्ट पुलिस स्टेशन भी है। 18 ब्लॉकों में से एक ब्लॉक 2 मंजिलों के पुलिस स्टेशन में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

केजरीवाल के दावे का खंडन कर वैष्णव ने कहा- दिल्ली में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल के शकूर बस्ती इलाके में रेलवे की जमीन को लेकर किए गए दावे का खंडन किया है। उन्होंने बताया कि कैसे रेलवे राजधानी में स्टेशनों का पुनर्विकास कर रही है।

भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में वैष्णव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पूरी तरह से तथ्यात्मक रूप से गलत बयान दिया है। पत्रकार वार्ता में मैप दिखाते हुए उन्होंने बताया कि केजरीवाल खाली पड़े हिस्से की बात कर रहे हैं। उसे असल में शकूर बस्ती स्टेशन के पुनर्विकास के लिए उपयोग किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि शकूर बस्ती रेलवे झुग्गी कैंप के स्लम एरिया को भाजपा हटाने जा रही है। इस दावे का पूरी तरह से खंडन करते हुए वैष्णव ने

कहा कि केंद्र सरकार राजधानी दिल्ली में 13 बड़े रेलवे स्टेशन को पुनर्विकास कर रही है। इनमें से ज्यादातर बहुत पुराने हो चुके थे।

सिंगापुर के राष्ट्रपति पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे, केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम 14-18 जनवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर आज नई दिल्ली पहुंचे। उनके साथ मंत्रियों, संसद सदस्यों और अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में यह थर्मन शानमुगरत्नम की पहली भारत यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि भारत-सिंगापुर राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ का विशेष अवसर पर सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे हैं। हवाई अड्डे पर राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति थर्मन का 16 जनवरी को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति थर्मन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मु उनके सम्मान में भोज का आयोजन भी करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिंगापुर के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और कई अन्य भारतीय गणमान्य व्यक्ति भी राष्ट्रपति थर्मन से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति थर्मन 17-18 जनवरी 2025 को ओडिशा का भी दौरा करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और सिंगापुर के बीच मैत्री, विश्वास और आपसी सम्मान की लंबी परंपरा पर आधारित व्यापक सहयोग है। राष्ट्रपति थर्मन की यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सितंबर 2024 की सिंगापुर यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया था। उनकी राजकीय यात्रा भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत भी करेगी।

जोधपुर झाल वेटलैंड पर पहली बार दिखे प्रवासी पक्षी रोजी पेलिकन के दो समूह

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा विकसित जोधपुर झाल वेटलैंड पर इस बार प्रवासी पक्षियों की एक नई और दुर्लभ प्रजाति ने दस्तक दी है। यहां पहली बार 38 की संख्या में दो समूहों में प्रवासी पक्षी रोजी पेलिकन (ग्रेट वाइट पेलिकन) पहुंचे हैं, जिन्होंने इस वेटलैंड को और भी आकर्षक बना दिया है। यह घटना जोधपुर झाल वेटलैंड के संरक्षण और पक्षियों के लिए बेहतर आवास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है। आगरा और मथुरा जनपद के बीच स्थित फरह क्षेत्र में स्थित जोधपुर झाल का संरक्षण उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा किया जा रहा है। इस प्रयास से यह क्षेत्र पक्षियों के लिए एक आदर्श स्थल बन चुका है, जहां देश-विदेश से विभिन्न प्रकार के पक्षी आकर शीतकालीन प्रवास करते हैं। अब तक इस क्षेत्र में यूरोप से आने वाली पेलिकन की प्रजातियां भरतपुर के घना और आगरा के सूरसरोवर में देखी जाती थीं, लेकिन इस बार रोजी पेलिकन ने जोधपुर झाल पर पहली

बार कदम रखा है। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसाइटी के पक्षी विशेषज्ञ डॉ केपी सिंह ने बताया कि भारत में पेलिकन की तीन प्रमुख प्रजातियां आती हैं, जिनमें डालमेशन पेलिकन और ग्रेट-व्हाइट पेलिकन (रोजी पेलिकन) प्रवासी प्रजातियां हैं। ये पक्षी मुख्य रूप से सर्दियों में भारत आते हैं, और अब जोधपुर झाल पर इनकी मौजूदगी ने इसे और भी खास बना दिया है। रोजी पेलिकन अपने विशाल आकार के लिए प्रसिद्ध है, और इसका वैज्ञानिक नाम पेलेकेनस ओनोक्रोटलस है। जलीय पक्षियों पर शोध कर रही निधि यादव ने बताया कि पेलिकन के लिए स्वच्छ पानी की झील एक आदर्श आवास होता है, और उनका मुख्य आहार मछलियां हैं, जिन्हें ये अपनी चोंच में बनी थैली में पकड़ कर रखते हैं। जोधपुर झाल में इन पक्षियों की उपस्थिति इस क्षेत्र के लिए एक गौरव का क्षण है। पेलिकन के लिए स्वच्छ पानी की झील आदर्श आवासब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि जोधपुर झाल वेटलैंड के विकास की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पुणे के कृत्रिम अंग केंद्र में नई प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

एजेंसी

पुणे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज पुणे में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने कृत्रिम अंग केंद्र में अंग प्रशिक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन कर कृत्रिम अंगों की देखभाल पर प्रकाश डाला। उन्होंने 9वें सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस समारोह में सम्मान पत्रिका के 10वें संस्करण का विमोचन किया। सेना प्रमुख ने पुणे के खड़की में पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र का भी दौरा किया। कृत्रिम अंग केंद्र में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अत्याधुनिक कंप्यूटर-सहायता प्राप्त डिजाइनिंग और निर्माण कार्यशालाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रयोगशाला से सैनिकों को उच्चतम गुणवत्ता की देखभाल और सहायता प्रदान करने के केंद्र के मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। सीओएएस ने मरीजों से बातचीत कर उन्हें

प्रोत्साहित किया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पुणे में आयोजित 9वें सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस समारोह के दौरान सम्मान पत्रिका के 10वें संस्करण का विमोचन किया। पत्रिका का यह विशेष संस्करण न केवल वयोवृद्धों के लिए बल्कि भारतीय सेना और उसके परिवार के बीच साझा किए गए स्थायी बंधन का भी जश्न मनाता है। 10वें संस्करण में भारतीय सेना के वयोवृद्ध निदेशालय की ओर से शुरू की गई प्रमुख पहलों को शामिल किया गया है। यह संस्करण उन वयोवृद्धों की प्रेरक सफलता की कहानियां भी सामने लाता है, जिन्होंने नागरिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेना पत्नी कल्याण संघ (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) की अध्यक्षा सुनीता द्विवेदी के साथ आज खड़की में पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र (पीआरसी) का भी दौरा किया। इस दौरान उन्हें केंद्र की अत्याधुनिक सुविधाओं से परिचित कराया गया। यहां सुसज्जित कंप्यूटर लैब, आधुनिक व्यायामशाला, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यशालाएं और खेल परिसर है। जनरल द्विवेदी यहां के निवासियों के उल्लेखनीय कौशल से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने निवासियों की रचनात्मकता और ताकत की सराहना की। अपने संबोधन में जनरल द्विवेदी ने पैराप्लेजिक रिहैबिलिटेशन सेंटर की देखभाल के असाधारण मानकों और सैनिकों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

एक ओर भारतीय की मौत, विदेश मंत्रालय ने रूस के साथ कठोरता से उठाया मुद्दा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने केरल से जुड़े एक भारतीय नागरिक की मौत और एक के घायल होने मामला रूस के साथ कठोरता से उठाते एक बार फिर सैन्य गतिविधियों में लगाए गए सभी भारतीयों को जल्द से जल्द कार्य मुक्त करने की अपनी मांग दोहराई है। इलेक्ट्रीशियन और प्लंबर बिनिल बाबू और ऑटोमोबाइल मैकेनिक जैन कुरियन पिछले साल 4 अप्रैल को रूस पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार एक कैंटीन में नौकरी पाने में विफल होने के बाद उनपर कथित तौर पर जबरन रूसी नागरिकता लेने और सैन्य सेवा में शामिल होने का दबाव डाला गया। दिसंबर में उन्होंने अपने परिवार को अवगत कराया कि उन्हें सैन्य मोर्चे पर भेजा जा रहा है और वह शायद वापसी ना आए। इसके बाद से उनके वापसी के कई प्रयास किए गए। हाल ही में बाबू की मौत का समाचार आया था। विदेश मंत्रालय ने आज मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि एक केरल के नागरिक की रूसी सैन्य सेवा में भर्ती कराई गई थी। उनकी दुखद मौत हुई है और वहीं दूसरी ओर एक अन्य केरल के भारतीय नागरिक की भी इसी तरह से नियुक्ति की गई थी। वे घायल हैं और मॉस्को के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि हम पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं मास्को में हमारे दूतावास परिवार के साथ संपर्क में है। उन्हें सभी तरह की सहायता दी जा रही है और साथ ही हम रूसी प्रशासन के साथ भी मिलकर जल्द से जल्द दिवंगत के पार्थिव शरीर को भारत लाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने इसके साथ ही घायल व्यक्ति को भी कार्य मुक्त करने और भारत भेजे जाने के लिए कहा है।

पूर्व सैनिक अपने अनुभवों से समाज और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहयोग करें: राज्यपाल

एजेंसी

देहरादून। राजभवन में सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस (वेटरन्स डे) के अवसर पर एक शाम सैनिकों के नाम'' कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पदक विजेता सैनिकों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। इस दौरान राज्यपाल ने पूर्व सैनिक अपने अनुभवों से समाज और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहयोग करें।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों का अनुभव और उनकी नेतृत्व क्षमता राष्ट्र की अमूल्य संपत्ति उनका जीवन अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण है, जो वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों से आग्रह किया कि वे अपने अनुभवों से समाज और देश को नई

ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहयोग करें। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में वे अपना योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि भूतपूर्व सैनिक उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे आएं और समाज और राष्ट्र को प्रेरित करने का काम करें। आज का दिन हमें यह संकल्प लेना है कि हम अपने वीर शहीदों के परिजनों की देखभाल और उनकी हर परिस्थिति में सहयोग करते हुए उनके लिए स्वास्थ्य सेवाओं, ईसीएचएस लाभ और अन्य आवश्यक सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सैनिक पुत्र होने के नाते जब भी वे सैनिकों से जुड़े किसी कार्यक्रम में शामिल होते है तो उन्हें लगता है कि वे अपने परिवार के मध्य है। उन्होंने राज्यपाल की प्रेरणा से राजभवन में पहली बार आयोजित इस आयोजन को प्रेरणादायी बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड वीरभूमि के रूप में भी जाना जाता है।

भारतीय सेना के गौरवमयी इतिहास में उत्तराखण्ड के हमारे वीर सैनिकों का योगदान अतुलनीय रहा है। उत्तराखंड के वीरों ने अपनी बहादुरी और साहस से हमेशा ये दिखलाया है कि देवभूमि ना केवल विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकती है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर शौर्य और वीरता का भी प्रदर्शन कर सकती है। ये हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उत्तराखण्ड जैसे छोटे राज्य में अब तक करीब 1834 सैनिकों को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है और ये संख्या हर वर्ष निरंतर बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सैनिकों और पूर्व सैनिकों के उत्थान हेतु निरंतर कार्य करते रहे हैं। एक सैनिक पुत्र होने के नाते उन्होंने भी पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार की समस्याओं और चुनौतियों को नजदीक से देखा और समझा है। इसीलिए राज्य सरकार का हमेशा ये प्रयास रहता है कि शहीदों और उनके परिवारों की भलाई के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने उत्तराखंड में वीर बलिदानियों के परिजनों को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है।

महाकुंभ से लौटी बस में लगी आग, तेलंगाना के बुजुर्ग की जलकर मौत

मथुरा। वृंदावन में एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक बस में आग लग गई। इस घटना में बस के यात्री खिड़कियां तोड़कर जान बचाने के लिए भागे। आग में तेलंगाना से आए एक यात्री की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री झुलस गए। आग की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक पूरी बस जलकर खाक हो चुकी थी। विदित रहे कि तेलंगाना से 50 यात्रियों का दल प्रयागराज महाकुंभ गया हुआ था। वापसी में वे वृंदावन दर्शन के लिए पहुंचे थे। यात्रियों की बस पर्यटक सुविधा केंद्र पर खड़ी की गई थी और वे दर्शन के लिए चले गए थे। इस दौरान बस में ड्राइवर, परिचालक और एक यात्री मौजूद थे। सिगरेट की वजह से आग

लगने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बस में रह गए एक यात्री ने सिगरेट पीना शुरू किया और बाद में फोन आने पर सिगरेट वहीं छोड़ दी। फोन पर बात करते हुए वह बस से बाहर चला गया और सिगरेट के कारण बस की सीट ने आग पकड़ ली, जो धीरे-धीरे पूरे वाहन में फैल गई। आग लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। बस में फंसे यात्रियों ने खिड़की से कूदकर जान बचाई। वहीं कुछ यात्री अपना सामान लेने के लिए दौड़े लेकिन तब तक आग पूरी बस में फैल चुकी थी। आग लगने के बाद पर्यटक सुविधा केंद्र में हड़कंप मच गया। फायर सिस्टम से आग बुझाने की कोशिश की गई लेकिन इसकी गंभीरता को देखकर दमकल विभाग को सूचित किया गया। दमकल टीम ने आग पर काबू तो पाया लेकिन इस हादसे में तेलंगाना के एक बुजुर्ग यात्री की मौत हो गई। जली हुई बस में से उस बुजुर्ग का शव बरामद किया गया। यात्रियों और स्थानीय लोगों में गहरा शोक फैल गया।

स्कूलों को धमकी में एनजीओ का नाम आने पर भाजपा ने साधा आआपा पर निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की मिल रही धमकियों के तार एनजीओ से जुड़ने पर आम आदमी पार्टी (आआपा) से स्पष्टीकरण मांगा है। एनजीओ ने अफजल गुरु को बचाने के पक्ष में कैंपेन चलाया था जिसको मुद्दा बनाकर भाजपा आआपा पर निशाना साध रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी और प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक पत्रकार वार्ता में दिल्ली पुलिस के खुलासे पर आआपा पर निशाना साधा। त्रिवेदी का कहना है कि अपने आंदोलन

काल से ही अरविंद केजरीवाल और उनके साथी नेताओं के तार कई एनजीओ से जुड़े हुए हैं। दिल्ली पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि करीब 400 स्कूलों को धमकी भरे खत भेजने वाले किशोर के अभिभावक एनजीओ से जुड़े हैं। यह एनजीओ अफजल गुरु को फांसी दिए जाने का विरोध कर चुके हैं। सुधांशु ने शंका जताते हुए कहा कि यह दिल्ली में चुनावों से पहले भय का वातावरण तैयार कर राजनीति करने की साजिश हो सकती है। आम आदमी पार्टी का भी कुछ अवांछित एनजीओ से संबंध रहा है और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के माता-पिता भी अफजल गुरु को बचाने की गुहार लगा चुके हैं।

गंगासागर मेले में निश्चलानंद सरस्वती का बड़ा बयान, ममता बनर्जी को दी नसीहत

एजेंसी

कोलकाता। गंगासागर मेले में देशभर से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा है। इस पवित्र अवसर पर पुरी के शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती भी पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की और पश्चिम बंगाल में आतंकवादियों व अवैध घुसपैठियों की सक्रियता को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कड़ी नसीहत दी। राज्य में अवैध बांग्लादेशियों और आतंकियों की गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा कि ममता जी को ध्यान देना चाहिए। जैसे केंद्र सरकार ने पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों को पकड़कर घसीटा, वही यहां भी होना चाहिए। अगर वो देशभक्त नहीं हुई, तो शासन कब तक कर सकेंगी ?

उन्होंने आगे कहा कि मिलीभगत से नहीं, बल्कि कठोरता से हिंदुओं के अस्तित्व का मार्ग प्रशस्त करें। सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन इतिहास हमेशा अमर रहता है। किसी वर्ग को रिझाने के लिए सनातन सिद्धांतों की हत्या और हिंदुओं पर हमले कराना अनुचित है। प्रयागराज में 2025 में चल रहो महाकुंभ को लेकर जब उनसे भ्रष्टाचार पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा पद सर्वोच्च न्याय का है। मेरा मानना है कि संविधान ऐसा होना चाहिए जिसे यमराज भी स्वीकार करें। उन्होंने बताया कि कोविड से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर साल मुझसे दो-तीन बार मिलने आते थे। मैं प्रयागराज जाऊंगा, अगर कोई समस्या सामने आएगी, तो सोच-समझकर कदम उठाऊंगा। बिना सोचे-समझे कुछ भी कहना उचित नहीं है।पारसनाथ तीर्थस्थान पर केंद्र सरकार को चेतावनीझारखंड में स्थित पारसनाथ तीर्थ को पर्यटन केंद्र घोषित करने पर जैन समाज के विरोध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह तीर्थ और तपोस्थली है। इसे पर्यटन स्थल बनाकर भोग की जगह नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि जैन संतों ने इस फैसले के खिलाफ अनशन किया, दो संतों की मृत्यु भी हो गई। आखिरकार केंद्र सरकार को अपना फैसला बदलना पड़ा और पर्यटन केंद्र का दर्जा खत्म करना पड़ा। लेकिन वहां के व्यापारी अब भी चाहते हैं कि यह पर्यटन केंद्र बने। ऐसा विकास नहीं होना चाहिए जिससे तीर्थस्थल ही खत्म हो जाए।

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंह) में भी होते हैं। पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढ़ें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित = इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी = कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड = झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति = रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।

सी आई एस एफ और वायुसेना की संघर्ष पूर्ण जीत

एजेंसी

नयी दिल्ली। सी आई एस एफ और भारतीय वायुसेना ने अपने अपने मैच जीत कर डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। नेहरू स्टेडियम मैदान पर खेले गए करीबी मुकाबलों में सी आई एस एफ ने बमुश्किल तरुण संघा को 2-1 से और वायुसेना ने यूनाइटेड भारत को 3-0 से हराया। वहीं एक अन्य मैच में नेशनल यूनाइटेड एफ सी ने पिछले विजेता गढ़वाल एफ सी को 1-1 की बराबरी पर रोक कर महत्वपूर्ण अंक छीन लिया। सी आई एस एफ के लिए मोहम्मद खालिद और राजदीप ने गोल जमाए। तरुण संघा का गोल ओलेन सिँह ने किया। गढ़वाल और नेशनल के मध्य खेले गए मैच में नेशनल ने अधिकांश समय दबदबा बनाया। हालांकि 14 वें मिनट में मुस्तफा के गोल से गढ़वाल ने बढ़त बनाई लेकिन नेशनल ने लगातार हमलावार रुख अपनाकर सीमन विश्वास के गोल से बराबरी पाई। वायुसेना की जीत का आकर्षण प्लेयर ऑफ द मैच यश तेओटिया रहा, जिसने दो दर्शनीय गोल जमाए। एक गोल यशराज सिँह ने किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः बोपन्ना-निकोलस की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारी

मेलबर्न। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन पहले दौर में स्पेन की पेड्रो मार्टिनेज और जाउमे मुनार की जोड़ी से हारकर युगल स्पर्धा से बाहर हो गई। आज यहां करीब दो घंटे तक चले मुकाबले में बोपन्ना और बैरिएंटोस की जोड़ी को मार्टिनेज और मुनार की जोड़ी से 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। मैच की शुरुआत में भारत और कोलंबिया की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन वे आखिरी समय तक अपनी लय कायम नहीं रख सके और मुकाबला हार गये। पहले सेट में स्पेन की जोड़ी ने महत्वपूर्ण अंक अर्जित कर जीत दर्ज की। वहीं दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी पर चल रहा था अंततः स्पेनिश जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

सट्टेबाजी मामले में हिरासत में लिए गए सेविला के डिफेंडर सालास

मैड्रिड। सेविला के डिफेंडर किके सालास को पुलिस ने हिरासत में लिया और धोखाधड़ी के संदेह में मोरोन डे ला फ्रोंटेरा शहर की अदालत में पेश किया। 22 वर्षीय किके सालास पर अवैध सट्टेबाजी के लिए जानबूझकर पीले कार्ड हासिल करने का संदेह है, साथ ही कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जो उनके परिवार और परिचितों के करीबी माने जाते हैं।स्पेन के एल कॉन्फिडेंशियल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जांचकर्ताओं का मानना है कि सालास के परिवार और दोस्तों ने 10,000 यूरो प्रति माह जीतने के लिए लगभग 30 अलग-अलग दांव लगाए होंगे। जांच 2023-2024 सत्र के अंत में खेले गए कई मैचों पर केंद्रित है, जहां सालास को पिछले नौ मैचों में सात पीले कार्ड दिखाए गए थे, जिनमें से अधिकांश पीले कार्ड खेल के अंतिम मिनटों में आए थे।

प्रीमियर लीगः लिवरपूल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रा खेलकर छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी

लंदन। लिवरपूल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर प्रीमियर लीग में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। फॉरेस्ट के स्ट्राइकर क्रिस वुड ने अपने शानदार सत्र को जारी रखते हुए, आठवें मिनट में एक तेज जवाबी हमले के बाद बाएं पैर से गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। लिवरपूल ने 66वें मिनट में बराबरी हासिल की, जब कोच आर्ने स्लॉट के प्रतिस्थापन ने काम किया, उन्होंने कोस्टास सिमिकास की जगह डिओगो जोटा को मैदान में उतारा, जिन्होंने मैदान में आने के एक मिनट बाद ही गोल कर लिवरपूल को 1-1 से बराबरी दिला दी। लिवरपूल ने अंतिम मिनटों में दबदबा बनाए रखा और मैच ड्रा करा लिया, इस परिणाम के साथ फॉरेस्ट ने आर्सेनल से आगे निकलकर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया, हालांकि आर्सेनल अगर बुधवार को जीतता है तो लिवरपूल की बढ़त को चार अंकों तक सीमित कर सकता है।चेल्सी और बोर्नमाउथ ने 2-2 से रोमांचक ड्रा खेला, जिसमें मेहमान टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 की बढ़त हासिल की, इससे पहले रीस जेम्स ने 95वें मिनट में बराबरी कर ली।

14वें मिनट में चेल्सी ने वापसी की, लेकिन एंटोनी सेमेनियो पर पुश के बाद जस्टिन क्लुइवर्ट द्वारा दिए गए पेनल्टी ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद सेमेनियो ने 68वें मिनट में व्यक्तिगत प्रयास करते हुए बोर्नमाउथ को आगे कर दिया। 95वें मिनट में जेम्स ने निचले कोने में फ्री-किक से गोल कर चेल्सी को 2-2 से बराबरी दिला दी।

भारतीय महिलाओं ने दक्षिण कोरिया को 157 अंकों से हराकर रचा इतिहास

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने खो खो विश्वकप के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 175-18 से ऐतिहासिक जीत की। आज रात इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने बेहतरीन ड्रीम रन और शानदार रक्षात्मक रणनीतियों के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन करते टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल की। भारतीय टीम के आगे दक्षिण कोरिया की टीम संघर्ष करती नजर आई। चैत्रा बी, मीरू और कप्तान प्रियंका इंगले ने लगातार ड्रीम रन बनाकर भारतीय टीम के लिए लय बनाई। पहले दो बैच ने एक-एक अंक अर्जित किया। इस रणनीतिक शुरुआत ने दक्षिण कोरिया द्वारा पहले टर्न के अंत में हासिल किए गए 10 टचपॉइंट को बेअसर करने में मदद की। अपने हक में हालात के आते ही भारतीय टीम ने पूरी ताकत से हमला किया। नसरीन शेख, प्रियंका इंगले और रेशमा राठौड़ की गतिशील

तिकड़ी के नेतृत्व में, केवल नब्बे सेकंड में, टीम ने डिफेंडरों के खिलाफ तीन ऑल आउट जीत हासिल की, जिससे स्कोर 24 हो गया। केवल 18 सेकंड बाद, उन्होंने दक्षिण कोरिया पर चौथा ऑल आउट किया, जिससे उनकी बढ़त 22 अंकों की हो गई। रेशमा राठौड़ ने प्रभावशाली छह टचपॉइंट के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जबकि मीनू ने अन्य डाइव के माध्यम से 12 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम का स्कोर काफी बढ़ गया। दूसरे टर्न के आखिर तक भारतीय टीम ने 16 बैचों को खत्म कर दिया, जिससे स्कोर 94-10 हो गया। तीसरे टर्न में भी भारतीय महिलाओं उसी तीव्रता को बनाए रखा और ड्रीम रन के माध्यम से तीन अंक जोड़े। दक्षिण कोरिया ने टर्न 3 की दूसरी पारी में केवल आठ अंक ही हासिल किए, जबकि भारत का दबदबा कायम रहा।अंतिम टर्न ने मैच पर टीम इंडिया के अटूट नियंत्रण को दर्शाया, जिसने अपने विरोधियों को कभी भी लय बनाने का मौका नहीं दिया। मैच का समापन भारत द्वारा दक्षिण कोरिया के 18 अंकों के मुकाबले 175 अंकों के विशाल स्कोर के साथ हुआ, जिसने टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण चरणों में प्रवेश करने के साथ ही अपने समूह की अन्य टीमों को एक जोरदार संदेश दिया। आज के मैच में भारतीय टीम की निर्मला भाटी को सर्वश्रेष्ठ अटैकर, दक्षिण कोरिया की एस्तेर किम को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर तभा भारतीय टीम की नसरीन शेख को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवजा गया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मेदवेदेव ने पहले राउंड में गुस्से में नेट पर लगा कैमरा तोड़ा

एजेंसी

मेलबर्न। रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मुश्किल शुरुआती राउंड में संयम खोते हुए नेट पर लगे कैमरे को अपने रैकेट से तोड़ दिया। मेदवेदेव ने बाद में धैर्यपूर्ण तरीके से खेले हुए यह मुकाबला जीत लिया। आज यहां दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने दुनिया में 418वें नंबर के प्रतिद्वंद्वी थाईलैंड के कासिडित समरेज खिलाफ तनावपूर्ण संघर्ष के दौरान पांच सेटों में 6-2, 4-6, 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। नेट पर लगे कैमरे को तोड़े जाने की यह घटना उस समय हुई जब तीसरे सेट के आखिर समरेज ने सर्विस करके मैच में 2-1 से बढ़त बना ली तो मेदवेदेव ने अपना संयम खो दिया। इसके बाद चेयर अंपायर ने मेदवेदेव को रैकेट के दुरुपयोग के लिए चेतावनी दी।

श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 1-0 से हराया

एजेंसी

रांची। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में दिल्ली एसजी पाइपर्स के खिलाफ 1-0 से मामूली अंतर से जीत दर्ज की। आज यहां रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में कैथरीन मुलान (23') ने दूसरे क्वार्टर में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बंगाल टाइगर्स ने बढ़त को कायम रखने के लिए जी-जान से संघर्ष किया। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने पहले क्वार्टर में पांच मिनट शेष रहते दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन ग्रेस ओ'हैनलॉन ने शानदार बचाव करते हुए दिल्ली के प्रयास विफल कर दिये। टाइगर्स ने क्वार्टर के आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन गोल करने में विफल रहे। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने दूसरे क्वार्टर की

शुरुआत में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन स्टेफनी डी ग्रूफ के शॉट को ग्रेस ओ'हैनलॉन ने फिर से रोक दिया। पाइपर्स ने तीसरे क्वार्टर में अपनी गति और बढ़ा दी, जिसमें नवनीत कौर ने ओपन प्ले और पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने का प्रयास किया लेकिन वह अंतिम समय तक गोल करने में विफल रहीं। इस दौरान आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने 1-0 की मामूली बढ़त को बनाये रखते हुए मुकाबला जीत लिया।

भारतीय खो खो टीम ने ब्राजील को 64-34 से हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम ने खो खो विश्वकप में मंगलवार रात खेले गये मुकाबले में रणनीतिक कौशल का रोमांचक प्रदर्शन करते हुए ब्राजील पर 64-34 से जीत दर्ज की। यहो इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ब्राजील ने भारत के खिलाफ आक्रामक शुरुआत करते हुए 16 अंक हासिल किए, लेकिन भारतीय ने शानदार वापसी करते हुए ड्रीम रन के दौरान दो अंक अर्जित किए।

दूसरे टर्न में भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की और आखिर में टीम को प्रभावशाली 36 अंक दिलाए। लेकिन जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम जीत की ओर बढ़ रही हैं, तभी ब्राजील ने तीसरे टर्न में वापसी की। ब्राजील ने तीसरे टर्न में भारत पर दबाव बनाया, इस दौरान मौरो पिंटो, जोएल रोड्रिग्स और विशेष रूप से मैथियस कोस्टा ने छह टचपॉइंट बनाए। टीम ने कड़ी मेहनत की और अंततः वापसी की, भारत के 38 अंकों के जवाब में प्रभावशाली 34 अंक बनाए, जिससे मैच के अंतिम सात मिनट बेहद रोमांचक हो गए। आदित्य गणपुले और कप्तान प्रतीक वाइकर की अगुआई में भारतीय टीम ने चौथे टर्न में बहुत अच्छी वापसी की। रोकेसन सिंह ने स्काई डाइव्स के जरिए चार अंक भी बनाए और मेहुल को दो टचपॉइंट मिले, जिससे मेजबान टीम ने खो-खो विश्व कप 2025 के

दूसरे दिन शानदार जीत हासिल की। मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय टीम के पाबरी सबर को मैच का सर्वश्रेष्ठ अटैकर तथा प्रतीक वाइकर को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। वहीं ब्राजील के मैथियस कोस्टा को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार मिला।

वीजा देरी के कारण अबू धाबी में इंग्लिश टीम के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा नहीं ले पाएंगे साकिब महमूद

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के भारत दौरे से पहले, इंग्लिश तेज गेंदबाज साकिब महमूद वीजा देरी के कारण अबू धाबी में अपनी टीम के प्रशिक्षण शिविर से चूक जाएंगे। साकिब को इंग्लैंड की वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि 22 जनवरी को सीरीज के अपने पहले टी20 मैच के लिए पूरी टीम के कोलकाता जाने से पहले वीजा की समस्या का समाधान हो जाएगा। पाकिस्तानी मूल के अंग्रेजी खिलाड़ियों के लिए वीजा में देरी एक परिचित समस्या है। इससे पहले 2024 में, इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर को वीजा मिलने में देरी के कारण हैदराबाद में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था। ईसीबी ने दिसंबर 2024 को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे

के लिए टीमों की घोषणा की, जिसमें तीन वनडे, पांच टी20 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शामिल है। पांच मैचों की टी-20 सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। तीसरा मैच 28 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। वनडे सीरीज 6 फरवरी को नागपुर के वीसीए स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा वनडे 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अंतिम मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है-

वनडे टीमः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

टी20 टीमः जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

रूणे ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के रोमांचक मुकाबले में झांग को हराया

एजेंसी

मेलबर्न। डेनमार्क के स्टार टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूणे ने पांच सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में चीन के झांग झिझेन को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के दूसरे दौर में जगह बना ली है।आज यहां मार्गरिट कोर्ट एरिना में तीन घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मकाबले में होल्गर रूणे ने झांग झिझेन पर 4-

6, 6-3, 6-4, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की।अगले दौर में रूणे का मुकाबला इटली के माटेओ बेरेटिनी से होगा।

बुमराह और सदरलैंड ने जीता 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

एजेंसी

दुबई। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के खिताब से नवजा गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दिसंबर 2024 के प्लेयर ऑफ द मंथ की घोषणा की। बुमराह ने पैट कमिंस और डेन पैटर्सन को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्हें दूसरी बार पुरुष वर्ग में आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना गया है। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर सदरलैंड ने स्मृति मंधाना और एन म्लाबा को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता है। उनको भी दूसरी बार महिला वर्ग के आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के खिताब से नवजा गया है। बुमराह ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14.22 की औसत से 22 विकेट लिए थे। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर

सदरलैंड ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में एक शतक के साथ 122 रन बनाए थे तथा छह विकेट लिए थे। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों में 147 रन बनाने के साथ ही तीन विकेट झटके थे। पुरस्कार जीतने के बाद बुमराह ने कहा, दिसंबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मैं रोमांचित हूं। व्यक्तिगत रूप से पुरस्कृत होना हमेशा अच्छा होता है और अपने प्रयासों के लिए पहचाना जाना हमेशा अच्छा लगता है। ऑलराउंडर सदरलैंड ने कहा, दिसंबर हमारे लिए एक शानदार रहा और टीम की सफलता में योगदान दे पाना अच्छा रहा।

गिल रहेंगे पंजाब की रणजी टीम के लिए उपलब्ध

एजेंसी

नयी दिल्ली। खराब फॉम से जूझ रहे भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने 23 जनवरी से बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब के कर्नाटक के साथ छठे दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहने की पुष्टि की है। रणजी ट्रॉफी के छठे दौरे के लिए पंजाब ने टीम की घोषणा नहीं की है। अगर पंजाब की टीम में गिल की वापसी होती है तो उन्हें रणजी इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और पंजाब के कोच के साथ काम करने का अवसर प्राप्त होगा। भारतीय टीम को गर्मियों में इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैच खेलने है। टीम में वापसी को लेकर गिल को अपनी फार्म में सुधार करना होगा। पंजाब के लिए गिल आखिरी बार 2022 में रणजी ट्रॉफी में खेले थे। पंजाब टीम वर्तमान में ग्रुप ए में पांच मैचों में एकमात्र जीत के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य

चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शीर्ष खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद अपने-अपने राज्य की टीमों के लिए खेलने को उपलब्ध कराये जाने की बात कही है।

फार्म के लिए रोहित ने किया मुम्बई प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास

एजेंसी

मुम्बई। खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड की शुरुआत से पहले वानखेड़े स्टेडियम में मुम्बई की टीम के साथ दो घंटे तक अभ्यास किया। रोहित छठे राउंड में जम्मू कश्मीर के खिलाफ होने वाले मैच से पहले एक सप्ताह तक अभ्यास करेंगे। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह मैच में खेलेंगे या नहीं। मुख्य कोच ओमकार साल्वी की सलाह से ग्रुप के साथ प्रशिक्षण लेने की उनकी उत्सुकता को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वह कम से कम दो शेष मैचों में से एक के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन इस सप्ताह के आखिर में टीम की घोषणा कर सकती है।रोहित की अपनी प्रथम श्रेणी टीम के साथ ऐसे समय वापसी हुई जब कि उनके टेस्ट भविष्य को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

सिडनी टेस्ट के बाद भारत के

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट खिलाड़ियों के लिए घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अधिक से अधिक खेलने के महत्व पर बल दिया था। उन्होंने कहा था कि खेल में बहुत सी चीजे बदलती हैं। फॉर्म बदलती हैं, लोग बदलते हैं, रवैया बदलता है। खेल में सब कुछ बदल जाता है और हम सभी जानते हैं कि पांच महीने का समय बहुत लंबा होता है। इंग्लैंड सीरीज से पहले देखते हैं कि क्या होने वाला है। लेकिन जो भी होग वह भारतीय क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में होगा। गत रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई वर्तमान में ग्रुप ए में पांच मैचों में तीन जीत के साथ तीसरे स्थान पर हैं, दूसरे स्थान पर मौजूद जम्मू और कश्मीर से केवल एक अंक पीछे हैं।

चेन्नइयन एफसी पर लीग डबल पूरा करना मोहम्मडन स्पोर्टिंग का लक्ष्य

एजेंसी

कोलकाता। मोहम्मडन एससी की टीम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में चेन्नइयन एफसी की मेजबान करेगी, तो उसका लक्ष्य अपना पहला लीग डबल हासिल करना होगा जबकि मरीना माचान्स किसी नई-नवेली टीम के हाथों ऐसी शर्मनाक स्थिति से बचना चाहेंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपने पिछले तीन मैचों (1 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित रहकर रक्षात्मक मजबूती दिखाई है, जिसमें उनकी पिछले अवे मैच में बेंगलुरू एफसी पर 1-0 की जीत भी शामिल है। वहीं, चेन्नइयन एफसी घर से बाहर अपने पिछले तीन मैच बिना गोल किए हारी है।

मोहम्मडन एससी 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन एफसी 15 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और सात हार से 16 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है। मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में हैडर के जरिये छह गोल खाए हैं, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। चार हैडर से गोल करने वाली चेन्नइयन एफसी मेजबान टीम की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मोहम्मडन (26) ने चेन्नइयन

एफसी (22) की तुलना में ज्यादा बड़े मौके बनाए हैं, लेकिन उसकी 19.2फीसदी की रूपांतरण दर लीग में सबसे कम है। चेन्नइयन एफसी अपने पिछले तीन अवे मैचों में गोल करने में विफल रही है। लाडिनपुइया प्रति मैच 6.2 बार कब्जा फिर हासिल करते हैं, अब तक 21 टैकल किए हैं और 77त्न सटीकता के साथ प्रति मैच 32 पास किए हैं। रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने ब्लैक पैंथर्स को अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, मैं इन खिलाड़ियों के साथ काम करके काफी खुश हूं। जीत ने हमारे अंदर सकारात्मकता पैदा की है। मैं अपने खिलाड़ियों से खुद पर यकीन करने के लिए कहता रहता हूं। मरीना माचान्स के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने अपनी टीम से रक्षात्मक रूप से अधिक अनुशासित रहने को कहा।उन्होंने कहा, हम अभी भी सामान्य खेल रहे हैं। हमें अपना स्तर वापस पाने की कोशिश करनी होगी। हमें डिफेंस में कड़ी मेहनत करनी होगी और अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम मैच जीतना शुरू कर देंगे। बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला हुआ है, जिसमें मोहम्मडन स्पोर्टिंग पहली जीत का स्वाद चखा था। मोहम्मडन एससी ने चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हराया था।

अब कैसे हैं टीकू तलसानिया?

रश्मि देसाई

ने शेयर की हेल्थ से जुड़ी जरूरी जानकारी

टीकू तलसानिया का नाम बीते दिन जब अचानक से चर्चा में आया, जब उनको हार्ट अटैक आने की खबर सामने आई. हालांकि जब दिग्गज एक्टर की पत्नी से बात की गई तो पता चला कि उन्हें हार्ट अटैक नहीं बल्कि ब्रेन स्ट्रोक हुआ है. इस खबर के सामने आने के बाद टीकू तलसानिया के तमाम चाहनेवाले उनके ठीक होने की दुआ करने लगे. एक्टर की पत्नी के बाद अब टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने भी एक्टर की हेल्थ से जुड़ी जानकारी सभी के साथ शेयर की है. रश्मि ने टीकू तलसानिया की हेल्थ अपडेट देते हुए बताया कि वो अब खतरे से बाहर हैं.एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार टीकू तलसानिया की वाइफ दिति तलसानिया ने अपने बयान में ये क्लियर कर दिया है कि उनके पति को ब्रेन स्ट्रोक हुआ है, जिसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में ले जाया गया. 70 साल के एक्टर का फिलहाल मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल इलाज जारी है. इस बीच, एक्ट्रेस रश्मि देसाई, जिन्हें एक दिन पहले स्क्रीनिंग के दौरान तलसानिया से मिलने का मौका मिला था, उन्होंने एक्टर की हेल्थ को लेकर बात की.

रश्मि देसाई ने दिया हेल्थ अपडेट

हिंदुस्तान टाइम्स ने रश्मि देसाई से कॉन्टेक्ट किया, तो उन्होंने शेयर किया कि उन्होंने सुना है कि टीकू तलसानिया अब बेहतर हैं. रश्मि देसाई ने कहा कि, मुझे पता है कि वह बेहतर कर रहे हैं. मैंने फिलहाल उन्हें मैसेज नहीं किया है क्योंकि मुझे नहीं लगता कि परिवार को परेशान करने का यह सही समय है. इसके अलावा रश्मि ने अपनी और दिग्गज एक्टर की मुलाकात पर भी चर्चा की. उन्होंने बताया कि जब वो उनसे मिली थीं, तब वो ठीक थे. उनसे मिलना काफी अच्छा था.

सोशल मीडिया पर इस वक्त वीडियो काफी वायरल हो रही है. ये वीडियो टीकू तलसानिया के ब्रेन स्ट्रोक से एक रात पहले का है. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि रश्मि देसाई दिग्गज एक्टर के पैर छूती हुई नजर आ रही हैं. वहीं टीकू तलसानिया भी बड़े प्यार से उन्हें गले लगाते हैं. दरअसल टीकू तलसानिया एक्ट्रेस की गुजराती फिल्म की स्क्रीनिंग पर पहुंचे थे.

करण जौहर को देखकर 30 मिनट तक हंसी थीं काजोल, परेशान होकर फिल्ममेकर पार्टी छोड़कर चले गए थे घर

बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर करण जौहर और काजोल की दोस्ती काफी पुरानी है. काजोल ने करण जौहर की कई फिल्मों में काम किया है और वो फिल्में सुपरहिट भी रही हैं. करण जौहर और काजोल बचपन से दोस्त हैं, लेकिन जब उनकी पहली मुलाकात हुई थी वो करण को आज भी याद है क्योंकि उस समय काजोल के व्यवहार से करण बहुत परेशान हो गए थे. इतना ही नहीं करण इतने इरिटेट हुए कि पार्टी छोड़कर चले गए थे.कपिल शर्मा के शो में एक बार करण जौहर और काजोल साथ में आए, इस दौरान दोनों ने अपने पुराने दिनों को याद किया. कपिल शर्मा के एक सवाल पर करण जौहर ने अपना एक पुराना किस्सा सुनाया, जिसमें उनकी और काजोल की पहली मुलाकात हुई थी.

करण जौहर और काजोल की पहली मुलाकात

कपिल शर्मा ने काजोल से पूछा, 'हमने सुना है कि काजोल मैम को 100 में से 99 लोग पसंद ही नहीं आते हैं?' इसपर काजोल ने कहा था, 'हां, इसीलिए तो मेरे कम दोस्त हैं.' तभी करण जौहर ने कहा, 'इसीलिए तो मैंने कहा न 7 लोग हैं.' कपिल शर्मा ने फिर कहा, 'कहते हैं जब अजय देवगन पहली बार इनसे मिले थे तो इनको अजय सर भी पसंद नहीं आए थे.' इसपर भी करण ने कहा, 'बिल्कुल, मैं जानता हूं, मुझसे पूछो. 'ये कहते हुए करण ने काजोल की तरफ देखकर कहा कि उन्हें बहुत कुछ पता है, वो बता दें? तो काजोल करण की तरफ देखती हैं और ना का इशारा करती हैं.

इसके बाद कपिल शर्मा ने काजोल से पूछा, 'तो मैम जब आप करण सर से पहली बार मिली थीं तो ये आपको पसंद आए थे?' तो काजोल और करण दोनों ने साथ में चिल्लाते हुए कहा- नहीं. तब करण जौहर ने कहा था, 'हंसी थी ये पागलों की तरह.' कपिल ने पूछा, 'हंसी क्यों थी मैम?' तो काजोल ने कहा, 'दरअसल मैं एक फिल्मी पार्टी में गई थी. वो पार्टी एक डिस्को थीम पर थी जहां सभी कूल ड्रेस में थे. तभी वहां मिस्टर जौहर की एंट्री होती है वो भी थ्री पीस सूट में. अंदर टाई-वाई पहनकर, सोचो 21 साल का लड़का पार्टी में ऐसे कपड़ों में आया है. मेरी हंसी छूट गई और मैं इतना हंसी हूं इनको देखकर. 'इसपर करण जौहर ने कहा था, 'इनकी सारी बातें गलत हैं. मैं 17 साल का था और ये 15 की थी. मुझे लगा फिल्मी पार्टी है तो सज-धज के जाना चाहिए. तो मैं वहां थ्री पीस सूट पहनकर गया.

सलमान और मुझे साथ काम करने के कई मौके मिले लेकिनज्भाईजान को कंगना ने बताया दोस्त, किया ये खुलासा

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी के प्रमोशन में बिज़ी हैं. इस दौरान कंगना लगातार इंटरव्यूज़ दे रही हैं. कंगना हिंदी फिल्म इंडस्ट्री और इसके कई कलाकारों पर अक्सर बरसती नज़र आती हैं. अब एक इंटरव्यू में कंगना ने सलमान खान को लेकर बात की है. उन्होंने सलमान खान को अपना अच्छा दोस्त बताया है.कंगना ने इस दौरान इस बात का भी खुलासा किया कि कई बार ऐसा हुआ जब वो और सलमान साथ काम करने वाले थे, लेकिन अंत में बात बन नहीं पाई. न्यूज18 से बात करते हुए कंगना ने कहा, सलमान मेरे अच्छे दोस्त हैं. और हमें ऐसे कई मौके मिले, जब हम साथ में काम कर सकते थे, पर आप जानते हैं, देखते हैं क्या होता है. किसी न किसी वजह से हम साथ काम नहीं कर पाए.

कंगना ने ठुकराया सलमान का ऑफर

कुछ वक्त पहले कंगना रनौत ने सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में

खुद बताया था कि सलमान ने उन्हें बजरंगी भाईजान और सुल्तान जैसी फिल्मों में अच्छे रोल ऑफर किए थे, पर उन्होंने करने से मना कर दिया था. उन्होंने कहा था, सलमान ने मुझे बजरंगी भाईजान में रोल दिया था, मैंने कहा, ये क्या रोल दिया है. फिर उन्होंने मुझे सुल्तान के लिए अप्रोच किया था. मैंने उसे भी नहीं लिया. वो कहने लगे कि अब मैं आपको और क्या ऑफर करूं.

सलमान, कंगना से कैसे पेश आते हैं?

कंगना ने बताया था कि भले ही उन्होंने सलमान के ऑफर को ठुकरा दिया था, लेकिन सलमान उनसे हमेशा अच्छे से पेश आते हैं. उन्होंने कहा था, सलमान बहुत अच्छे हैं. वो मुझसे बात करते रहते हैं. वो इमरजेंसी देखने के लिए भी एक्साइटेड हैं. हमारा एक कॉमन फ्रेंड है, उन्होंने उसे भेजा और कहा 'तुम जाओ और देखो उन्होंने कैसी फिल्म बनाई है'. उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि ये एक अच्छी फिल्म है. मैंने उनसे कहा कि आपके पास खबर है, लेकिन आपने ये खुद नहीं देखी है. इस तरह की बॉन्डिंग हम शेयर करते हैं.

सोनम कपूर

के एक कमेंट से आग बबूला हो गई थीं ऐश्वर्या राय, एक्ट्रेस ने कान फिल्म फेस्टिवल में दिया था जवाब

बॉलीवुड में कैटफाइट खूब देखने को मिलते हैं. अक्सर खबर आती रहती है कि फलां एक्ट्रेस का दूसरी एक्ट्रेस से मनमुटाव चल रहा है. कई बार कैटफाइट में थप्पड़ मार देने की बातें भी सामने आती रहती हैं. लेकिन आज जो किस्सा हम आपको बताने जा रहे हैं, उसमें दो अलग अलग जेनरेशन की एक्ट्रेस के बीच की कैटफाइट है. ये किस्सा है सोनम कपूर और ऐश्वर्या राय बच्चन का. दअरसल सोनम ने एक बार ऐश को कुछ ऐसा बोल दिया था जो उनको बिल्कुल पसंद नहीं आया था. फिर उन्होंने भी मुंहतोड़ जवाब दिया था.

चलिए जानते हैं कि क्या हुआ था.दरअसल ऐश्वर्या राय कई साल से एक ब्यूटी ब्रांड के लिए काम कर रही थीं. बाद में जब वो ब्रांड सोनम कपूर के पास गया तो ऐश को इसपर आपत्ति हुई. उन्होंने कहा कि वो इससे खुश नहीं हैं.

सोनम ने ऐश को कह दिया आंटी

जब मीडिया में ये बात सामने आई कि ऐश्वर्या राय को ब्रांड एंबेसडर के पद से हटा दिया गया है और उनकी जगह सोनम कपूर ने ले ली है तो मीडिया ने इसपर सोनम से उनका जवाब मांगना चाहा. इस दौरान एक्ट्रेस ने कहा, ऐश्वर्या दूसरी पीढ़ी की आंटी हैं. सोनम कपूर ने अपने बयान में साफ तौर पर एक्ट्रेस को आंटी कहकर बुलाया था. सोनम के इस बयान से उस दौरान खूब हंगामा हुआ था. हालांकि बाद में सोनम कपूर ने इसपर सफाई देते हुए कहा था कि ऐश्वर्या ने मेरे पापा के साथ कई फिल्मों में काम किया है, इसलिए मैंने उनको आंटी कहा. लेकिन कुछ वक्त के बाद तो सोनम खुद अपने बयान से मुकर गई थीं.

जब ऐश्वर्या ने दिया सोनम को जवाब

इसके बाद जब साल 2011 में कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन हुआ तो ऐश्वर्या राय को सोनम कपूर के साथ रैंप वॉक के लिए कहा गया. लेकिन एक्ट्रेस ने सोनम के साथ रैंप शेयर करने से बिल्कुल मना कर दिया. ऐश्वर्या ने कहा था कि अगर उनको सोनम के साथ रैंप वॉक के लिए कहा जाएगा तो वो वॉक ही नहीं करेंगी. हालांकि अब तो इस बात को काफी वक्त बीत चुका है, लेकिन उस दौरान इसपर खूब हंगामा हुआ था.